राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

पटना एवं दिल्ली से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 सरफराज की इनिंग से इम्प्रैस...

सैन्य ऑपरेशन को लेकर फिर... 12

वर्ष : 11 | अंक : 275 | पटना, शनिवार, 17 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 23°C
न्यूनतम तापमान 16°C

बाजार

सोना 63,575

चांदी 74,900

सेंसेक्स 72,426

निफ्टी 22,040

संक्षिप्त खबरें

20 फरवरी से तेजस्वी का जन विश्वास यात्रा

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव जन विश्वास यात्रा पर निकलेंगे। 20 फरवरी से 29 फरवरी तक के यात्रा के दौरान राज्य के 32 जनसभाओं को सम्बोधित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बताया कि पिछले दिनों नेता विरोधी दल तेजस्वी प्रसाद यादव की उपस्थिति में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह जी की अध्यक्षता में हुई जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों की बैठक में जन विश्वास यात्रा ह्यु निकालने का निर्णय लिया गया था। इस यात्रा में उनके साथ पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ हीं महागठबंधन के अन्य नेता और कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इस हेतु प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह द्वारा महागठबंधन के सभी घटक दलों को आमंत्रित किया गया है।

दो ट्रकों के बीच टक्कर में चार लोगों की मौत

खूंटी (झारखंड)। झारखंड के खूंटी जिले में शुक्रवार को दो ट्रकों के बीच टक्कर में चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रांची से करीब 40 किलोमीटर कर्रा के चांपी गांव में सुबह सात बजे घने कोहरे की वजह से दो मालवाहक ट्रकों के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गयी। कर्रा थाना प्रभारी पंकज कुमार दास ने बताया कि दुर्घटना में मारे गये लोगों में ट्रकों के चालक और हेल्पर शामिल हैं। उन्होंने बताया, ह्वबजरी से लदे एक ट्रक की रेत से लदे दूसरे ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गयी। दोनों ट्रकों के चालकों और हेल्परों को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि चारों मृतकों में से तीन की पहचान सिकरा पहान, दिनेश पहान और पंकज मुंडा के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का किया निरीक्षण

साइंस सिटी विश्व के बेहतरीन केंद्रों में से एक होगा : नीतीश

- सीएम ने निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का दिए निर्देश
- कहा- यह जल्द से जल्द बनकर तैयार हो जाएगा तो मुझे काफी खुशी होगी

प्रात : किरण वरीय संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को निमाणार्धीन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने साइंस सिटी परिसर में बन रहे भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और एक-एक चीज के बारे में बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण किया और जहां तालाब का निर्माण कराया जा रहा है उसे भी देखा और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि को निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जल्द से जल्द बनकर तैयार हो जाएगा तो मुझे काफी खुशी होगी। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी विश्व के बेहतरीन केंद्रों में से एक होगा।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करें। इस साइंस सिटी के निर्माण को लेकर कई विशेषज्ञों की राय ली गई। बहुत पहले से इस साइंस सिटी के निर्माण को लेकर हमारे मन में कॉन्सेप्ट था और हमने इसको लेकर अपना आइडिया दिया। जब यह बनकर तैयार हो जाएगा तो अपने आप में विशिष्ट होगा। इस परिसर में तालाब का भी निर्माण कराया जा रहा है जिससे जल संग्रहण में सुविधा होगी। व्यवस्थित ढंग से यहां पौधारोपण और ग्रीन एरिया डेवलप किया जा रहा है जिससे यह परिसर सुंदर और आकर्षक दिखेगा। यहां आनेवाले छात्र-छात्राओं को विज्ञान की मूलभूत बातें, गतिविधियां और विज्ञान से जुड़ी हुई चीजों को गाइड के माध्यम से बेहतर ढंग से जानकारी दी जानी है इसको लेकर सारी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

छात्र-छात्राओं के ठहरने की भी व्यवस्था होगी : निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री को भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी के निर्माण कार्य की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिल्डिंग निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है और एक्जीबिशन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। भवन निर्माण के सचिव ने मास्टर प्लान के माध्यम से पूरे साइंस सिटी परिसर के निर्माण कार्य एवं व्यवस्थाओं के संबंध में मुख्यमंत्री को बताया। उन्होंने बताया कि यहां छात्र-छात्राओं को गाइड के माध्यम से विज्ञान की मूल बातें बताई और दिखाई जाएंगी। यहां आनेवाले छात्र-छात्राओं के ठहरने की भी व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री के समक्ष डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी के निर्माण कार्य और व्यवस्थाओं से संबंधित एक लघु फिल्म के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दी गई।

सीएम ने सैदपुर नाले पर सड़क निर्माण कार्य का लिया जायजा : मुख्यमंत्री ने सैदपुर नाले पर सड़क निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य तेजी से करें ताकि लोगों को आवागमन के लिए एक वैकल्पिक मार्ग मिल सके और यातायात सुलभ रहे।

ये रहें मौजूद: निरीक्षण के दौरान पूर्व मंत्री संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

इंडिया के सत्ता में आने पर एमएसपी को कानूनी गारंटी मिलेगी: राहुल

रोहतास में आयोजित किसान न्याय महापंचायत में कांग्रेस नेता ने किया ऐलान

- भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी भी रहें मौजूद

प्रात : किरण

रोहतास/सासाराम/एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि यदि आगामी लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी दलों का गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस सत्ता में आता है तो उनकी पार्टी देश में किसानों की लंबे समय से लंबित मांगों को स्वीकार करेगी और न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करेगी।

राहुल गांधी शुक्रवार को अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के साथ रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र के टेकारी में आयोजित किसान न्याय महापंचायत में पहुंचे और उन्होंने खाट पर बैठकर किसानों की समस्याओं पर चर्चा की। गांधी ने किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए दावा किया, किसानों को उनकी फसलों का सही दाम नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र की सत्ता में आने के बाद कांग्रेस एमएसपी को कानूनी गारंटी देगी। उन्होंने कहा, जब भी किसानों ने कांग्रेस से कुछ मांगा हैं, उन्हें दिया गया है। चाहे कर्ज माफी हो या एमएसपी, कांग्रेस ने हमेशा किसानों के हितों की रक्षा की है और हमेशा ऐसा करती करेगी। गांधी ने अग्निवीर योजना को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा और कहा, केंद्र ने सेना में दो श्रेणियां बनाई हैं। एक अग्निवीर और एक अन्य। यदि कोई अग्निवीर घायल हो जाए या शहीद हो जाए तो उसे न तो शहीद का दर्जा मिलेगा और न ही आवश्यक मुआवजा यह भेदभाव क्यों।

नफरत की राजनीति करती है भाजपा : तेजस्वी

- कहा- पीएम के पास किसानों से मिलने का समय नहीं

इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजसवी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री के पास समय नहीं है। वह प्रियंका चोपड़ा से जरूर मिलेंगे लेकिन हमारे किसान भाइयों से नहीं मिलेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग नफरत की राजनीति करते हैं और झूठ का प्रचार करते हैं। तेजस्वी ने यादव ने मुख्यमंत्री को एनडीए गठबंधन में जाने पर भी तंज कसा। कहा हम भोलेभाले लोग है, देश में सांप्रदायिक शक्तियों को रोकने के लिए एक थके हुए मुख्यमंत्री को फिर से स्वीकार कर लिया था। गांधी के साथ यात्रा में शामिल तेजस्वी यादव पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की सीमा नौबतपुर तक जाएंगे और कैमूर जिले में दोनों नेता एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले राजद नेता तेजस्वी यादव, राहुल गांधी के रोहतास जिले के डेहरी मुफस्सिल थाना अंतर्गत जमुहार में रात्रि विश्राम के बाद शुक्रवार की सुबह वहां पहुंचे। तेजस्वी और राहुल एक लाल रंग की खुली जीप में सवार हुए। तेजस्वी जीप चला रहे थे और राहुल बगल की सीट में बैठे थे। इस जीप में पीछे लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार बैठी हुई थीं।

भाकपा माले विधायक मनोज मंजिल की सदस्यता रद्द

प्रात : किरण

पटना। भोजपुर के अगियांव के भाकपा माले विधायक मनोज मंजिल की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। तीन दिन पहले उन्हें हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा हुई थी। मंजिल को हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा मिलने के बाद उन्हें विधान सभा सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। विधानसभा सचिवालय में शुक्रवार शाम को इस संबंध में अभी सूचना जारी की। दरअसल, 13 फरवरी को एमपी-एमएलए कोर्ट ने हत्या के केस में दोषी पाते हुए मनोज मंजिल समेत 23 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद मनोज मंजिल को आरा कोर्ट से ही गिरफ्तार कर लिया गया और आरा मंडल कारा भेज दिया गया था। बिहार विधानसभा सचिवालय की ओर से इसके लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इसमें बिहार विधानसभा अध्यक्ष के आदेश पर जारी अधिसूचना में कहा गया है कि एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा अगिआंव विधानसभा के विधायक मनोज मंजिल के विरुद्ध दोषसिद्धि एवं दंडादेश के परिणावस्वरूप जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा आठ और संविधान के अनुच्छेद 191 एक (सी) के प्रावधानों के तरह मनोज मंजिल की सदस्यता रद्द की जाती है। दरसअल, 20 अगस्त 2015 में अजीमाबाद थाना क्षेत्र के बड़गांव निवासी जय प्रकाश चौधरी की हत्या कर दी गई थी।

बागवानी के क्षेत्र में बिहार एक अग्रणी राज्य : विजय

प्रात : किरण

पटना। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री बिहार विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को कृषि विभाग द्वारा गांधी मैदान में आयोजित बागवानी महोत्सव 2024 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि पटना के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में बागवानी से जुड़े किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बागवानी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। बिहार की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। कृषि राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रिया-कलापों का आधार है। बिहार की अर्थव्यवस्था में बागवानी खासकर फल, सब्जी, मसाला की भूमिका अहम है। बिहार में कुल 13.48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बागवानी फसल की खेती होती है, जिसमें मुख्य रूप से फल की खेती 3.64 लाख हेक्टेयर, सब्जी की खेती 9.11 लाख हेक्टेयर तथा मसाला की खेती 0.39 लाख हेक्टेयर की जाती है। उन्होंने कहा कि बागवानी के क्षेत्र में बिहार एक अग्रणी राज्य है। यहाँ के किसानों ने इस मिथक को तोड़ा है, वैसे बागवानी फसल जो पारंपरिक रूप से बिहार में नहीं होते थे, आज किसान न केवल वैसे बागवानी फसलों की खेती कर रहे हैं, बल्कि दूसरे किसानों को भी प्रेरित कर रहे हैं। आज राज्य में स्ट्राबेरी, ड्रैगनफ्रूट, सेब आदि फलों की खेती की जा रही है। बागवानी फसलों में अच्छा उत्पादन के साथ कृषकों को उचित मूल्य मिले, उत्पाद का भंडारण हो, उसका प्रसंस्करण एवं मूल्यसंवर्द्धन हो, कृषि विभाग इस दिशा में कार्य कर रही है। मंत्री ने आगे बताया कि केन्द्र सरकार बिहार के कृषि धरोहरों कतरनी चावल, शाही लीची, जदालूं आम, मगही पान, मिथिला मखाना एवं मरचा धान को जीआई टैग प्रदान की है, जो बिहार की विशिष्टताओं को दशार्ता है। कृषि विभाग इन उत्पादों के विकास के लिए कार्य कर रही है।

नीतीश के लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं: लालू

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं। नीतीश कुमार हाल ही में राजद व कांग्रेस के साथ वाले महागठबंधन से नाता तोड़कर कर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हो गए। जदयू अध्यक्ष के विरोधी खेमे में जाने के बाद प्रदेश में सत्ता गंवाने वाले वाली राजद के अध्यक्ष ने यहां पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। दोनों नेताओं को बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा परिसर के अंदर गर्मजोशी से हाथ मिलाते देखा गया, जहां लालू राज्यसभा चुनाव को लेकर अपनी पार्टी के उम्मीदवारों मनोज झा और संजय यादव के नामांकन दाखिल करने के समय उनका मनोबल बढ़ाने गए थे। जब प्रसाद से कुमार से फिर से साथ आने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, अब आएंगे तो देखेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या जदयू प्रमुख के लिए उनका दरवाजा खुला हुआ है, राजद प्रमुख ने कहा, दरवाजा खुला ही रहता है।

पीएम ने विकास परियोजना का किया लाकार्पण

बिजली उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बना भारत: मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार सुबह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत विकसित राजस्थान कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी वंशवाद के कुचक्र में फंसी हुई है और इसी कारण मोदी की कही हर बात का विरोध करती है। उसकी इस तरह की राजनीति को युवा वोटर खासकर पहली बार वोट करने वाला कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं सड़क, रेलवे, सौर ऊर्जा, विद्युत पारेषण, पेयजल और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पूरा करती हैं। कांग्रेस के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास एक ही एजेंडा है, मोदी विरोध, घोर मोदी विरोध। मोदी विरोध में ये ऐसी-ऐसी बातें फैलाते हैं, जिससे समाज बंट जाए। आज हर कोई कांग्रेस का साथ छोड़ रहा है, सिर्फ एक परिवार ही वहां दिखता है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान में पेपर लीक के मामले में एसआईटी गठित किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि युवाओं को इससे बचाने के लिए केन्द्र सरकार कानून लेकर आई है। अब संगठित तौर पर पेपर लीक कराने वाले लोगों में डर पैदा होगा। केन्द्र और राज्य सरकार में प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टी कांग्रेस की कार्यशैली की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के पास दूरगामी सोच और सकारात्मक नीतियों का अभाव रहा है। पार्टी के पास कभी भी भविष्य का रोडमैप नहीं रहा। इसी कारण से सालों तक देश बिजली क्षेत्र में काफी पीछे रहा है। उनकी सरकार के प्रयासों से आज देश बिजली उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के माध्यम से उनकी सरकार युवा, महिला, किसान और गरीब को सशक्त करने का प्रयास कर रही है। उनके लिए यही चार सबसे बड़ी जातियां हैं।

बिहार सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
बिहार सरकार
समाज कल्याण विभाग
POSHAN Abhiyaan PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment
सही पोषण - देश रोशन

गर्भावस्था के दौरान देखभाल

- विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन करें
- अधिक मात्रा में भोजन करें – लगभग सामान्य आहार से एक चौथाई ज्यादा।
- आंगनबाड़ी केन्द्र से मिले पूरक पोषाहार को नियमित रूप से खाएं।
- भोजन खाने के बाद कुल्ला अवश्य करें और दिन में कम से कम दो बार ब्रश/दातुन करें
- दिन में कम से कम 2 घण्टे आराम करें। इसके अलावा रात में 8 घण्टे सोयें।
- केवल आयोडिन युक्त नमक का उपयोग करें।

गर्भधारण करते ही नजदीकी आंगनबाड़ी में पंजीकृत कराएं तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना का लाभ सुनिश्चित करें

हर प्रसवपूर्व जांच पर पोषण परामर्श सुनिश्चित करें

PR No.- 017588 (SWD)D. 2023-24

समेकित बाल विकास सेवाएँ (ICDS) निदेशालय, बिहार, पटना द्वारा जनहित में जारी

आई.सी.डी.एस. निदेशालय, इंदिरा भवन, राम चरित्र सिंह पथ, पटना - 800001 | वेबसाइट: icdsbih.gov.in

Follow us on: ICDSBR @IcdsDirectorate icds_directorate
Watch us on www.youtube.com/@icdsdirectoratebihar

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, शनिवार, 17 फरवरी, 2024

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

प्रतियोगिता परीक्षा देने जा रहे युवा की ट्रेन से कट कर मौत

पटना सिटी (प्राकि)। गुलजारबाग स्टेशन के पश्चिम केबिन के पास अप में आ रही ट्रेन की चपेट में आ युवक की मौत हो गई। हादसा श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन कीचपेट में आने से हुई। मृतक मसौढ़ी के भगवानगंज थाना क्षेत्र के खानुपरा गांव के रहने वाले रंजय कुमार शर्मा के 22 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार है। गुलजारबाग जीआरपी थानाध्यक्ष मंजू लता सिंह ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम पीएमसीएच में कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। बताया जाता है कि युवक पटना साहिब स्टेशन पर ट्रेन पर सवार हुआ था। परिजनों का कहना है कि अंकित प्रतियोगिता परीक्षा देने के लिए यूपी के गाजियाबाद जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

लोन एजेंट बता बदमाशों ने युवक से बाइक छीनकर हुआ फरार

दानापुर। नगर के अंतर्गत लोन एजेंट बताकर बदमाशों ने युवक से बाइक छीनकर फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक बाइक रोक कर कहने लगे की हम लोन कंपनी से है और आपका लोन 60,000 रुपए बाकी है जो आपको चुकाना है। जबकि लोन अक्टूबर 2023 में ही पूरा हो चूका था, फिर उसने बाइक की चाभी निकल ली और बाइक लेकर फरार हो गये।

पीपापुल पर शुक्रवार को करीब दो घंटा आवागमन बाधित रहा

दानापुर। नगर के अंतर्गत दियारा का लाईफ लाईन कहा जाने वाला पीपापुल पर शुक्रवार को करीब दो घंटा आवागमन बाधित रहा।जिससे दियारावासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिसमें ज्यादा परेशानी छात्र छात्राओं को उठानी पड़ी।ठीकेदार ई वीरेंद्र कुमार ने बताया कि दोपहर में बनारस से एक जहाज आई थी,जिसे पटना जाना था। जहाज को क्रास कराने के लिए पीपा को खोला गया।पीला खोलने और जोड़ने के दरम्यान करीब दो घंटे आवागमन बंद रहा।पीपा को जोड़ने के बाद आवागमन चालू हो गया।

मोबाइल चोर गिरफ्तार

दानापुर खगौल। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर यात्रियों के सहयोग से एक चोर को रेल पुलिस ने धड दबोचा। जिसके पास से चोरी के तीन एंड्रांइड मोबाइल बरामद किया गया। इस संबंध में पीडित के ब्यान पर मामला दर्ज कर पकडे गये चोर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बताया जाता है कि वैशाली के जंदाहा के रामपुर बोराहा निवासी रितिक रोशन ने मामला दर्ज कराया। बताया जाता है कि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर मोबाइल चोरी करते एक युवक को लोगो ने पकड़ लिया। जिसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पकडा गया युवक की पहचान बक्सर के स्टेशन रोड मुसाफिरगंज अंबेदकर चौक निवासी राजेश वर्मा के रूप में किया गया।

अज्ञात शव बरामद

दानापुर खगौल। रेल थाना दानापुर क्षेत्र नेउरा व गांधी हॉल्ट के बीच पोल नंबर 560/ 25 के पास एक अज्ञात व्यक्ति की चलती ट्रेन से गिड़ने से मौत हा हो गया। सूचना पर पहुंची रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की उम्र करीब 40 -45 वर्ष बतायी जाती है। इस संबंध में रेल थाना दानापुर यूडी कांड दर्ज किया गया है। रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि शव की शिनाख्त नही हो सकी है। ऐसा लगता है जैसे किसी चलती ट्रेन से वो गिड़ पड़ा। जिसमें गंभीर रूप से जख्मी होने से मौत हो गयी।

सिटी में वाहन हड़ताल रहा बेअसर

पटना सिटी (प्राकि)। हिट एंड रन कानून को वापस लिए जाने की मांग को लेकर पटना जिला ऑटो रिक्शा चालक संघ एवं अन्य संगठनों ने हड़ताल की घोषणा 16 एवं 17 जनवरी के लिए किया था। मगर शुक्रवार को सुबह से लेकर रात तक अशोक राजपथ, सुदर्शन पथ, पुरानी बाइपास एवं अन्य संपर्क पथों पर ऑटो व ई-रिक्शा का परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। वहीं न पर भी ट्रक और बेसन का परिचालन सामान्य रूप से होता देखा गया हड़ताल का असर पूरी तरह से सिटी में बेअसर रहा।

पालीगंज पहुंचे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव

पालीगंज/ शुक्रवार की शाम दुल्हिन बाजार होते हुए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पालीगंज पहुंचे। इस दौरान राजद कार्यकर्ताओ ने भव्य स्वागत किया। जानकारी के अनुसार बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव शुक्रवार की शाम सड़क मार्ग से दुल्हिन बाजार होते हुए पालीगंज प्रखण्ड के डीहपाली गांव में राजद के पटना जिलाअध्यक्ष दीनानाथ सिंह यादव के माता की श्राद्धकर्म में शामिल होने जा रहे थे। जिसके दौरान दुल्हिन बाजार में राजद कार्यकर्ताओ ने लालूप्रसाद यादव की वाहन को रूकवाया तथा फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। जहां से लालू प्रसाद यादव ने पालीगंज प्रखण्ड क्षेत्र के डीहपाली गांव स्थित दीनानाथ सिंह यादव के आवास पर पहुंचे।

वोटर लिस्ट बनाने को गठित टीम को रद्द करें अध्यक्ष : लखबिंदर

खास लोगों को हराने व गलत लोगों को किया गया है शामिल

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने भी पांच निर्वाचन क्षेत्र के लिए अध्यक्ष के द्वारा जारी की गई सूची पर आपत्ति जताई है। साथ ही उसे रद्द किए जाने की मांग की है।

14 फरवरी को अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही को संबोधित भेजे गए पत्र में कहा गया है कि आपके द्वारा 10 फरवरी को जारी पत्र में नई मतदाता सूची तैयार करने के लिए पांच निर्वाचन क्षेत्र के लिए पांच टीम का गठन किया गया है। यह असंवैधानिक है। साथ ही जो टीम आपने बनाई है, उसमें शामिल सदस्यों से लगता है कि यह लोग किसी न किसी व्यक्ति विशेष को पूरा लाभ पहुंचाने की नीयत से टीम में शामिल किया गया है। वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने कहा कि कमेटी कार्यालय के अधीक्षक दलजीत सिंह, जो खुद घोषणा कर चुके थे कि गुरु पर्व के बाद वे सेवानिवृत्ति ले लेंगे।

जबकि वह इस सेवानिवृत्ति मद की राशि पांच लाख पूर्व में ही ले चुके हैं। ऐसे में उन्हें टीम में शामिल नहीं किया जा सकता है। सरदार दया सिंह के ऊपर तख्त साहिब का करीब पांच लाख रुपया बकाया है। संविधान में साफ लिखा हुआ है कि जिन पर कोई भी बकाया है, वह वोट नहीं कर सकते हैं। कमेटी के सदस्य महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन एवं हरपाल सिंह जौहल आने वाले समय में खुद चुनाव भी लड़ सकते हैं या अपने गुट के सदस्यों को लाभ पहुंचाने की नीयत से सूची तैयार कर सकते हैं। इसी प्रकार जो भी सदस्य आपने चुना है, वह पक्ष या विपक्ष किसी न किसी गुट से जुड़ा है। अध्यक्ष को पत्र भेज जारी की गई सभी टीमों की सूची को रद्द करें और महासचिव की सहमति से नई टीम का गठन करें और शपथ लें की जो मतदाता सूची तैयार करेंगे, वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

तख्तश्री कमेटी की बैठक का प्रोसिडिंग अध्यक्ष का भेजना गलत : इंद्रजीत

महासचिव ने जिला जज, चुनाव प्राधिकार व एसडीओ को भेजा पत्र

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव ने अध्यक्ष को पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने जिक्र किया है कि यह जानकारी मिली है कि आपने संविधान के आर्टिकल 76( )( ) का उल्लंघन किया है। दरअसल आठ फरवरी को प्रबंधक कमेटी की बैठक हुई थी। इसमें पारित कार्यवाही की प्रति पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश और पटना सिटी एसडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी तख्तश्री कमेटी को खुद के हस्ताक्षर से प्रेषित कर दी है। आपको यह भी बताना जरूरी है कि आपने जो कार्यवाही की प्रति प्रेषित की है, उसमें उनकी कोई जवाबदेही नहीं है। कारण आपने जो बैठक की कार्यवाही भेजी है, उसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। इस संबंध में अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही का कहना था कि जबसे वे अध्यक्ष बने हैं, उसके बाद से प्रबंधक कमेटी की जो भी बैठक हुई है, इसकी अध्यक्षता वे ही करते रहे हैं। साथ ही बैठक की अध्यक्षता किए जाने के कारण उसमें लिए गए निर्णय की कार्यवाही को तैयार कर तख्तश्री पटना साहिब के कस्टोडियन सह पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश को भेजना उनकी जवाबदेही है। ऐसे में महासचिव यदि अपना राग अलाप रहे हैं, तो यह अलग बात है। वहीं महासचिव इंद्रजीत सिंह का कहना है कि प्रशासनिक शक्तियां महासचिव में निहित हैं, मगर उन्हें उनके अधिकार से लगातार वंचित करने का काम अध्यक्ष के द्वारा किया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि इसके पूर्व भी बैठक हुई है, तो इसकी कार्यवाही आपके हस्ताक्षर से भेजी गई थी या नहीं, इस पर उनका कहना था कि जब से वह अध्यक्ष बने हैं, तब से लगातार बैठक की कार्यवाही को अध्यक्ष खुद के हस्ताक्षर से भेज रहे हैं। उन्हें यह जानकारी भी नहीं मिल पाती है कि कार्यवाही में लिए गए निर्णय को शामिल किया गया है या कोई अन्य बातों को उसमें जोड़ा गया है, जो बैठक में चर्चा ही नहीं की गई। दूसरी ओर महासचिव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि बैठक की कार्यवाही पुस्तिका कायदे से महासचिव के पास होनी चाहिए, मगर उक्त कार्यवाही पुस्तिका को भी कनीय उपाध्यक्ष गुरुविंदर सिंह अपने पास रखे हुए हैं, जो तख्तश्री पटना साहिब के संविधान का खुला उल्लंघन है।

25 को पटना में ग्रामीण चिकित्सकों का होगा राष्ट्रीय महाअधिवेशन

पटना महानगर ग्रामीण चिकित्सक टीम का हुआ गठन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बेगमपुर स्थित निजी सभागार भवन में जनजीवक कल्याण संघम परिवार ऑल इंडिया आरएमपी ग्रामीण चिकित्सक संगठन की बैठक हुई। इसमें ग्रामीण चिकित्सकों के द्वारा 25 फरवरी को मंगल तालाब स्थित रामदेव महतो सभागार में ग्रामीण चिकित्सकों का राष्ट्रीय महाअधिवेशन को सफल बनाने से संबंधित चर्चा की गई।

साथ ही पटना महानगर कैबिनेट टीम का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से निर्विरोध डॉ रविशंकर कुमार को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। साथ ही 18 सदस्यीय कैबिनेट टीम का गठन किया गया। इसमें उपाध्यक्ष डॉ रविन्द्र कुमार मेहता, प्रवक्ता डॉ सुनील कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ राकेश कुमार, उपकोषाध्यक्ष डॉ मो फिरोज, संरक्षक डॉ अजय कुमार, संयोजक डॉ राम किशोर ठाकुर, सचिव डॉ इरशादउद्दीन, उप सचिव डॉ जमील उद्दीन, संयुक्त सचिव डॉ सुशील कुमार, महासचिव डॉ राजीव कुमार, प्रधान महासचिव डॉ सर्वजीत सिंह, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रेम प्रकाश शर्मा, निर्देशक डॉ मनोज कुमार, संयुक्त सचिव डॉ रणजीत कुमार, नियोजन पदाधिकारी डॉ सुर्य मणि पाण्डेय, महामंत्री डॉ दीपक कुमार, संगठन सचिव डॉ रणधीर कुमार तथा मीडिया प्रभारी डॉ शम्मी रस्तोगी सहित अन्य पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की सपथ दिलाई गई। संस्थान के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुबोध कुमार सिंह ने सभी पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर प्रदान किए। मंच का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ विनोद कुमार अवस्थी तथा निर्वाचन पदाधिकारी पर्यवेक्षक के रूप में नालंदा जिला अध्यक्ष डॉ मुरलीधर यादव मौजूद थे।

गायघाट से कंगन घाट के बीच एलिवेटेड रोड जल्द होगा शुरू

पाया 157 से 162 के बीच स्ट्रक्चर चढ़ाने व रेलिंग का काम बाकी

पटना सिटी (आनंद केसरी)

दीघा से दीदारगंज के बीच गंगा किनारे मरीन ड्राइव बना है। हालांकि कलेक्ट्रेट घाट से लेकर दीदारगंज के बीच अधिकांश हिस्से पर एलिवेटेड रोड बना है। फिलहाल दीघा घाट से गायघाट तक दोनों लेन पर गाड़ियां सरपट दौड़ रही हैं। अब बारी गायघाट से कंगन घाट के बीच चालू किए जाने को लेकर है। दरअसल इस हिस्से में भी काम तेजी से चल रहा है। हालांकि अब पाया संख्या 157 से लेकर 162 के बीच कुल पांच पाया पर स्ट्रक्चर को रखा जाना है। पाया संख्या 162 से लेकर कंगन घाट के बीच स्ट्रक्चर को रखा जा चुका है। दोनों तरफ रेलिंग का काम भी लगभग पूरा है। मगर अभी भी स्ट्रक्चर को रखे जाने के बाद रेलिंग बनाने का काम भी चल रहा है। हालांकि संबंध में तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही का कहना है कि उनकी जब पथ निर्माण विभाग के वरीय अधिकारी से बात हुई थी, तब उन्होंने कहा था कि उनकी पूरी कोशिश थी कि 17 जनवरी, 24 को प्रकाश पर्व के पूर्व गायघाट से कंगन घाट के बीच इसे चालू कर दिया जाए मगर काम तेजी से उतना नहीं हो। पाया, जितनी अपेक्षा की गई थी। हालांकि गंगा किनारे बने रोड से लोग अब भी चलकर भद्र घाट से होते हुए सीधे गायघाट किनारे से एलिवेटेड रोड पर चढ़ कर गांधी मैदान और दीघा की ओर जा रहे हैं और उधर से आ भी रहे हैं। इस दौरान वाहन सवार को अशोक राजपथ पर नहीं जाना पड़ता है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो मार्च के अंत में या फिर अप्रैल में इस दूरी यानी गायघाट से कंगन घाट के बीच एलिवेटेड रोड को वाहनों के परिचालन के लिए शुरू किया जा सकता है।

कंगन घाट से अशोक राजपथ का चौड़ीकरण जरूरी

दीघा से कंगन घाट के बीच एलिवेटेड रोड के चालू होने के बाद कंगन घाट से अशोक राजपथ यानी चौक थाना मोड़ तक आना और वाहनों के अशोक राजपथ के दोनों ओर पूरब और पश्चिम की ओर घूमना और दोनों ओर से वापस कंगन घाट की ओर जाना यातायात के लिए एक बड़ी समस्या बनेगा। इसके पीछे कारण है कि कंगन घाट के पूर्व की ओर जो पहले चौड़ा रास्ता था, उस रास्ते को निजी रैयत जमीन बताते हुए हाईकोर्ट में मामला दर्ज कराया गया था। इसमें संबंधित रैयतदार के पक्ष में कोर्ट का फैसला आया। इसके बाद उक्त रैयतधारी ने रास्ते की घेरेबंदी कर मिट्टी कटाई कर उसमें पानी भर दिया, जिससे वाहनों के आना-जाना बंद हो गया। मगर छठ और प्रकाश पर्व को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने एसडीओ गुंजन सिंह को आदेश दिया था कि लोगों को आने-जाने में सहूलियत हो, इसलिए खड़ी दीवार को तोड़ और गड्ढे को भरवा दिया जाए, ताकि छठ में व्रतियों और श्रद्धालुओं को सुविधा हो। हालांकि विरोध के बीच डीएम के आदेश को एसडीओ ने लागू कर दिया, मगर रास्ते की चौड़ाई उतनी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। दूसरी बात चौक थाना के उत्तरी चहारदीवारी के पास पश्चिम की ओर टर्न लेने की जगह भी काफी संकरा है। कंगन घाट से अशोक राजपथ में जब वाहन निकलेगा, तो वह पूरब या पश्चिम की ओर घूमेगा। दूसरी और पूरब और पश्चिम से आने वाला वाहन भी कंगन घाट की ओर जाने के लिए यहीं से घूमेगा। यहां पर अशोक राजपथ की चौड़ाई महज 20 से 25 फीट ही है। ऐसे में यहां पर सामने में मस्जिद, उसके पश्चिम में तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब गुरुद्वारा और मस्जिद के पूरब की ओर हरिमंदिर गली है। चौक थाना मोड़ के पूरब की ओर डाकघर और बीएसएनएल का कार्यालय है, जबकि पूरब की ओर निजी मकान है। ऐसे में पुलिस प्रशासन के लिए गायघाट से कंगन घाट के बीच एलिवेटेड रोड पर वाहनों के परिचालन के लिए शुरू होने के पूर्व इस समस्या का समाधान निकालना होगा कि आखिर अशोक राजपथ पर यातायात के बढ़ते दबाव से कैसे निबटा जाएगा। कारण कि चौक थाना मोड़ से कुछ ही फर्लांग की दूरी पर पश्चिम की ओर शहीद भगत सिंह चौक है।

एम्स पटना में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय बाल्यावस्था कैंसर दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

पटना।अंतर्राष्ट्रीय बाल्यावस्था कैंसर दिवस के अवसर पर, एम्स समुदाय डॉ. प्रेम कुमार, डीन, एम्स पटना और डॉ. चंद्र मोहन कुमार, विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग के नेतृत्व में बाल कैंसर से जूझ रहे युवा योद्धाओं के लिए जागरूकता और समर्थन बढ़ाने के लिए एक साथ आया। दिन की शुरूआत रैली के साथ हुई, जिसमें सौ उत्साही लोगों ने अस्पताल परिसर में परेड की, जो इस उद्देश्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। यह कार्यक्रम विशेषज्ञों और रेसिडेंट चिकित्सकों के ज्ञानवर्धक भाषणों की एक श्रृंखला के साथ शुरू हुआ, जिसमें बाल कैंसर से जूझ रहे युवा रोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। चर्चा में बाल कैंसर की जटिलताओं पर चर्चा की गई, जिसमें शीघ्र पता लगाने और उपचार में प्रगति के महत्व पर जोर दिया गया। प्रतिभागियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवंसहयोग राशि प्राप्त करने केबारे में भी जानकारी दी गई । इस अवसर पर एक मार्मिक स्पर्श जोड़ते हुए,कैंसर से विजयी बच्चों ने अपनी साहसी यात्राओं को साझा करने के लिए मंच सँभाला। उनके हार्दिक भाषणों ने न केवल हिम्मत एवं धैर्य दिखाया बल्कि सामुदायिक समर्थन और चल रहे शोध के महत्व को भी रेखांकित किया। उनकी कहानियाँ विपरीत परिस्थितियों में आशा और हिम्मत की शक्ति याद दिलाती हैं। दिन के उत्सव का समापन समुदाय के भीतर एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हुए, बाल कैंसर के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ। यह आयोजन वास्तव में युवा कैंसर योद्धाओं के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए एकता और सामूहिक दृढ़ संकल्प से आने वाली ताकत का उदाहरण है। कार्यक्रममें डॉ अरुण प्रसादडॉ प्रताप पात्र डॉ प्रदीप कुमार डॉ स्वर्णिम एवं न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के डॉ पंकज ने भी भाग लिया ।

विस अध्यक्ष बनने के बाद नंदकिशोर आज क्षेत्र के लोगों से मिलेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के विधायक नंदकिशोर यादव बिहार विधानसभा के अध्यक्ष बनने के बाद शनिवार को अपने क्षेत्र में आएंगे। वे भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। इस संबंध में प्रवक्ता राजेश साह, प्रदीप काश एवं बद्री गुप्ता ने बताया कि शनिवार को दिन के 11 बजे खाजेकलां सामुदायिक भवन में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। हालांकि इस दौरान विभिन्न व्यावसायिक, स्वयंसेवी संगठनों से लेकर समाज के गण्यमान्य लोगों के द्वारा भी उनका अभिनंदन अंग वस्त्र, बुके प्रदान कर और माला पहना कर किया जाएगा। इस दौरान लोगों का मुंह मीठा कराए जाने का भी इंतजाम किया गया है।

सरस्वती प्रतिमाओं हुआ विसर्जन जारी, कल तक चलने की संभावना

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

शैक्षणिक संस्थानों से लेकर गली और मुहल्लों में स्थापित भगवती सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। रात तक दर्जनों की संख्या में सरस्वती जी की प्रतिमा का विसर्जन भद्र घाट पर बने कृत्रिम तालाब में किया गया। निकले शोभायात्रा के कारण अशोक राजपथ पर रुक-रुक कर जाम लग जा रहा था। प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर प्रशासन की चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच थाना की गश्ती दल को भी लगाया गया है, ताकि शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन हो सके। हालांकि पुलिस प्रशासन के द्वारा पूजा के बाद दो दिनों के अंदर स्थापित सभी भगवती सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन किया जाने का आदेश जारी कर रखा था। एसडीओ एवं एएसपी के आदेश पर विभिन्न थानाध्यक्षों को अपने क्षेत्र की प्रतिमाओं को निकालने के लिए विभिन्न पूजा समितियां पर दबाव बना रहे थे। वैसे विसर्जन शोभायात्रा रविवार तक चलने की संभावना है।

23 सूत्री मांगों को लेकर देशव्यापी औद्योगिक एवं सेकटोरल हड़ताल एवं ग्रामीण भारत बंद सफल

पटना । सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी, चार श्रम संहिता की वापसी, किसानों की कर्ज मुक्ति, आंगनवाड़ी, आशा बहू और एमडीएम रसोइया सहित सभी योजना कर्मियों नियमित करो,पुरानी पेंशन योजना को लागू करो, किसानों मजदूरों को 60 साल की उम्र से 10000 रु मासिक पेंशन सहित 23 सूत्री मांगों को लेकर देशव्यापी औद्योगिक एवं सेकटोरल हड़ताल एवं ग्रामीण भारत बंद संपूर्ण बिहार में सफल रहा। पटना में जीपीओ गोलंबर से संयुक्त किसान मोर्चा एवं संयुक्त केंद्रीय ट्रेड यूनियन, बिहार के बैनर तले कौन बनाया हिंदुस्तान , देश का मजदूर किसान,

किसान मजदूर बोल रहा है,केंद्रीय सत्ता डोल रहा है का

गगनभेदी नारा लगाते हुए 11बजे पटना जीपीओ गोलंबर से किसानों-मजदूरों का विशाल जत्था मार्च किया, जो पटना जंक्शन,चिरैयाटाल पुल चौक, एग्जिबिशन रोड, गांधी मैदान का चक्कर लगाते हुए पटना रेडियो स्टेशन होते हुए फ्रेजर रोड के रास्ते डाकबंगला चौराहा पहुंचा। बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह,बशिष्ठ सिंह, लव कुश जी,श्रीकांत जी,भारतीय किसान यूनियन "टिकैत" के बिहार प्रभारी दिनेश सिंह, बिहार राज्य किसान सभा जमाल रोड के उपाध्यक्ष अवधेश कुमार,ए आई के एम के एस के नंदकिशोर सिंह, एटक बिहार के अध्यक्ष गजनफर नवाब, डिप्टी जनरल सेक्रेटरी डीपी यादव, नारायण पुर्वे, हरदेव ठाकुर,कुमार बिंदेश्वर,कौशलेंद्र कुमार, सीटू के अध्यक्ष गणेश शंकर सिंह,महासचिव अनुपम कुमार,अरुण मिश्रा,सर्वोदय शर्मा, एक्टु के महासचिव आर एन ठाकुर,

तथा बिहार इंटक के सचिव अखिलेश कुमार पांडे आदि के नेतृत्व में सैंकड़ो किसान-मजदूर का जत्था मार्च किया। जो जीवन बीमा निगम,रिजर्व बैंक के पास खरा होकर जोरदार नारे लगाए। जुलूस कारगिल चौक पर पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई ।जहां सभा को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि जो लोग किसान आंदोलन के खिलाफ में दुष्प्रचार कर रहे हैं की चुनाव के वक्त में किसान आंदोलन राजनीति है। उन्हें मोदी जी से पूछना चाहिए कि हिंदू धर्म के सर्वश्रेष्ठ चार शंकराचार्य एवं सैकड़ो साधु संतों के विरोध के बावजूद आधे-अधूरे मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा करने की जल्दबाजी क्यों थी? भारत रत्न जैसे देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान को वर्षो से प्रचलित नियमों को तोड़कर उसके महत्व को गिराकर उसे रेवाड़ी क्यों बनाया जा रहा है ?बेशक इन सभी महान विभूतियों को यह सम्मान पहले ही मिल जाना चाहिए था। स्वामीनाथ जी को भारत रत्न का सम्मान तो दिया गया,मगर उन्होंने सभी फसलो के लिए सी-2प्लस 50 का एम एस पी की कानूनी गारण्टी की जो महत्वपूर्ण सिफारिशे की,उसके लिए मोदी जी तैयार नहीं है ।स्वामीनाथ जी का असली सम्मान तो उनके सिफारिशो को लागू कर दिया जाता। पाकिस्तानी और चीनी सीमा पर देश की सुरक्षा के लिए खरीदे गए ड्रोन को सीमा पर से मंगा कर सीमा की सुरक्षा को खतरे में डालकर शंभू बॉर्डर पर किसानों के ऊपर धुआंधार गोला बरसाने मे लगाया गया ।इस देशद्रोही काम के लिए उन्हें दंडित किया जाए ।

गाय ने दिया दो मुख एवं तीन आंख वाले बच्चे का जन्म

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। शुक्रवार को सुबह सरवाहनपुर अखरिया गांव में एक गौपालक के घर एक ऐसे बछड़े ने जन्म लिया जिसके दो मुख व तीन आंख है। बछड़े के जन्म लेते ही यह खबर गांव तो गांव पुरे इलाके में सनसनी के रुप में फैल गयी। लोग उस बछड़े को देखने गौपालक के घर पहुंचने लगे। साथ ही कुछ लोग उसे शिव का अवतार समझ पूजा अर्चना भी करना शुरू कर दिया। गौपालक के घर सुबह से शाम तक उक्त बछड़े को एक दर्शन पाने के लिए लोगों का तांता लगा रहा। आसपास के पशु चिकित्सक ने जन्मजात बछड़े को स्वस्थ बताया। गौपालक दयानंद महतो ने बताया कि इस तरह की घटना वह व उसका परिवार पहली बार देख रहा है। वहीं इस सन्दर्भ में फतुहा पशु चिकित्सा प्रभारी डा विधाधर विनायक से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि इस तरह की घटना को एनोमेलिज कहा जाता है और हजार केस में एक या दो इस तरह के मवेशी जन्म लेते रहते हैं। इसमें हैरानी की बात नहीं है। हालांकि उन्होंने बताया कि ऐसे जन्म लेने वाले पशु की बचने की संभावना बहुत कम होती है।

प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा व बारात से बन रहा जाम की स्थिति

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। एक तरफ बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से दशम बोर्ड और आईसीआईसीआई की परीक्षा चल रही है। वहीं दूसरी ओर बसंत पंचमी पर भगवती सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर की गई पूजा-अर्चना के बाद शुक्रवार को भी विसर्जन का दौर जारी रहा। वहीं वैवाहिक मौसम उफान पर होने के कारण निकलने वाले बारात से भी जाम की स्थिति बन रही है। नतीजतन परीक्षार्थी परेशान हैं। विदित हो कि शहरी क्षेत्र में बिहार बोर्ड की परीक्षा के लिए साथ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। ऐसे में परीक्षा के शुरू होने और समाप्त होने पर उक्त परीक्षा केंद्र के आसपास वाहन और पैदल चलने वालों की गतिविधि बढ़ जाती है। ऐसे में ट्रेफिक जाम देर तक बनी रहती है। मगर इसे व्यवस्थित करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जाता है। अशोक राजपथ के महावीर घाट मोड़ पर भी अपराह्न में यही स्थिति देखी गई। वाहनों का ऐसा लंबा जाम दिखा कि परीक्षार्थियों को पैदल गुजरना भी मुश्किल हो रहा था। उस पर से प्रतिमा विसर्जन के लिए निकले जुलूस ने परेशानी को और भी बढ़ा दिया।

भगवती मंदिर व कंगन घाट पर चल रहा धार्मिक अनुष्ठान

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। श्री प्राचीन शक्तिपीठ बड़ी पटनदेवी गड़हा मंदिर में शतचंडी महायज्ञ का अनुष्ठान आचार्य राजेंद्र भार्गव की देखरेख में हुआ। मंदिर के पुजारी आचार्य बबलू पांडेय ने बताया कि 18 को यज्ञ की पूणार्हुति व भंडारा होगा। दूसरी ओर कंगन घाट पर शनि शांति महायज्ञ अनुष्ठान को ले अयोध्या के मणि पर्वत रघुनंदन कुंज से आए संत श्री श्री 108 नागा बाबा उर्फ तेल पानी बाबा के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान जारी रहा। यज्ञ 22 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान संतों के प्रवचन के साथ अन्य धार्मिक आयोजन हो रहा है। गुप्त नवरात्रि पर शक्तिपीठ बड़ी पटनदेवी में महंत विजय शंकर गिरि, विकास गिरी और सिद्धपीठ छोटी पटनदेवी में पीठाचार्य अनंत अभिषेक द्विवेदी व आचार्य विवेक द्विवेदी की देखरेख में धार्मिक अनुष्ठान सप्तमी तिथि को किया गया।

भंडारा प्रसाद के समाप्त हुआ श्री श्याम मंदिर का स्थापना दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। श्री श्याम मंदिर सेवा ट्रस्ट पटना सिटी द्वारा आयोजित हुआ स्थापना दिवस समारोह के अंतिम दिन भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया। खाटू वाले श्री श्याम प्रभु का भव्य अलौकिक श्रृंगार, 56 भोग, आरती के बाद उदयपुर से आई केमिता राठौर ने राजस्थानी हरियाणवी भजनों से भक्तों को भाव विभोर कर दिया। श्री श्याम प्रभु के भंडारे में लोगों ने खीर व चूरमा का प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव को सफल बनाने में अध्यक्ष अमर अग्रवाल, रमन प्रकाश साह, सचिव दिलीप डिडवानिया, कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, संयोजक मनीष हरलालका, प्रदीप जैन आदि सक्रिय थे।

पालीगंज में लगेगी निशुल्क बिजली कनेक्शन के लिए शिविर

पालीगंज स्थानीय बाजार स्थित बिजली बिभाग के कार्यालय में सीमित अवधि तक निशुल्क बिजली कनेक्शन के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार यह निशुल्क शिविर का आयोजन पालीगंज के सहायक बिधुत अभियंता बिपिन बिहारी लाल के निदेर्शानुसार 17 फरवरी से 21 फरवरी तक लगाई जा रही है। जिसमें सभी नए उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन के लिए स्थानीय बाजार स्थित बिजली कार्यालय में निर्धारित अवधि के बीच आवेदन जमा करनी होगी। आवेदन के साथ आवेदक का आधार कार्ड का फोटो कॉपी, जमीन के रसीद का फोटो कॉपी व एक पासपोर्ट साइज का फोटो संलग्न करना आवश्यक है।

राज्यपाल से विधान सभाध्यक्ष ने की शिष्टाचार मुलाकात

पटना। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से बिहार विधान सभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने शुक्रवार को राजभवन आकर शिष्टाचार मुलाकात की तथा विधान सभा के चालू सत्र के क्रियाकलापों की चर्चा की।

स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी ने विभाग का संभाला पदभार

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री के रूप में विभागीय कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर विभागीय पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर मंत्री का अभिनंदन किया। पदभार ग्रहण करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों से विभागीय क्रिया कलापों के बारे में जानकारी ली।

बागवानी से जुड़े किसानों को प्रोत्साहित कर रही सरकार : सचिव

- गांधी मैदान में आयोजित बागवानी महोत्सव 2024 का हुआ शुभारंभ
- कृषि मंत्री ने बागवानी महोत्सव का किया उद्घाटन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री बिहार विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को कृषि विभाग द्वारा गांधी मैदान में आयोजित बागवानी महोत्सव 2024 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि इस महोत्सव में राज्य के प्रत्येक जिला से प्रगतिशील कृषक अपने-अपने प्रदर्शों के साथ इस महोत्सव में भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में राज्य के प्रगतिशील कृषकों को भी अपनी सफलता की कहानी बताने का मौका दिया गया है, जिससे राज्य के अन्य कृषकों को भी उनसे सीखने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि बागवानी महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बागवानी के क्षेत्र में कार्य कर छुपी हुई प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। आज जब आमजन बागवानी महोत्सव में प्रदर्शों को देखेंगे तो कौतूहल से पूछेंगे कि क्या यह बिहार में उगाया जाता है। इस बागवानी महोत्सव में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जो किसान भाई भाग ले रहे हैं, उनके लिए यह उतनी ही लाभकारी है और जो भाग नहीं ले रहे हैं, उनके लिए भी यह उतनी ही फायदेमंद है। किसान एक-दूसरे से सीखें और समझें, किसानों से किसानों तक के तकनीकी के हस्तातरण से बागवानी के क्षेत्र में नवाचार बिहार में दिखता है। आज मशरूम उत्पादन में बिहार देश में अग्रणी है, अन्य उद्यानिक फसलों में भी बिहार देश में शीर्ष 05 राज्यों में है, जैसे मखाना, लीची, आम, सब्जी उत्पादन आदि। साथ ही, बिहार में फूल का उत्पादन बढ़ा है और माँग भी। राज्य सरकार अपनी योजनाओं से बागवानी में नवाचार करने वाले किसानों को प्रोत्साहित कर रही है।

मंत्री ने उद्यानिक फसलों का वार्षिक कैलेण्डर का किया विमोचन :

मंत्री ने उद्यानिक फसल की खेती एवं प्रबंधन तकनीक पुस्तक एवं उद्यानिक फसलों का वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन किया गया। इस महोत्सव में उद्यान से संबंधित कुल 50 सरकारी एवं गैर सरकारी ज्ञानवर्द्धक स्टॉल लगाये गये हैं। इस महोत्सव में उद्यानिक पौध सामग्रियाँ के प्रदर्शनी के साथ-साथ बिक्री की भी व्यवस्था की गई है।

मंत्री ने बागवानी मिशन से जुड़े लोगों को सौंपा चेक :

कृषि मंत्री ने इस महोत्सव में समेकित बागवानी विकास मिशन के तहत बेगूसराय के मृगेन्द्र मल्टी कोल्ड स्टोरेज को अनुदान का 35 लाख रुपए, मशरूम उत्पादन इकाई के लिए पटना के स्वाती राय तथा नवादा के मनोज कुमार को अनुदान का 5-5 लाख का चेक और गया के डायमंड कुमार को रेफ्रीजरेटर भान की चाबी के साथ अनुदान का 4.55 लाख का चेक प्रदान किया गया। इसी प्रकार, बिहार कृषि निवेश प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत भण्डारी फीड्स प्राइवेट लि, मुजफ्फरपुर के श्री पंकज तथा एसपीडी स्नैक्स इण्डस्ट्रीज एलएलपी, पटना के सुजीत सिंघानिया को अनुदान के रूप में 37.50-37.50 लाख रुपए का चेक दिया गया।

ये रहें मौजदू : इस अवसर पर निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार, गुजरात के निदेशक उद्यान, पी एम वघासिया, अपर निदेशक (शष्य) धनंजयपति त्रिपाठी, निदेशक, बसोका शंकर कुमार चौधरी, निदेशक, बामेती श्री आभान्शु सीजैन, डॉ आरपीसीएयू, पूसा, समस्तीपुर के निदेशक अनुसंधान डॉ ए के सिंह, संयुक्त निदेशक, उद्यान राधारमण सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी एवं बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से आये किसानगण उपस्थित थे।

महोत्सव में करीब 700 कृषकों के 7500 प्रदर्श लगाये गये

बागवानी महोत्सव में राज्य के करीब 700 कृषकों के द्वारा उद्यानिक फसलों के 16 वर्गों यथा सब्जी, मशरूम, फल, फल संरक्षण, शहद, पान के पत्ते, शोभाकार पत्तीदार पौधा गमला में, बोनसाई, जाड़े की मौसमी फूलों के पौधे गमले में, विभिन्न प्रकार के कैक्टस एवं सकुलेन्ट पौधा (गमला में), विभिन्न प्रकार के पाम प्रजाति के पौधे (गमला में), कटे फूल, कलात्मक पुष्प सज्जा, औषधीय एवं सुगंधीय पौधा, फल/सब्जी में नक्काशी, हैंगिंग बास्केट में लगभग 7500 प्रदर्श लगाये गये हैं। इसके अतिरिक्त इस महोत्सव में छत पर बागवानी फोटोग्राफ प्रतियोगिता, बच्चों के लिए फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता तथा क्विज का भी आयोजन किया गया है। इन प्रदर्शों के मूल्यांकन हेतु कृषि के विशिष्ट संस्थानों से तीन-तीन वैज्ञानिकों का मूल्यांकन टीम बनाया गया है, जिनके अनुशंसा के आलोक में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया जायेगा। विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 5 हजार रुपए, द्वितीय 4 हजार रुपए, तृतीय 3 हजार रुपए एवं एक विशिष्ट पुरस्कार 10 हजार रुपए का दिया जायेगा। सभी वर्गों के विभिन्न शाखाओं में सबसे अधिक पुरस्कार जितने वाले कृषक को श्रेष्ठ बागवान घोषित किया जायेगा तथा उन्हें विशिष्ट पुरस्कार तथा मोमेंन्टो से सम्मानित किया जायेगा। राज्य के इस महत्त्वपूर्ण आयोजन से किसान बन्धु निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे।

राजद ने समर्पित कार्यकर्ताओं को किया उपेक्षित : उमेश

- समाजवाद के नाम पर बरगलाना राजद का पुराना चरित्र

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के निजी सहायक संजय यादव को राजद की ओर से राज्यसभा भेजे जाने पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद के समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ यह घोर अन्याय है। इस प्रकरण के बाद निश्चित रूप से राजद के प्रति अपनापन का भाव रखने वाले लोग आहत हुए होंगे। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद में अपने परिवार के सदस्यों को आगे बढ़ाने की परंपरा काफी पुरानी रही है, लेकिन पार्टी में अब निजी सहायकों को तवज्जो देने की परंपरा कहीं न कहीं कार्यकर्ताओ का अपमान है। श्री कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के समर्पित और जमीनी कार्यकर्ताओं को अनदेखा कर अपने निजी सहायक को राज्यसभा भेजना राजद का कौन सा समाजवाद है। श्री कुशवाहा ने कहा कि राजद के लोग समाजवाद की दुहाई नहीं दे सकते हैं क्योंकि लालू परिवार ने समाजवाद को पत्नीवाद, पुत्रीवाद और पुत्रवाद में खंडित-खंडित कर दिया है। राजद के नेता समाजवाद का नाम लेकर बिहार की जनता को भ्रमित करने की कोशिश न करें, बिहार की जनता समझदार है और सब जानती है। श्री कुशवाहा ने कहा कि जदयू का आज तक अहमियत कम इसलिए नहीं हुआ क्योंकि हमारे नेता नीतीश कुमार बिहार की जनता के लिए काम करते हैं। परिवार को राजनीतिक में आगे कर सुख-सुविधा और पैसा अर्जित करने के लिए नहीं। जदयू जिस संकल्पना के साथ आगे बढ़ा था। आज भी उन संकल्पों के साथ बिहार के जनता की सेवा कर रहा है। न्याय के साथ विकास हमारा लक्ष्य था और रहेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बिहार की जनता का भरोसा और भी मजबूत हुआ है। अपने कार्यों के बदौलत हमारे नेता विकास पुरुष के रूप में अपनी पहचान बनाई है। राजद की सरकार में जनता के बीच पनपे असंतोष और अविश्वास के भाव को हमारे नेता ने खत्म किया है।

आम हड़ताल एवं ग्रामीण भारत बंद ऐतिहासिक रहा: भाकपा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि केन्द्रीय ट्रेड यूनियन संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुक्रवार को आयोजित आम हड़ताल और ग्रामीण भारत बंद ऐतिहासिक रहा। केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली सहित पूरे देश में किसानों के आन्दोलन पर किये गये दमन व अत्याचार का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पुरजोर निंदा करती है। भाकपा किसान आन्दोलन के साथ खड़ी है और उनके संघर्षों का समर्थन करती है। पूरे राज्य में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं, किसान, मजदूरों ने हड़ताल में बढ़ चढ़कर भाग लिया। हड़ताल को सफल बनाने के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने राज्य की जनता को बधाई दी और लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाने का आह्वान किया। बिहार में चल रही मैट्रिक परीक्षा के कारण बंद में कुछ छूट दी गई थी, इसके बावजूद पूरे बिहार में लाखों लोगों ने बंद में भाग लिया। बिहार के सभी पोस्ट ऑफिस बंद रहे, ट्रक और बस के चालक भी हड़ताल पर रहे। यातायात बाधित रहा। भाकपा राज्य सचिव ने बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय श्रम संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र की भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ औद्योगिक क्षेत्रों में आम हड़ताल और ग्रामीण बंद का आह्वान किया था। केंद्र सरकार लगातार मेहनतकश लोगों के जीवन और आजीविका पर बर्बर हमला कर रही है। विभिन्न कानूनों, कार्यकारी आदेशों के माध्यम से आक्रामक रूप से श्रमिक-विरोधी, किसान-विरोधी और जन-विरोधी कदम उठा रही है। सभी लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला कर रही है।

रोजगार के मामले में इतिहास रच रहा बिहार : जदयू

पटना। बिहार युवाओं को रोजगार देने के मामले में इतिहास रच रहा है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार के सात निश्चय पार्ट टू कार्यक्रम के चलते लाखों युवाओं के चेहरे पर आज मुस्कान है। राज्य में लाखों बेरोजगार युवाओं को मिल रहे रोजगार को लेकर ये बातें जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम और प्रदेश प्रवक्ता अनुप्रिया ने कही। दोनों प्रदेश प्रवक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की रोजगारोन्मुखी नीतियों और सात निश्चय पार्ट टू के चलते आज राज्य में लाखों युवाओं की राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों में बहाली हो रही है और उन्हें नौकरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के मामले में बिहार पूरे देश में अव्वल है और सही मायने में बिहार इतिहास रच रहा है। पार्टी के दोनों प्रवक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के 20 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया है और अपने वादे के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार मुहैया करा रही है जिसके चलते आज उनकी जिंदगी खुशहाल हो रही है।

कांग्रेस शासित राज्यों में पहले जातिगत गणना की पहले करें राहुल : जदयू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने शुक्रवार को कहा है कि चुनाव देख कर रंग बदलने में माहिर राहुल एक बार फिर भेष बदल चुके हैं। पिछले लोकसभा में जहां जनेऊधारी ब्राहण का चोला पहन का बुरी तरह फेल हो गये थे, वहीं अब इस चुनाव में वह पिछड़ा,अतिपिछड़ा समाज का प्रेमी होने का स्वांग रच कर पास होने की जुगत भिड़ा रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए कि बहरूपिया बनने और हवाबाजी करने से सत्ता नहीं मिलती। उसके लिए जमीन पर काम करना पड़ता है। जनता जानती है कि कांग्रेस से बड़ी ओबीसी विरोधी पार्टी पूरे देश में कोई नहीं है। लोग भूले नहीं है कि राजीव गांधी हो या इंदिरा गाँधी इनके हर नेता ने पिछड़ा,अतिपिछड़ा समाज को आरक्षण देने का विरोध करते रहे थे। बाद में इनके इसी पिछड़ा,अतिपिछड़ा विरोधी मानसिकता के कारण ही मंडलवाद का उदय हुआ था। कांग्रेस के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि आज राहुल समेत पूरी कांग्रेस केंद्र सरकार में पिछड़ा व अतिपिछड़ा समाज के सचिवों की कम संख्या होने का रोना रो रहे हैं। जबकि हकीकत में इन्होने अपने शासित किसी भी राज्य में पिछड़े व अतिपिछड़े समाज के अफसर को मुख्य सचिव नहीं बनाया है। वहीं, कांन्ग्रेस की अगुवाई वाले इंडी गठबंधन वाले राज्यों में भी तमिलनाडू को अलावे किसी भी राज्य में पिछड़े व अतिपिछड़े समाज के व्यक्ति को मुख्य सचिव नहीं बनाया गया है।

लोकतंत्र व संविधान को बचाने की लड़ाई और तेज होगी : माले

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि किसान-मजदूरों की देशव्यापी हड़ताल ऐतिहासिक थी। कहा कि शुक्रवार का देशव्यापी आन्दोलन बुनियादी मुद्दों की तरफ देश को लौटाने और लोकतंत्र व संविधान को बचाने की लड़ाई को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगा। आज जब मोदी सरकार देश में निर्लज्ज कारपोरेट लूट की नीतियां चलाते हुए साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति को बढ़ा रही है और जनता के हर तबके के अधिकारों, लोकतंत्र और संविधान पर फासीवादी हमले हो रहे हैं, ऐसे में आज की हड़ताल ने दिखाया कि देश की जनता ने मोदी को सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया है। ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों के आह्वान पर आज भारत भर में लाखों लोग न्यूनतम (फसल एमएसपी) समर्थन मूल्य, श्रमिकों के लिए 26,000 रुपये प्रति माह की न्यूनतम मजदूरी, चार श्रम संहिताओं व आईपीसी,सीआरपीसी में किए गए संशोधनों को निरस्त करने, मौलिक अधिकार के रूप में रोजगार की गारंटी देने आदि एक दिन की औद्योगिक,ग्रामीण हड़ताल में शामिल हुए। भाकपा-माले ने इस आह्वान का समर्थन किया था और पार्टी के भी बैनर से ग्रामीण इलाकों में मजबूती से विरोध-प्रदर्शन में उतरे थे। भाकपा-माले मजदूरों व किसानों की ओर से हुई आज की कार्रवाई का तहे दिल से समर्थन करती है। आने वाले दिनों में अपनी मांगों के साथ जनता का व्यापक हिस्सा मोदी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेगा।

भारत जोड़ो यात्रा नही, भारत तोड़ो यात्रा पर कर रहें राहुल : भाजपा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनोज शर्मा ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा भारत को जोड़ नही रही है, भारत को तोड़ रही है। इस यात्रा का नाम भारत तोड़ो यात्रा रखनी चाहिए। क्योंकि, राहुल गांधी कभी जोड़ने की बात नही करते है। वो अक्सर तोड़ने की बात करते है। नफरत की बात करते है और लोगों को केंद्र और राज्य की लोकप्रिय सरकार के खिलाफ भड़काते है। राहुल गांधी इस यात्रा के माध्यम से ये बताना चाहते है कि वो पूरे भारत से प्रेम नही करते है वो उसी पॉकेट में जा रहे है जहां उनका वोट बैंक है । पहले चरण में राहुल गांधी सीमांचल के इलाके पर फोकस किये तो दूसरे चरण में औरंगाबाद और सासाराम पर फोकस कर रहे है। जाहिर सी बात है कि राहुल अपने वोट टारगेट पर ही फोकस कर रहे है। राहुल गांधी यदि पूरे भारत को जोड़ने की बात करते तो दरभंगा, पटना , मुजफ्फरपुर भी यात्रा करते, यहां के युवाओं और किसानों से भी संवाद करते। लेकिन राहुल गांधी उन्ही क्षेत्र को चुन रहे है जहां कांग्रेस थोड़ी बहुत मजबूत स्थिति में है। लेकिन राहुल गांधी को ये समझना चाहिए कि बिहार के वोटर बहुत ही जागरूक है और उनकी इस चाल को बहुत अच्छी तरह समझते है।

मनोज मंजिल मामले में माले जाएगी उच्च न्यायालय : कुणाल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि हत्या के एक कथित मामले में हमारी पार्टी के युवा विधायक मनोज मंजिल सहित 23-23 लोगों को आरा व्यवहार न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ हमारी पार्टी उच्च न्यायालय जा रही है। उन्होंने कहा कि उसी भोजपुर में दलित-गरीबों के एक से बढ़कर एक जनसंहार हुए, लेकिन एक मामले में भी अपराधियों को आज तक सजा नहीं हुई। लेकिन दलित-गरीबों की आवाज बनने वाले हमारे नेताओं के साथ घोर अन्याय हुआ है। सभी 23 अभियुक्तों को एक प्रकार की ही - आजीवन कारावास की सजा दी गई। न्यायालय द्वारा दोषी पाए गए लोगों में 90 साल के बुजुर्ग रामानंद प्रसाद भी शामिल हैं। माले नेता ने कहा कि का. मनोज मंजिल और अन्य 22 पार्टी कार्यकर्ता भाजपा व वहां की सामंती ताकतों की राजनीतिक साजिश के शिकार हुए हैं। भोजपुर में ये ताकतें हमारे नेताओं को जेल भेजकर या जनसंहार रचाकर दलित-गरीबों के आंदोलन को रोक देने की लगातार कोशिशें करती रही हैं। इसी कोशिश में यह अन्याय हुआ है। बिहार और भोजपुर इसका मुकम्मल जवाब देगा। मोदी शासन में विपक्ष की हर पार्टी व हर धारा पर जिस प्रकार के हमले हो रहे हैं, उसी कड़ी में मनोज मंजिल और हमारे अन्य साथियों पर हमला हुआ है। यह किसी एक पार्टी पर नहीं बल्कि लोकतंत्र की आवाज को खामोश कर देने की भाजपा की साजिशों का चरम उदाहरण है।

देशव्यापी हड़ताल व भारत बन्द व्यापक रूप से सफल : ऐक्टू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

देशव्यापी हड़ताल और ग्रामीण भारत बन्द को सफल बनाने के लिए ऐक्टू , आल इंडिया स्कीम वर्कर्स फेडरेशन (ऐक्टू), कर्मचारी महासंघ (गोप गुट) से जुड़े 500 से अधिक आशा,रसोइया आदि स्कीम कर्मियों, संविदा व सरकारी कमीर्यों ने राजधानी पटना में बड़ी संख्या में आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। ऐक्टू नेताओं ने कहा कि शुक्रवार को ऐक्टू, अखिल भारतीय किसान महासभा सहित सीटू, एटक, इंटक, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, वाले केंद्रीय ट्रेड यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा जे देशव्यापी हड़ताल और ग्रामीण भारत बन्द का राजधानी पटना सहित पूरे बिहार में व्यापक असर रहा। इस अवसर पर ऐक्टू सह आशा नेत्री शशि यादव, सरोज चौबे, रणविजय कुमार, गोप गुट नेता रामबली प्रसाद ,प्रेमचंद कुमार सिन्हा,मनोज यादव, ऐक्टू नेता जितेंद्र कुमार, मुर्तजा अली, सुरेंद्र यादव,बी-स्वान नेता ऋषव कुमार, आशा नेत्री अर्चना,जैलश देवी, सुषमा देवी, अनुराधा कुमारी ,अनिता राज,रसोइया नेत्री सोना देवी, आंगनबाड़ी नेत्री पूनम यादव के नेतृत्व में बुद्ध स्मृति पार्क से मोदी विरोधी नारे के साथ प्रदर्शन निकला जो जीपीओ,बुद्ध मार्ग, मौयालोंक कम्प्लेक्स होते डाकबंगला चौक पहुंचा जहां पुलिस के साथ हल्का नोंक झोंक हुआ जिसके बाद प्रदर्शन स्टेशन रोड होते हुए पुनः बुद्ध स्मृति पार्क पहुंचा जहां सभा हुई । प्रदर्शन में खासतौर से महिला संगठन ऐपवा की राष्ट्रीय महासचिव मीणा तिवारी, राज्य सचिव अनिता सिन्हा, अनुराधा देवी पूरे प्रदर्शन में शामिल रही। उक्त जानकारी ऐक्टू के राज्य सचिव रणविजय कुमार ने दी।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना का कार्यालय

अतिअल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना सं०–115 वर्ष 2023–24

भवन निर्माण विभाग के निबंधित संवेदको/ख्याति प्राप्त फर्मों/कम्पनियों से दिनांक–23.02.2024 के अपराहन 12.00 बजे तक निर्देशानुसार निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद कोटेशन अधीक्षण अभियंता, द0बि0अं0, भ0नि0 विभाग, पटना/ कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग पटना, सहायक अभियंता, बेली रोड अवर प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग पटना, सहायक अभियंता, साउथ बेली रोड अवर प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना एवं गोलघर अवर प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना के कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा और उसी दिन 3.30 बजे अपराहन मे कोटेशनदात्ताओं या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा।

कोटेशन का मुल्य (रूपये में):–

प्रत्येक कार्य क्रमांक के कोटेशन–पत्र के साथ कोटेशन मूल्य जो ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (ओ–ग्रास) के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी (कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, पटना) के पदनाम से प्रत्येक कार्य के लिए अलग–अलग जमा करना अनिवार्य होगा, जो कोटेशन प्रकाशन की तिथि के बाद का जमा होना चाहिए। कोटेशन प्रकाशन के पूर्व के निर्गत ओ–ग्रास का (Computerize Receipt) रसीद पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। कोटेशन मूल्य संवेदक के द्वारा कुल कोटेड राशि के अनुसार होगा जो निम्न प्रकार हैः– रू 0 से 50,000 रू. तक 250 रू./ 50,001 रू. से 2,50,000 रू. तक 500 रू./ 2,50,001 रू. से 5,00,000 रू. तक 750 रू./5,00,001 रू. से 10,00,000 रू. तक 1250 रू./10,00,001 रू. से 15,00,000 रू. तक 2500 रू. । एवं अग्रधन की राशि 2% (कोटेड राशि का मूल दो प्रतिशत) कोटेशन के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य है।

क्रम सं०	कार्य का नाम/विशिष्टियों
A	S/R TO W/S ,S/I AND S/S OF RENOVATION OF BATHROOM OF OFFICER'S FLAT NO. A3/27, B3/5,B3/13, AND 23/10 BAILEY ROAD PATNA FOR THE YEAR 2023 -24
B	S/R TO W/S ,S/I AND S/S OF RENOVATION OF BATHROOM OF OFFICER'S FLAT NO. B3/53, B3/59,B3/64,A3/3 AND B3/36 BAILEY ROAD PATNA FOR THE YEAR 2023 -24

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 017597 (BCD) 2023-24

कार्यपालक अभियंता
पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

भवन निर्माण विभाग

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना का कार्यालय

अतिअल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना सं0–114 वर्ष 2023–24

भवन निर्माण विभाग के निबंधित संवेदको/ख्याति प्राप्त फर्मों/कम्पनियों से दिनांक–23.02.2024 के अपराह्न 12.00 बजे तक निर्देशानुसार निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद कोटेशन अधीक्षण अभियंता, द0बि0अं0, भ0नि0 विभाग, पटना/ कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग पटना, सहायक अभियंता, बेली रोड अवर प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग पटना, सहायक अभियंता, साउथ बेली रोड अवर प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना एवं गोलघर अवर प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना के कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा और उसी दिन 3.30 बजे अपराहन मे कोटेशनदात्ताओं या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा।

कोटेशन का मुल्य (रूपये में):–

प्रत्येक कार्य क्रमांक के कोटेशन–पत्र के साथ कोटेशन मूल्य जो ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (ओ–ग्रास) के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी (कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, पटना) के पदनाम से प्रत्येक कार्य के लिए अलग–अलग जमा करना अनिवार्य होगा, जो कोटेशन प्रकाशन की तिथि के बाद का जमा होना चाहिए। कोटेशन प्रकाशन के पूर्व के निर्गत ओ–ग्रास का (Computerize Receipt) रसीद पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। कोटेशन मूल्य संवेदक के द्वारा कुल कोटेड राशि के अनुसार होगा जो निम्न प्रकार हैः– रू 0 से 50,000 रू. तक 250 रू./ 50,001 रू. से 2,50,000 रू. तक 500 रू./ 2,50,001 रू. से 5,00,000 रू. तक 750 रू./5,00,001 रू. से 10,00,000 रू. तक 1250 रू./10,00,001 रू. से 15,00,000 रू. तक 2500 रू. । एवं अग्रधन की राशि 2% (कोटेड राशि का मूल दो प्रतिशत) कोटेशन के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य है।

क्रम सं०	कार्य का नाम/विशिष्टियों	मात्रा	ईकाई	उद्धृत दर (अंक एवं अक्षर में)
A	S/R to 84 Officers Flat No-14/84 and 26/84 at Punaichak, Patna for the year 2023-24			
B	S/R to PH work G.O flat No.-A/5 at Punaichak, Patna for the year 2023-24			

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।
PR- 017598 (BCD) 2023-24

जिला पदाधिकारी, गोपालगंज

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

साहित्य सम्मेलन प्रयाग के 75वें राष्ट्रीय अधिवेशन के साथ आयोजित होगा बिहार का 43वाँ महाधिवेशन

देश भर के साहित्यकारों का अगले माह लगेगा महाकुंभ

- डा आर के सिन्हा की अध्यक्षता में गठित हुई 63 सदस्यीय स्वागत समिति

पटना। आगामी 29,30और 31 मार्च को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आहूत हो रहे साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के अमृत-महोत्सव (75वाँ)राष्ट्रीय अधिवेशन तथा बिहार सम्मेलन के 43वें महाधिवेशन की स्वागत समिति का गठन किया गया है। सम्मेलन की विगत कार्य समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने, पूर्व सांसद और वरिष्ठ हिन्दी-सेवी डा रवीन्द्र किशोर सिन्हा की अध्यक्षता में 63 सदस्यीय स्वागत समिति गठित की है, जिसमें 33 उपाध्यक्ष और 21 महासचिव बनाए गए हैं। पटना में लग रहे तीन दिवसीय इस साहित्यिक महाकुंभ के अतिथि साहित्यकारों के सम्मान और सुविधाओं के लिए यह समिति सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेगी।महोत्सव में उद्घाटन और समापन-सह-अलंकरण समारोह के अतिरिक्त 6 वैचारिक सत्र,एक विराट-कवि-सम्मेलन तथा रात्रि में सांस्कृतिक-कार्यक्रम आयोजित होंगे।नव गठित स्वागत-समितिइस प्रकार है;- डा रवीन्द्र किशोर सिन्हा, पूर्व सांसद (अध्यक्ष), पद्मश्री विमल कुमार जैन, पारिजात सौरभ, सरदार महेन्दर पाल सिंह ढिल्लन, डा मेहता नगेंद्र सिंह, ई अवध बिहारी सिंह, प्रो लक्ष्मी सिंह, रत्ना सिन्हा, अभिजीत कश्यप, आचार्य विजय गुंजन, सुनील कुमार उपाध्याय, शुभचंद्र सिन्हा, डा पंकज पाण्डेय, डा सीमा रानी, डा सुमेधा पाठक, डा पंकज कुमार बसंत, ज्ञानेश्वर शर्मा, परवेज आलम , संजय शुक्ला, कमल किशोर कमल, सदानन्द प्रसाद, डा सीमा यादव, मधु रानी लाल, डा सुधा सिन्हा, इन्दु उपाध्याय, प्रेमलता सिंह राजपुत, अभय सिन्हा, डा पंकज वासिनी, अंबरीष कांत, राजेश भट्ट, डा अर्चना सिन्हा, चितरंजन लाल भारती, अरुण कुमार श्रीवास्तव,बिन्देश्वर गुप्ता (सभी उपाध्यक्ष), वंदना वीथिका, शशि भूषण कुमार, ब्रह्मानन्द पाण्डेय, मुकेश कुमार , आनन्द मोहन झा, डा पूनम देवा,अभिलाषा कुमारी, संजू शरण, नीलू अग्रवाल, श्वेता गजल, अप्सरा मिश्र, नीरव समदर्शी, लता प्रासर, संजीव मिश्र, मोईन गिरीडीहवी,डा आर प्रवेश, तलअत परवीन, डा पुरुषोत्तम कुमार, श्रीकांत व्यास, अंकेश कुमार , डा रेखा भारती मिश्र, डा सुषमा कुमारी (सभी महासचिव), डा कुंदन लोहानी, पंकज प्रियम,शिवानन्द गिरि, सतीश कुमार राजू, नेहाल कुमार सिंह निर्मल, अमित कुमार सिंह, रोहित कुमार, राजेश राज (सभी सचिव)

एनडीए की सरकार बनने से राजद में बेचैनी : शिवेश

पटना। भाजपा के प्रदेश महामंत्री व पूर्व विधायक शिवेश राम ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर लालू प्रसाद द्वारा दिये गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लालू प्रसाद ख्याली पुलाव पका रहे हैं। नीतीश कुमार जी उनकी असलियत अब अच्छी तरह जान चुके हैं और अब वे लालू प्रसाद के चारा डालने से उनकी जाल में फंसने वाले नहीं हैं।श्री राम ने कहा कि राजद और उसका नेतृत्व सत्ता जाने से बौखलाया हुआ है। बिहार की जनता राजद को पहले ही खारिज कर चुकी है। विगत लोकसभा चुनाव में राजद को शून्य पर आउट होना पड़ा था। इस बार भी राजद का वही हश्र होने वाला है। उन्होंने कहा कि जदयू के साथ गठबंधन टूटने और भाजपा-जदयू यानी एनडीए की बिहार में सरकार बनने से राजद में बेचैनी होना स्वभाविक है। लालू प्रसाद नीतीश कुमार पर दबाव बना कर तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, मगर अब उनका वह सपना चकनाचूर हो चुका है। श्री राम ने कहा है कि लालू प्रसाद को सत्ता जनता की सेवा के लिए नहीं बल्कि अपनी परिवारवादी राजनीति और भ्रष्टाचार को बचाने के लिए चाहिए। नीतीश जी के साथ ही बिहार की जनता भी उनकी इस चाल को अच्छी तरह समझ चुकी है। अब उनके झांसे में कोई नहीं आने वाला है।

संक्षिप्त खबरें

बंद की सफलता के लिए दी बधाई

मुजफ्फरपुर। किसान संगठनों का संयुक्त मंच संयुक्त किसान मोर्चा एवं ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के आह्वान पर आज के ग्रामीण भारत बंद एवं औद्योगिक हड़ताल को सफल बनाने के लिये एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के जिला सचिव अर्जुन कुमार ने देश के किसानों, मजदूरों, छात्रों, नौजवानों तथा हर तबके के मेहनतकशों को बधाई दिया है और कहा कि बिहार में मैट्रिक परीक्षा के बावजूद इस बंद एवं हड़ताल को आम जनता का व्यापक समर्थन मिला है। अब केंद्र सरकार को अविलंब आंदोलन की मांगों को पूरा करना चाहिए। इस बंद एवं हड़ताल को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) का भी पूर्ण समर्थन था। वहीं आंदोलन को दबाने के लिए आज तड़के एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के हरियाणा राज्य कमिटी के सचिव राजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किए जाने की कड़ी निंदा किया तथा उन्हें अविलंब रिहा करने की मांग किया।

किसानों पर दमनात्मक कार्रवाई की भर्त्सना

मुजफ्फरपुर कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, किसानों को कर्ज से मुक्ति, बिजली बिल 2022 की वापसी, चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, बिहार के कृषि मंडी की पुनर्बहाली, खाद्य सुरक्षा की गारंटी, महंगाई - बेरोजगारी पर रोक लगाने, किसानों और खेत मजदूर के लिए 10,000 मासिक पेंशन, पुरानी पेंशन स्कीम की पुनर्बहाली सहित 22 सूत्री मांगों को लेकर आज राष्ट्रव्यापी ग्रामीण भारत बंद व औद्योगिक हड़ताल का बिहार के जिलों में व्यापक प्रभाव पड़ा। यह हड़ताल संयुक्त किसान मोर्चा व केंद्रीय ट्रेड यूनियन के संयुक्त आह्वान पर आहुत थी। उक्त हड़ताल को छात्र, युवा, सेवा संघों, कला सांस्कृतिक संगठनों ने सक्रिय समर्थन दिया। राजधानी पटना सहित अधिकांश जिलों के ग्रामीण मजदूर, औद्योगिक श्रमिकों, किसानों ने बढ़ चढ़कर हड़ताल को सफल बनाने में ऐतिहासिक भूमिका का निर्वाह किया। इसके लिए ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) के राज्य अध्यक्ष लाल बाबू महतो व मुजफ्फरपुर जिला कार्यालय सचिव काशीनाथ सहनी ने हड़ताल को व्यापक समर्थन देने वाले किसान मजदूर, आंदोलन के हिमायती नागरिकों, व्यवसाईयों, वाहन चालकों को धन्यवाद दिया है। साथ ही हरियाणा के चर्चित मजदूर नेता एवं प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किए जाने की निंदा की। वह हरियाणा सीमा पर किसनों पर बहशियाना दमन की कड़ी भर्त्सना की है।

अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान संघ ने किया धरना प्रदर्शन

नोखा (रोहतास) संयुक्त किसान मोर्चा व राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन के आह्वान पर प्रखंड कार्यालय समक्ष केंद्र सरकार के विरुद्ध किया धरना प्रदर्शन। जिसको लेकर घंटों देर कार्यालय पर धरना जारी रखा। मौके पर एलअखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा के प्रखंड सचिव राम सकल पासवान बबन राम के बताता कि मोदी सरकार देश के किसानों की अहित चाहती है। जो हरियाणा सरकार शंभू बॉर्डर पर किसानों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस गोला छोड़ने वाली सरकार को बर्खास्त करनी चाहिए। साथ ही किसानों पर बर्बरता करने वाली पुलिसकर्मियों को नौकरी हटाने की मांग किया है। वही एसपी की गारंटी कानून बनाने किसानों के सभी कर्ज माफ करने किसान आंदोलन में किसानों पर लदेगए सभी मुकदमा वापस सहित बिजली बिल 2022 को समाप्त करने बिहार में फिर से बाजार समिति चालू करने और 4 श्रमिक संहिता कोड को समाप्त करने ग्रामीण मजदूरों को 300 दोनों काम और 700 रु प्रति दिन दैनिक मजदूरी निर्धारण करने सभी बेरोजगार नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता 16000 मंथली देना की मांग की है। मौके पर अजय बैठा, ध्रुव कुमार चंद्रवंशी, दिलीप चंद्रवंशी, श्रीनिवास बैठा, कमलेश महतो, प्रवीण चौधरी, अजय राम, कमलेश पासवान, दसई राम सहित ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन न्यू मुक्ति संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल थें।

जननायक कपूर्री ठाकुर स्मृति समारोह आज

मधेपुरा भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा में 17 फरवरी (शनिवार) को जननायक कपूर्री ठाकुर स्मृति दिवस का आयोजन सुनिश्चित है। इस अवसर पर सर्वप्रथम अतिथिशाला स्थिति जननायक कपूर्री प्रतिमा स्थल (प्रस्तावित) पर पुष्पांजलि की जाएगी। तदुपरांत केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार, प्रशासनिक परिसर (ओल्ड परिसर) में परिचर्चा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। उपकुलसचिव (स्थापना) डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. बी. एस. झा करेंगे। अतिथियों का स्वागत कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर और कार्यक्रम का संचालन मधेपुरा यूथ एसोसिएशन (माया) राहुल यादव करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बावत कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर ने अधिसूचना जारी कर सभी पदाधिकारियों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, प्रधानाचार्यो, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

इग्नू का 37वां दीक्षांत समारोह 20 फरवरी 2024 को

पटना में भी दीक्षांत समारोह प्रेमचंद रंगशाला, राजेंद्र नगर, पटना की जाएगी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। इग्नू का 37वां दीक्षांत समारोह मंगलवार (20 फरवरी 2024) को आयोजित की जाएगी मुख्य कार्यक्रम इग्नू मुख्यालय, नई दिल्ली के साथ ही पटना में भी दीक्षांत समारोह आयोजित की जायेगी। नई दिल्ली में उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड. दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगें एवं दीक्षांत भाषण देंगें। पटना में आयोजित संवाददाता सम्मलेन को संबोधित करते हुए इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, पटना के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अभिलाष नायक ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह में समस्त भारतवर्ष में 3,08,605 शिक्षार्थी अपनी डिग्री प्राप्त करेंगें। दीक्षांत समारोह का क्षेत्रीय समारोह प्रेमचंद रंगशाला, राजेंद्र नगर, पटना में आयोजित किया जायेगा। प्रोफेसर केसी सिन्हा, कुलपति, नालंदा खुला विश्वविद्यालय, नालंदा इस अवसर पर सम्मानित अतिथि होंगे। पटना के क्षेत्रीय केन्द्र के अधीन 17,948 शिक्षार्थी डिग्री प्राप्त करने के पात्र है एवं इनमें से 929 शिक्षार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से डिग्री प्राप्त करने के लिए सहमति व्यक्त किया है।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ अभिलाष नायक ने बताया कि जनवरी 2024 सत्र के लिए प्रवेश एवं पुनः पंजीकरण 29 फरवरी 2024 तक जारी रहेंगें। 2023 सत्र में कुल प्रवेश 86,250 थे। आज तक कुल पुनः पंजीकरण 11,564 एवं जनवरी 2024 में 20,718 शिक्षार्थी प्रवेश ले चुके है। जनवरी 2024 प्रवेश सत्र में नामांकन चाहने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के गरीब छात्रों के लिए बीएजी, बीएससीजी और बीसीओएमजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश शुल्क छूट का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्या के राष्ट्रपति विलियम सामोई रूतो की उपस्थिति में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के प्रमुख सचिव, शिक्षा मंत्रालय, केन्या और प्रोफेसर नागेश्वर राव, माननीय कुलपति, इग्नू द्वारा एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। समझौता ज्ञापन केन्याई संस्थान को अपने कार्यक्रमों में विविधता लाने और अपने तकनीकी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में सक्षम बनाएगा। इस सहयोग के माध्यम से केन्या के मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य अपने शैक्षिक पोर्टफोलियो का विस्तार करना, अपनी वृद्धि को बढ़ाना और अकादमिक उत्कृष्टता के युग में प्रवेश करना है। इग्नू और केन्या के मुक्त विश्वविद्यालय के बीच सहयोग शिक्षा को आगे बढ़ाने, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और विकासशील देशों में छात्रों के लिए अवसर पैदा करने की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने बताया गया कि इग्नू द्वारा अनेक नये पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया गया है जिनमें भौतिकी, रसायनशास्त्र, सांख्यिकी, जीव रसायन, विश्लेषात्मक रसायन, भूगोल, भू-सूचनात्मक, स्पैनिश एवं जनसंख्या एवं स्वास्थ्य अध्ययन में मास्टर डिग्री प्रमुख है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप 19 पाठ्यक्रमों में चार-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए है। इसके अलावा इस क्षेत्रीय केन्द्र के सभी शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों को शिक्षार्थियों को प्रभावी सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए 1 मार्च से परामर्श कक्षाओं फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है जो कोरोनाकाल के बाद से ऑनलाइन मोड के माध्यम से काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा था। क्षेत्रीय केन्द्र, पटना को अग्निवीरों के लिए बीएएएस और बीकॉमास के शैक्षणिक परामर्श सत्र आयोजित करने हेतु नोडल केन्द्र बनाया गया। इनके लिए शैक्षणिक परामर्श सत्र का आयोजन 28 फरवरी 2024 से प्रारंभ होने वाला है। इसके अलावे विश्वविद्यालय 1 जून 2024 से सत्रांत परीक्षाएं जून 2024 का आयोजन करने जा रही हैं यह परीक्षाएं 9 जुलाई 2024 तक जारी रहेंगी। इस क्षेत्रीय केन्द्र के अधीन 30 परीक्षा केन्द्र प्रस्तावित है जिनमे 8 विभिन्न जेलों में होगीं।

50 हजार का ईनामी अपराधकर्मी अपने साथियों के साथ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलांतर्गत टॉप-10 अपराधकर्मियों की सूची में शामिल 50 हजार का ईनामी व कई कांडो का वांछित दुर्दांत अपराधकर्मी को पुलिस ने उसके अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है।यह जानकारी देते हुए एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बिहार एस०टी०एफ० एवं मुजफ्फरपुर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से त्वरित कार्रवाई करते हुए किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने से पूर्व ही बोचहाँ थाना अंतर्गत तुर्की भट्ठा के पास से अपराध की योजना बना रहे 4 अपराधकर्मियों को अवैध हथियार, कारतूस एवं मादक पदार्थ स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है।इस संबंध में बोचहाँ थाना कांड सं0 37/24 दर्ज की गई है। मुजफ्फरपुर जिलांतर्गत टॉप-10 की अपराधकर्मियों की सूची में शामिल गिरफ्तार अपराधकर्मी कार्तिक कुमार उर्फ कार्तिक राज उर्फ छोटन कुमार, मीनापुर थाना कांड सं0 274/23, उतर बिहार ग्रामीण बैंक लूट-कांड में फिरार चल रहा था।उल्लेखनीय है कि मुजफ्फरपुर पुलिस द्वारा वांछित फिरार, सक्रिय (टॉप-10) अपराधकर्मियों की सूची बनाई गई हैं, जिसपर बिहार एस०टी०एफ० एवं मुजफ्फरपुर पुलिस द्वारा निरंतर छापामारी, कार्रवाई की जा रही हैं। उसी अभियान के तहत अपराधकर्मी कार्तिक कुमार उर्फ कार्तिक राज उर्फ छोटन कुमार को उसके अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में कार्तिक कुमार के अलावा मो.कैस,विजय कुमार , एवं भरत कुमार शामिल हैं। इनके पास से एक देशी पिस्टल,2 कारतूस ,करीब 21ग्राम स्मैक 3मोबाईल एवं वाहन जब्त किया गया है।

स्वतंत्रता सेनानी की जयंती पर सम्मान समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जागृति संगठन सरैया एवं सिया-दामोदर फाउंडेशन के तत्वावधान में थियोसोफिकल लॉज, नया टोला में प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी एवं किसान नेता दामोदर प्रसाद सिंह जी का 110वां जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ रामप्रवेश सिंह ने की। आयोजन में विशिष्ट अतिथि जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के संगठन मंत्री श्री मधुमंगल ठाकुर, मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ संजय पंकज तथा दामोदर प्रसाद सिंह के पुत्र डॉ. हरिकिशोर प्रसाद सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. सोनी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। डॉ संजय पंकज ने कहा कि अपने पूर्वजों के त्याग और बलिदान से आज हम स्वतंत्र भारत के स्वतंत्र नागरिक हैं। दामोदर बाबू समाज और देश के लिए सदा समर्पित रहे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण काम किया। वह एक प्रेरक व्यक्तित्व थे। अध्यक्षीय उद्गार में डॉ रामप्रवेश सिंह ने कहा कि ऐसे लोग अपने लिए नहीं आने वाली पीढ़ी के लिए सोचते और जीते हैं। उपस्थित सभी वक्ताओं ने दामोदर प्रसाद सिंह के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का अग्रिम सिपाही बताया।

दामोदर बाबू के जीवन पर आधारित ह्यस्मृतिह्न नामक स्मारिका का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर शहर के जाने-माने शिक्षाविद्, साहित्यकार, संस्कृतिकर्मी, वयोश्रेष्ठ समाजसेवी, वरिष्ठ पत्रकारों आदि को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र एवं फूल माला से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रो. प्रसून कुमार राय, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. पुष्पा प्रसाद, डॉ. रजनी दुर्गेश, श्री एच एल गुप्ता, डॉ. यशवंत कुमार एवं डॉ. अशोक कुमार सिंह शामिल आज दिनांक 15 फरवरी 2024 को संगठन जागृति, सरैया एवं सिया-दामोदर फाउंडेशन के तत्वावधान में थियोसोफिकल लॉज, नया टोला में प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी एवं किसान नेता दामोदर प्रसाद सिंह जी की 110वीं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी आर ए बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष रहे प्रोफेसर डॉ रामप्रवेश सिंह की , विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के संगठन मंत्री श्री मधु मंगल ठाकुर जी, मुख्य अतिथि के रूप में शहर के जाने-माने साहित्यकार डॉ संजय पंकज तथा दामोदर प्रसाद सिंह के पुत्र डॉ. हरिकिशोर प्रसाद सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. सोनी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की. इसके बाद सभी वक्ताओं ने दामोदर प्रसाद सिंह के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का अग्रिम सिपाही बताया। दामोदर बाबू के जीवन पर आधारित ह्यस्मृतिह्न नामक स्मारिका का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर शहर के जाने-माने शिक्षाविद्, साहित्यकार, संस्कृतिकर्मी, वायोश्रेष्ठ समाजसेवी, वरिष्ठ पत्रकारों आदि को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र एवं फूल माला से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रो. प्रसून कुमार राय, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. पुष्पा प्रसाद, डॉ. रजनी दुर्गेश, श्री एच एल गुप्ता, डॉ. यशवंत कुमार एवं डॉ. अशोक कुमार सिंह शामिल थे। धन्यवाद ज्ञापन श्री मोहन प्रसाद सिन्हा ने एवं मंच संचालन डॉ सतीश कुमार साथी ने किया। डॉ हरि किशोर सिंह के स्वागत संबोधन के बात दामोदर बाबू के चित्र पर सबने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के बीच गैस सिलेंडर का किया वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) प्रखंड के खुरहान गांव स्थित मां निर्मला एचपी गैस एजेंसी में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के बीच गैस चूल्हा और सिलेंडर का वितरण समारोह आयोजित कर किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मधेपुरा लोकसभा के सांसद दिनेश चंद्र यादव थे। उपस्थित उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के बीच गैस चूल्हा एवं सिलेंडर वितरण करते हुए सांसद दिनेश चंद्र यादव ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहे है। इसके लिए महिलाओं को धुएं से होने वाली बीमारी से छुटकारा पाने के लिए नरेंद्र मोदी जी के द्वारा देश के करोड़ों गरीब महिला को मुफ्त में गैस कनेक्शन देने का काम कर रहा है। वहीं सांसद दिनेश सिंह यादव ने बताया कि केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार के द्वारा कई जनकल्याणकारी कार्यों के द्वारा महिला किसान एवं बेरोजगार युवाओं के लिए योजनाएं चलाने का काम कर रही है जिससे हर तबके के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा आने वाले लोकसभा चुनाव में बिहार के 40 सीटों में से 40 सीट एनडीए जीत कर एक बार फिर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का काम करेंगे। वहीं इस दौरान जिला सांसद प्रतिनिधि सह प्रदेश महासचिव प्रोफेसर बिजेंद्र यादव, आलमनगर प्रखंड जदयू के प्रखंड अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ जद यू नेता शिव शंकर सिंह, मां निर्मला एचपी गैस एजेंसी के प्रोपराइटर राजेश कुमार सिंह, स्थानीय ग्रामीण सुभाष कुमार सिंह, चंदन कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह, विकास कुमार सिंह, लक्ष्मण शर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

बंद समर्थकों ने निकाला जुलूस , लगाए सरकार विरोधी नारे

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । औद्योगिक हड़ताल एवं ग्रामीण भारत बंद के समर्थन में आज कई ट्रेड यूनियनों एवं किसान संगठनों ने जुलूस निकाला तथा केंद्र सरकार की किसान - मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। जुलूस शहीद खुदीराम बोस स्मारक स्थल से निकल कर कम्पनीबाग, पोस्ट आफिस चौक, सदर अस्पताल रोड होते हुए समाहरणालय पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया । सभा को संबोधित करते हुए किसान एवं मजदूर नेताओं ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ऐतिहासिक किसान आंदोलन के प्रतिनिधियों से किये गये सभी वायदे से मुकरते मुकरते हुए धोखाधड़ी कर रही है। वहीं देश के उद्योगपतियों को मजदूरों के शोषण का निर्बाध अधिकार दे रही है तथा महंगाई - बेरोजगारी चरम पर है। सभा की अध्यक्षता एटक के शंभू शरण ठाकुर ने किया वहीं सभा को एआईकेकेएमएस के लालबाबू महतो, कालीकांत झा, काशीनाथ सहनी, विपिन कुमार ठाकुर, एआईयूटीयूसी के नरेश राम, मोहम्मद इदरीश, वैद्यनाथ पंडित, एआईकेएमएस के रुदल राम, एआईकेएफ के चंद्रमोहन प्रसाद बिहार राज्य किसान सभा के चंदेश्वर प्रसाद चौधरी, बिहार विद्यालय रसोइया यूनियन के शत्रुधन साह, बच्ची देवी, एडवा की नमिता सिंह, सीटू के सुन्देश्वर सहनी, टीयूसीसी के हबीब अंसारी, एआईसीटीयू के चंद्रभूषण तिवारी, एआईडीएसओ के शिव कुमार, सांस्कृतिक संगठन ह्यविकल्पह्न के राजू कुमार, ईफ्टू के सुरेश दास कनौजिया, दिनेश दास आदि ने संबोधित किया।

खजौली प्रखंड़ कार्यालय में मतदाता जागरूकता को लेकर बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड़ कार्यालय में शुक्रवार को बीडीओ लवली कुमारी के अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता को लेकर बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक के दौरान बीडीओ ने कहा कि आगामी लोक सभा चुनाव को लेकर जिस बूथ पर सबसे कम मतदाता लोग वोटिंग किया है उस बूथ पर मतदाता जागरूक अभियान चलाकर मतदाता को जागरूक किया जाएगा.उन्होंने उपस्थित सीएचसी प्रभारी डा. ज्योतींद्र नारायण,प्रखंड़ शिक्षा पदाधिकारीजीविका बीपीएम को कहा कि प्रत्येक सप्ताह में एक दिन सीएचसी खजौली प्रखंड़ के मध्य विद्यालय एव जीविका द्वारा जीविका प्रभात फेरी मध्य विद्यालय दतुआर प्राथमिक विद्यालय नरार थान टोल उत्क्रमित मध्य विद्यालय नरार गुलरिया टोल विद्यालय से प्रभात फेरी का तिथि एव समय का निर्धारित किया गया.उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत प्रभात फेरी,दिप प्रज्वलित कार्यक्रम,रंगोली कार्यक्रम एव निबंधन प्रतियोगता द्वारा मतदाता को जागरूक की जाएगी.उन्होंने कहा प्रथम प्रभात फेरी शनिवार को जीविका एव प्राथमिक विद्यालय थान टोल में आयोजन किया जाएगा.इस मौके पर बीईओ योगेंद्र चौधरी, सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. ज्योतींद्र नारायण, जीविका के बीपीएम संजीत कुमार सुमन मौजूद थे.

सैकड़ों रसोईयों ने शहर में निकाला जुलूस, दिया धरना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भाकपा माले से जुड़े एक्टू से सम्बद्ध रसोईया संगठनों ने ग्रामीण भारत हड़ताल के आवाहन पर आज मिथिला भवन से सैकड़ों रसोईया ने जुलूस निकाला और जिला समाहरणालय के समक्ष अंबेडकर स्मारक के पास धरना दिया. धरना स्थल पर रसोईया संघ एक्टू के नेता योगेन्द्र यादव की अध्यक्षता में सभा का आयोजन किया गया. सभा को संबोधित करते हुए खेग्रामस के बिहार राज्य कार्यकारणी सदस्य कामरेड श्याम पंडित ने कहा कि मोदी नीतीश की सरकार एक ओर जहां रसोईया को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं दे रही है वहीं दूसरी तरफ अडानी अम्बानी जैसे पूंजीपतियों को करोड़ो अरबों का फायदा पहूचा रही है. देश की सम्पदा को बेचने का काम कर रही है. इसके बदले में मोदी सरकार हजारों करोड़ का घोटाला किया है. माननिय सर्वोच्च न्यायालय के द्धारा ए'ीू३१ङ्ग' इङ्लल्ला पर दिये गये निर्णय से स्पष्ट हुआ है. अब लोग प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को देश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी कहना शुरू कर दिया है. सभा को रसोईया संघ के नेता लक्ष्मी चौधरी, मनोज मिश्रा, राम चरित्र राय ने भी संबोधित किया. अंत में 13 सूत्री मांगों का ज्ञापन जिला पदाधिकरी को सौपा गया. मांग पत्र में 1650 रुपए मानदेय को बढ़ा कर 10,000 रुपए करने बर्ष के 12 महिनों का मानदेय देने शिक्षा बिभाग के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी का दर्जा देने एन जी ओ के भोजन आपूर्ती पर रोक लगाने अवकाश प्राप्त रसोईया को 3000 रुपए मासिक पैंशन देने सहित तेरह सूत्री मांगें शामिल हैं।

बीडीओ ने स्वच्छता प्रखंड समन्वयक द्वारा कार्य में लापरवाही को लेकर, कार्रवाई के लिए निर्गत किया पत्र

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह स्वच्छता पदाधिकारी चंद्र मोहन पासवान ने पत्र निर्गत कर स्वच्छता प्रखंड समन्वयक द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की अनुशंसा किया है। बताया गया कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के द्वितीय चरण में लाभों के शौचालय की प्रोत्साहन राशि भुगतान हेतु जियो टैग प्रखंड समन्वयक द्वारा किया जाता है। किसी कर्मी को जिओ टैगर के रूप में अधिकृत करनी हेतु उप विकास आयुक्त से स्वीकृति लेनी होती है। लेकिन आपके द्वारा बिना संज्ञान में दिए अनाधिकृत व्यक्ति से जियो टैग करवाना तथा राशि का उगाही करना कार्य के प्रति लापरवाही को दशार्ता है। आपके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के जवाब में भी आपके द्वारा स्वच्छता पर्यवेक्षक से जिओ टैग कराया जा रहा है। साथ ही आप बिना सूचना के 13 फरवरी एवं 15 फरवरी को कार्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे। क्यों न आपके कृत के लिए अग्रेतर विभागीय कार्रवाई हेतु उच्च अधिकारी को प्रतिवेदित किया जाए।

देशव्यापी हड़ताल को लेकर माले का हल्लाबोल कार्यक्रम

प्रात : किरण संवादता

बोचहा। देशव्यापी हड़ताल और ग्रामीण भारत बंद को लेकर माले प्रखंड सचिव राम बालक सहनी के नेतृत्व में उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर से प्रतिरोध मार्च निकाला गया।इस दौरान माले कार्यकताओं ने मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की यह मार्च केंद्र सरकार के खिलाफ और किसानों के समर्थन में निकाला गया। वहीं, माले प्रखंड सचिव रामबालक सहनी, राम नंदन पासवान, बिंदेश्वर साह ने कहा कि संयुक्त किसान और किसान मजदूर मोर्चा के द्वारा शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया गया था।इसमें खेत के मजदूर किसान सभी ने अपना काम छोड़कर इस भारत बंद से जुड़े हुए है।भारत के अंदर संगठित और असंगठित मजदूर जो है वो लोग भारत बंद के समर्थन दे रहे है। सब लोग जानते है कोरोना महामारी के दौरान लोगों को घरों में बंद करके कृषि कानून लाए, किसानों के जमीन छीनने के लिए, कॉरपोरेट के गोदाम है वो कानून आने के पहले से ही बंद है।उन्होंने कहा कि किसानों ने कृषि कानून को वापस लेने के लिए 1 साल से ज्यादा समय तक आंदोलन किया। दिल्ली के कई बॉर्डर पर 700 से ज्यादा किसान शहिद हुए। उसमें समझौता हुआ। जिसके बाद किसान आंदोलन के बाद सरकार को झुकना पड़ा दबाव में इस कानून को सस्पेंड किया गया। लेकिन खत्म नहीं किया गया। इसको जो मुकदमा वापस करना था वो मुकदमा वापस नहीं हुआ। एमएसपी की गारंटी का कानून बनाना था, वो भी नहीं बनाया गया। वहीं, उन्होंने कहा कि अगर सरकार कानून वापस नहीं लेती है तो हम दिल्ली तक आंदोलन करेंगे।

भारत बंद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सड़क जाम कर दिया धरना

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

संयुक्त किसान मोर्चा केंद्रीय ट्रेड यूनियन एवं मजदूर संगठनों के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल एवं भारत बंद कार्यक्रम को सफल करने के लिए विभूतिपुर में खोकशाहा बाजार चौराहा पर सड़क जाम कर धरना दिया।अखिल भारतीय किसान सभा बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर यूनियन सीटू डीवाईएफआई एवं एसएफआई के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।अध्यक्षता किसान नेता जागेश्वर महतो कर रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए सीपीएम जिला सचिव मंडल सदस्य महेश कुमार ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं देकर किसानों के साथ वादा खिलाफी किया है। किसान संगठनों के साथ मोदी ने जो समझौता किया उसके ऊपर कोई अमल नहीं किया। लगातार किसान अपने फसल का समर्थन मूल्य कर्ज माफी जैसे मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है। अन्य मांग को लेकर जब किसान भारी संख्या में दिल्ली आने की तैयारी में लगे हुए हैं तो उनको आने से रोकने के लिए रास्ता रोका जा रहा है। सड़कों पर अवरोध खड़ा किया जा रहा है। कटीले तार लगाया जा रहे हैं। दीवारें खड़ी की जा रही है। यह अन्नदाता किसानों के साथ अन्याय है और इसका दुष्परिणाम मोदी सरकार को भुगतना पड़ेगा।कार्यक्रम को विश्वनाथ महतो, सिया प्रसाद यादव, शशिकांत झा, राजगीर यादव, क्रांति कुमार, मिथिलेश सिंह, अवनीश कुमार, पवन सिंह, राजीव कुमार, सुरेंद्र सिंह, दिलीप राय, गोपाल प्रसाद, रामाशीष महतो आदि ने संबोधित किया।

101 आरती की थाली के साथ संपन्न महाआरती

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। सरस्वती पूजा समिति कांग्रेस भवन, खोकसाहा के प्रांगण में 101 आरती की थाली के साथ महाआरती संपन्न हुआ। महाआरती संपन्न होते ही बाल कला प्रतियोगिता एवं पुलवामा में शहीद हुए वीर शहीदों को याद करते हुए कार्यक्रम आरंभ हुआ।जिसमें मंच संचालन आदित्य राज के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह एवं शराब बंदी जैसे मुद्दों पर बच्चों ने नाटक एवं संगीत माध्यम से लोगों के बीच अपनी बात रखी. मौके पर उपस्थित अभिनव कुमार, रंजन कुमार, अजीत कुमार, अभिनंदन राज आयुष रंजन, अमित ,रोशन एवं समस्त ग्रामवासी शामिल थे।

बीएनएमयू के निरीक्षण दल के संयोजक उषा सिन्हा द्वारा दिए गए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

सोनवर्षा राज/सहरसा। शुक्रवार को पीजी सैन्टर अर्थशास्त्र विभगाध्यक्ष डॉ0 संजीव शंकर सिंह ने एमएचएम कॉलेज सोंनवर्षा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने क्लास रूप, शोचालय, पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब , प्रयोगशाला सहित कार्यालय का निरीक्षण कर मौजूद शिक्षक से कई विन्दुओ पर आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने कक्षा संचालन का निरीक्षण कर छात्र छत्राओ से पूछे गए सवाल से संतुष्ट हुए।वही उन्होंने कॉलेज में कितने शिक्षक है। तथा किस विषय में शिक्षक की कमी है ,उससे अवगत हुए।उन्होंने कॉलेज में नामांकित छात्र छात्रों के बारे में पूछताछ की गई। वही कॉलेज कर्मी द्वारा अबतक के उपलब्धि से अवगत कराया गया। विकास तथा कॉलेज कर्मी के कार्यशैली को देख संतुष्ट दिखे। मौके पर कॉलेज के इतिहास विभाग से संजीव कुमार , मैथिली विभाग से ललटू पासवान , अर्थशास्त्र से डॉ ओमकार नाथ मिश्र, दर्शन सस्त्र से प्रदीप राय, हिंदी से मुन्ना कुमार, अंग्रजी मे डॉ संजीव कुमार, अरुण कुमार सिंह, सरिता सिंह, रंजन सिंह, राजीव कुमार यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विभिन्न मामले में वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

पतरघट/सहरसा। जिले के पतरघट ओपी पुलिस ने एक नामजद अभियुक्त एवं एक नशेरी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार वारंटी बबलू मुखिया पिता चन्देश्वरी मुखिया साकिम गोलमा एवं नशेरी शिबम कुमार पिता रमेश प्रसाद यादव साकिम वार्ड 2 को गोलमा पश्चिमी गया भगत चौंक के पास से रात्रि गस्ती के दौरान पुअनि बरुण कुमार शर्मा एवं अन्य पुलिस जबान के द्वारा नशे की हालात में धराया इस बावत ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया की गुरुवार की देर रात्रि के दौरान एक नशेरी एवं वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। धराए गये नशेरी एवं वारंटी के उपर बिधीवत कार्यवाई करते हुए न्यायिक हिरासत सहरसा भेजे गए।

तैलिक वैश्य साहू समाज की बैठक आयोजित

सहरसा। गांधी पथ वार्ड नंबर 39 मे स्थित तैलिक वैश्य साहू समाज मवन में तैलिक वैश्य साहू समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता समाज के नवनियुक्त संयोजक सह तैकिक साहू भवन निर्माण समिति के सचिव सुबोध साह ने की। बैठक में संगठन के बिस्तर पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी व समाज के नेताओं ने समाज की एकता पर बल देते हुए कहा कि समाज को एकजुट होकर अपनी चट्टानी एकता को दिखाने की जरूरत है। समाज की मजबूती के लिए संगठन जिले के सभी प्रखंड एवं नगर में बनेगी। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन, पूर्व एनडीए प्रत्याशी चंदन बागची, जदयू नेता देवेंद्र देव, भाजपा नेता शशांक सुमन विक्की, पूर्व प्रमुख शिव शंकर साह, कामेश्वर साह, राजीव रंजन साह, सतनारायण साह, फुलेश्वर साह,राज किशोर साह, दीपक कुमार फोटो, शक्ति गुप्ता, मनोज कुमार साह, मुकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

राजकीय पोलिटेकनिक, सहरसा में ई- यात्रा लैब का शुभारंभ

सहरसा। राजकीय पोलिटेकनिक, सहरसा में आईआईटी बॉम्बे के द्वारा संचालित ई-यात्रा रोबोटिक्स लैब का अधिष्ठापन किया गया है, जिसमें आईआईटी बॉम्बे के पदाधिकारी प्रो० कवि आर्या एवं संस्थान के प्राचार्य, डॉ० दिवाकर भगत, तथा अन्य शाखा के व्याख्याताएँ ऑनलाईन माध्यम से जुडकर प्रयोगशाला का शुभआरंभ किया गया। प्रयोगशाला के सफल संचालन से छात्र-छात्राओं के द्वारा रोबोटिक्स के क्षेत्र में सभी नई तकनिकी में भी प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा आईआईटी बॉम्बे में भी प्रशिक्षण प्राप्त करने का मौका भविष्य में दिया जायेगा।

22 सूत्री मांगों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियन का प्रदर्शन

प्रात: किरण, संवाददाता

सहरसा। 22 सूत्री मांगों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियन के संयुक्त मंच के द्वारा शुक्रवार को देशव्यापी ग्रामीण भारत बंद हुआ औद्योगिक यक्ष हड़ताल के समर्थन में सहरसा में भी एटक सीटू , एकटू इंटक, किसान सभा ने शंकर चौक से डी बी रोड होते हुए थाना चौक वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष पहुंचकर प्रदर्शन किया । मैट्रिक के परीक्षा के कारण जिला मुख्यालय में आंदोलन के कार्यक्रम में बदलाव किया गया एवं सड़क जाम तथा बाजार बंद को स्थगित कर दिया गया। बाईस सूत्री मांगों में महंगाई पर रोक लगाने, भोजन दवा कृषि सहित आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी हटाने पेट्रोलियम उत्पादन एवं रसोई गैस के कीमतों में वृद्धि को वापस लेने, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार सभी फसलों पर सी 2+50 प्रतिशत के फामूर्ले के आधार पर एमएसपी कानून बनाने, बिजली कानून 2022 को अबिलंब वापस लेने, 4 श्रम संहिता को वापस लेने बिहार में एपीमसी अधिनियम को पुन बहाल करने और कृषि मंडी को चालू करने, पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने किसान एवं खेत मजदूर को ₹5000 प्रति माह किसान पेंशन योजना लागू करने काम के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने, खाद्य सुरक्षा की गारंटी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सार्वभौमिक बनाने, सभी के लिए मुक्त शिक्षा स्वास्थ्य पानी और स्वच्छता के अधिकार की गारंटी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वापस लेने, वन अधिकार कानून 2006 को शक्ति से लागू करने वन संरक्षण संशोधन विधेयक 2023 वापस लेने, सभी किसान एवं मजदूरों को कर्ज के जाल से मुक्त करने , हिट एंड रन प्रावधानों सहित भारतीय नई संहिता के कठोर प्रावधानों को वापस लेने की मांगों को लेकर यह बैंड का आयोजन किया गया। जिला समाहरणालय के समक्ष सभा को संबोधित करते हुए किसान सभा के राज्य के महासचिव विनोद कुमार ने कहा कि किसानों के साथ केंद्र सरकार का रवैया अपेक्षा पूर्ण है एक तरफ बातचीत करने का ढोंग करती है तो दूसरी तरफ उनके आंदोलन को बंदूक और गोली के बल पर कुचलना चाहती है । वर्तमान में केंद्र सरकार रवेये का किसान सभा विरोध करती है और निंदा करती है केंद्र सरकार किसान और मजदूरों के हित में अभिलंब जन विरोधी कानून को वापस ले यह आंदोलन किसान और मजदूर के हितों के लिए लगातार जारी रहेगा। किसान सभा व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव परमानंद ठाकुर ने कहा की बिहार में मंडी सिस्टम बिहार सरकार किसान के हित में चालू करें जन विरोधी कानून को वापस ले और मजदूर किसानों का कर्ज माफ करें । कार्यक्रम में सीटू के दुखी शर्मा मोहम्मद नसीम उद्दीन, निर्माण कामगार यूनियन के मोहम्मद संजार असलम मोहम्मद बबलू मोहम्मद समरूल राजनीतिराय,गरकन सादा, मोहम्मद नसीम मिस्त्री, मंटू, फिरोज, इस्माईल अर्जुन शर्मा, जब्बार , मनोज शर्मा सीपीआई के जिला सचिव परमानंद ठाकुर, भवेश यादव, एटक के जिला सचिव प्रभु लाल दास, दिलीप कुमार, अरुण राम, सज्जन , दास, लक्ष्मण यादव , खेत मजदूर यूनियन के जिला उपाध्यक्ष शंकर कुमार, अजित कुमार सिंह, उमेश चोधरी, शिवजी राय, जाकिर हुसैन, वीरेंद्र दास, अशोक दास, सुरेश दास, हीरालाल शर्मा, गांगो यादव आदि प्रदर्शन में शामिल थे ।

टॉप 10 में शामिल कुख्यात अपराधी रंजीत गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

सहरसा। पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है जहां टॉप 10 की सूची में शामिल कुख्यात अपराधी के साथ 25000 का इनामी अपराधी रंजीत मुखिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है मामले की जानकारी एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एसपी हिमांशु कुमार ने दिया है जानकारी देते हुए हिमांशु कुमार ने बताया कि रंजीत मुखिया टॉप 10 की सूची में शामिल था जिन पर सहरसा समेत सुपौल जिले में मामला दर्ज था इन पर 25000 का इनाम भी घोषित किया गया था वही रंजीत मुखिया की गिरफ्तारी जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में हुई है आगे एसपी ने बताया कि यह खुख्यात अपराधी है इन पर कई मामला दर्ज है वहीं पुलिस को कई दिनों से इसकी तलाश थी और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी हालांकि गिरफ्तारी के क्रम में कोई भी हथियार बरामद नहीं किया गया है ।

पुर्व मुखिया प्रतिनिधि ने फीता काटकर सरस्वती मेला का किया उद्घाटन

प्रात: किरण, संवाददाता

सौरबाजार/सहरसा- प्रखंड क्षेत्र के सहुरिया पश्चिमी पंचायत स्थित मां सरस्वती स्थान देवघरा में सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर गुरुवार की संध्या को स्थानीय पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अनिमेष कुमार ने फीता काटकर मेला का उद्घाटन किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि विद्या की देवी मां सरस्वती पूजा पूरे देश में हो रही है। खासकर छात्र व युवा लोग सरस्वती पूजा में भाग लेते हैं। इस गांव में सैकड़ो वर्षों से समस्त ग्रामीण एक साथ मिलकर पूजा के साथ-साथ तीन दिवसीय मेले का भी आयोजन करते है। जो इस सुदूर इलाके में गौरव की बात है। आज के दौर में मेले का आयोजन अपने आप में बहुत चुनौती रहती है लेकिन यहां के ग्रामीणों ने तीन दिवसीय मेला का आयोजन कर आपसी सामंजस का नमूना पेश किए है। उन्होंने कहा कि मेले एकजुटता, सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक हैं। भारतीय संस्कृति में मेलों का विशेष महत्व है। मेला और पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि इन परंपराओं को सद्भाव और भाईचारे के साथ निभाते रहे। मौके पर मेला कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

वाम दलों के कार्यकताओं ने स्टेट बैंक परिसर में बोला हमला

● घंटों बैंक को बाधित कर किया उग्र प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा संयुक्त किसान मोर्चा और अन्य ट्रेड यूनियन के आह्वान पर ग्रामीण भारत बंद बुलाया गया। जिसके तहत मधेपुरा में वाम दलों और बिहार राज्य किसान सभा की ओर से स्टेट बैंक मुख्य शाखा को बंद कर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि आंदोलन कर रहे लोगों ने लगभग एक घंटे तक एस बी आई मुख्य शाखा में कामकाज बाधित रखा। वहीं विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भाकपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रमोद प्रभाकर ने कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पूरे देश में किसान-मजदूर आज सड़क पर हैं। मोदी सरकार देश की सार्वजनिक संपत्तियों को बेच रही है। रेल, भेल, शिक्षा, हवाई अड्डा समेत सभी सरकारी संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। इसी के खिलाफ आज भारत बंद का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जो किसानों के साथ एग्रीमेंट किया, उसको लागू किया जाए। हरहाल में एम एस पी लागू होना चाहिए। किसानों के फसल का समर्थन मूल्य मिलना चाहिए। कर्मचारियों का पुराना पेंशन लागू होना चाहिए। शिक्षा और काम के अधिकार को मौलिक अधिकार में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कमरतोड़ महंगाई और रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी पर भी लगाम लगाएं सरकार। उन्होंने कहा कि अगर सरकार देश की संविधान और एकता को कुचलना चाहती है तो यह हमे मंजूर नहीं। यह देश जितना हिंदुओं का है उतना ही मुसलमान का भी है, उतना ही सिख और ईसाई का भी है। नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार हिंदू और मुसलमान और मंदिर मस्जिद के नाम पर देश को तोड़ना बंद करें। डीजल और पेट्रोल की कीमतों में कमी की मांग भी किसान कर रहे हैं। इसके अलावा किसान, मनरेगा को मजबूत करने, पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने और औपचारिक व अनौपचारिक दोनों क्षेत्रों में सभी श्रमिकों के लिए पेंशन और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में बिहार राज्य किसान सभा के नेता रमन कुमार, शंभु क्रांति, मो. वसीमुद्दीन समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

नम आंखों से दी गई विद्या की देवी मां सरस्वती को विदाई

प्रात: किरण, संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) प्रखंड क्षेत्र में शांति व सौहार्द के माहौल में सरस्वती पूजा संपन्न हो गया। शुक्रवार को लोगों ने विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित मां सरस्वती एवं अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा जलाशयों में विसर्जित किया। वहीं नगर पंचायत स्थित वार्ड नंबर 12 में छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ-साथ माता को नम आंखों से विदाई की। प्रखंड के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में मां की प्रतिमा को विसर्जन किया गया। मौके पर हर्ष महाराज, आशीष कुमार, रवि कुमार, हरिओम कुमार, मयंक कुमार, यश कुमार, आदर्श कुमार, अभिषेक कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

नम आंखों से दी गई मां शारदे को विदाई

प्रात: किरण, संवाददाता

नवहट्टा/सहरसा। प्रखण्ड क्षेत्र के ज्ञान सरोवर शिक्षण संस्थान, उपस्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में आर्यन सरस्वती पूजा समिति, आनन्द इंटरनेशनल स्कूल सहित अन्य दर्जनों जगहों पर विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की अराधना भक्तिभाव से की गई। गुरुवार को पूजा पंडालों समेत अन्य पूजन स्थलों के पास वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भक्तों ने हवन पूजन का कार्य किया। हर पूजन स्थल पर मां शारदे कहां तू वीणा बजा रही है.. की आरती से पूजा पंडाल गुंजायमान होता रहा। साथ ही हवन के बाद पूजा स्थलों पर विसर्जन का प्रसाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। विसर्जन से पहले पूजा स्थलों पर लोग एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बसंत की बधाई दी। हवन होने के बाद पूजा पंडाल से भक्तों की टोली जुलूस की शक्ल में मां शारदे की प्रतिमा को लेकर विसर्जन करने जलाशयों की ओर चल दिए। जुलूस में शामिल श्रद्धालु भक्ति व भोजपुरी गीतों पर जमकर थिरक रहे थे। साथ ही बीच-बीच में मां शारदे की जयकारे भी लगा रहे थे। पूरे इलाकों में उत्साह के साथ मां शारदे को नम आंखों से विदाई देते हुए प्रतिमा को जलाशयों में प्रवाहित कर दिया गया। पूजा से लेकर विसर्जन तक की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के लिए पुलिस पदाधिकारियों व जवानों की तैनाती की गई थी। मौके पर ज्ञान सरोवर शिक्षण संस्थान के निदेशक मन्नू रिस्की, लाडली रिस्की, बिट्टू गुप्ता, कन्हैया साह, ऋषि गुप्ता, प्रदीप प्रेम, प्रणव वर्मा, आशीष गुप्ता, धरम दास, मिलन गुप्ता, अमित कुशवाहा, कुन्दन यादव, संतोष आनंद, विकाश साह, रोहित पासवान, तनय त्यागी, राजीव साह, राजन मिस्त्री, अक्षय मुखिया, अजय मिस्त्री, अंगद दास कृष्णा दास सहित अन्य दर्जनों युवा व युवती उपस्थित रहे।

ई रिक्शा और बाइक हुई आमने सामने टक्कर, दोनों चालक घायल

प्रात: किरण, संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड थाना क्षेत्र के बिशनपुर बाजार पंचायत स्थित देवन स्थान चौक के समीप स्टेट हाईवे पर शुक्रवार को ई रिक्शा और बाइक के आमने सामने के टक्कर में बाइक चालक और ई रिक्शा चालक घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने 112 वाहन पुलिस कुमारखंड को सूचना दिया। सूचना मिलते ही 112 वाहन पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर ई रिक्शा चालक और बाइक चालक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुमारखंड में भर्ती करवाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा इलाज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जदिया थाना क्षेत्र स्थित मानगंज गांव निवासी बाइक चालक गणेश कुमार अपनी बाइक से कुमारखंड की ओर से घर लौट रहे थे ।

संघ के राज्यव्यापी आह्वान पर ममता कार्यकर्ता ने आठ सूत्री मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन सभा

ममता कार्यकर्ता को न्यूनतम मजदूरी भी नसीब नहीं, जायज मांग जल्द पूरा करें सरकार : किरण देव यादव

प्रात: किरण, संवाददाता

● ममता कार्यकर्ता जच्चा बच्चा के सुरक्षित जन्म दर एवं स्वास्थ्य विभाग का है मेरुदंड - मधुबाला

साहेबपुर कमाल। बिहार राज्य ममता कार्यकर्ता संघ के राज्यव्यापी आह्वान पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहेबपुर कमाल के समक्ष ममता कार्यकर्ता के द्वारा धरना प्रदर्शन सभा किया गया। उक्त आंदोलन का नेतृत्व प्रदेश संरक्षक किरण देव यादव ने किया। श्री यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता कार्यकर्ता को सरकारी सेवा घोषित कर 26000 रुपए मासिक मानदेय निर्धारित किया जाए। उन्होंने कहा कि आज ममता कार्यकर्ता को एक जच्चा बच्चा के जन्म होने पर मात्र 300 मिलती है जो सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी भी नहीं है। ममता कार्यकर्ता के बच्चों का भरण पोषण शिक्षा स्वास्थ्य दवा कैसे संभव होगा ? श्री यादव ने ममता कार्यकर्ता को कार्य अवधि में मृत्यु होने पर 10 लख रुपए मुआवजा देने, अनुकंपा का लाभ देकर आश्रितों को नौकरी देने, आकस्मिक अवकाश मातृत्व अवकाश विशेष अवकाश देने, ड्रेस किट बैग देने, ट्रेनिंग देने, सुरक्षा सम्मान सुविधा देने आदि मांग सरकार से किया। महिला विकास सेवा संस्थान के संरक्षक मधुबाला ने ममता कार्यकर्ता के आंदोलन को पुरजोर समर्थन किया। धरना में रेखा कुमारी, किरण देवी , मनीषा देवी, इंदु कुमारी, बेला कुमारी, शांति कुमारी रेखा देवी , इंदु देवी, ममता कुमारी, अहिल्या कुमारी, गायत्री कुमारी, बबीता देवी ने ममता कार्यकर्ता के आठ सूत्री मांगों को सहानुभूति पूर्वक विचार कर जल्द मांग पूरा करने का सरकार से मांग किया।

संयुक्त किसान मोर्चा एवं केन्द्रीय श्रमिक संगठनों ने किया हड़ताल

प्रात: किरण, संवाददाता

सौर बाजार/सहरसा। संयुक्त किसान मोर्चा एवं केन्द्रीय श्रमिक संगठनों के राष्ट्रीय व्यापी आवाहन केन्द्र सरकार के किसान विरोधी मजदूर विरोधी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सौर बाजार के सभी दुकानों को बंद कराते हुए सभी व्यवसाय दुकानदारों ने सरकार के जनविरोधी नीतियों खिलाफ अपना अपना दुकान बंद कर भारत बंद को समर्थन किया जिसके उपरांत प्रदर्शकारी लोगों ने सोनवर्षा पतरघट सहरसा मुख्यमार्ग जिरो माईल चौक पर एक घंटा चक्का जाम किया वहीं परिक्षार्थियों विद्यार्थी को जाने आने में दिक्कत नहीं हो इसको देखते हुए चक्का जाम किया। जिसे कोई किसी विघार्थियों को दिक्कत नहीं आने दिया। चक्का जाम स्थल पर पहुंचे सौर बाजार थाना अध्यक्ष अविनाश कुमार ने प्रदर्शन कारी से वार्ता कर जाम हटाया गया। दिल्ली जा रहे आन्दोलनकारी किसान से वार्ता करने, किसान मजदूर के सभी तरहों का कर्ज माफ करने, एमएसपी को कानूनी दर्जा देने, श्रम विरोधी कानून को वापस लेने, मनरेगा में 600 सौ रुपए करने, सभी एसकीम वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, मंहगाई पर रोक लगाने, सभी भुमी हिनों को वास के लिए 05 डी. मिल जमीन देने, किसान आन्दोलन में किसान के उपर से फर्जी एफआईआर को हटाने, लखीमपुर खीरी में आन्दोलन कारी शहिद किसान और एक पत्रकार के परिवार को उचित मुआवजा देने और भाजपा के गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को बर्खास्त करने उसके उपर हत्या के मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने, किसान मजदूर को वृद्धा पेंशन तीन हजार रूपया प्रति माह करने आदि मांगों को लेकर डबल इंजन सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन एवं चक्का जाम में शामिल किसान सभा, सीटू से जुड़े निर्माण कामगार यूनियन, आशा, ममता,टेम्पू चालक, एमडीएम रसोईया यूनियन ने आदि संगठन के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए जिसके उपरांत प्रतिरोध मार्च निकालकर सौर बाजार प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभी कामों को थप किया। प्रदर्शन में शामिल किसान सभा प्रखंड अध्यक्ष केशव कुमार सचिव विघानंद यादव, जिला संयुक्त सचिव रमेश यादव सीटू नेता कुलानन्द यादव एमडीएम रसोईया यूनियन के जिला सचिव व्यास प्रसाद यादव आशा वर्कर यूनियन जिला मंत्री कुमारी ज्योति रानी, अमृता कुमारी प्रखंड अध्यक्ष, निलम कुमारी कोषाध्यक्ष, ममता संघ के अध्यक्ष सावित्री देवी, सुनीता देवी, रंजु देवी रिता देवी, आशा कुमारी सीमा, अर्पणा कुमारी, राणा कुमारी, सचिदानंद यादव, मोहन मुखिया, हिरा लाल यादव, अशोक यादव, निमार्ण कामगार के पवन सादा, जालेश्वर पासवान, बद्री राम, बिंदेश्वरी भगत,रामी यादव किसान सभा के नेता बलराम यादव, कमोखिय यादव, श्रवण कुमार, मो. कबीर नीतीश कुमार, आदि मौजूद थें।

अबीर गुलाल के साथ नम आंखों से की गई मां सरस्वती की विदाई

प्रात: किरण, संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) पुरैनी प्रखंड क्षेत्र में स्थापित मां शारदे की प्रतिमाओं को विधि-विधान से पूजा के बाद शुक्रवार को विदाई दी गयी।भक्तों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर माता सरस्वती की मूर्ति का विसर्जन किया। वसंत पंचमी के दिन होने वाले सरस्वती पूजा के साथ होली की भी तैयारी शुरू हो जाती है। यही कारण है अबीर- गुलाल के साथ मां सरस्वती को विदा किया जाता है।शहर की सड़कें पर मां की गीत व जयघोष गूंजता रहा। नाचते-गाते और एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर मां की मूर्ति का विसर्जन किया साथ ही बच्चों ने मां से ज्ञान प्राप्ति की प्रार्थना की। प्रखंड के डुमरैल स्थित युवाओं द्वारा प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन से पूर्व पंडित निगम कुमार झा के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना एवं हवन संपन्न कराया। इसके बाद युवाओं द्वारा प्रतिमा को नगर भ्रमण कराया गया। युवाओं मां शारदे के भजन में थीरकते हुए चल रहे थे साथ-साथ ही मां शारदे की जयकारा लगा रहे थे। वहीं पास स्थित औरलाहा के तालाब में मां शारदे का विसर्जन किया गया। मौके पर तिलो साह, नवल किशोर साह, बादल कुमार, पवन कुमार, गौरव कुमार, दिनेश कुमार, विकास कुमार सहित अन्य युवा मौजूद थे।

केंद्र सरकार किसान व मजदूर के साथ कर रहा धोखा:रमेश शर्मा

प्रात: किरण, संवाददाता

मुरलीगंज (मधेपुरा) भाकपा ने संयुक्त किसान मोर्चा एवं केंद्रीय ट्रेड यूनियन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर भारत बंद कार्यक्रम का समर्थन किया है। शुक्रवार को भाकपा कार्यकर्ताओ ने बाजार के स्टेट बैंक मुख्य शाखा के मुख्य द्वार को घंटों बाधित रखा। इस दौरान बैंक कर्मी सहित विभिन्न जगहों से आए खाताधारको को परेशानी हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व भाकपा के सहायक अंचल मंत्री सह वार्ड संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा कर रहे थे। संबोधित करते हुए रमेश शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार मजदूर व किसान विरोधी है। उन्होंने कहा लखीमपुर खीरी में किसान नरसंहार के मुख्य साजिश कर्ता केंद्र में गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा को अब तक बर्खास्त नहीं किया जाना, तीन काला कृषि कानून के खिलाफ राष्ट्रव्यापी किसान आंदोलन में 736 शहीद किसानों के परिजनों को मुआवजा नहीं दिया जाना, संघर्ष समिति के एग्रीमेंट को पूरा नहीं किया जाना, ट्रेड यूनियन के अधिकारों में कटौती किया जाना, किसान एवं मजदूरों के साथ धोखा है। जनता को मंदिर का सपना दिखा रही है। लोहिया एवं कपूर्री के विरासत को धोखा देकर भाजपा के साथ नहीं जाने की कसम खाकर नरेंद्र मोदी के गोदी में बैठने वाले नीतीश कुमार को भी खामियाजा भुगतना पड़ेगा। मोहम्मद सिराज ने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आज हम लोग सड़क पर उतरे हैं। किसानों एवं मजदूरों की मांग का अगर अनदेखी की गई तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। आज तमाम बैंकों का निजीकरण किया जा रहा है। किसानों को फसल का लाभकारी मूल्य नहीं दिया जा रहा है। भारत धर्म निरपेक्ष देश है, इसलिए धर्म के नाम पर राजनीति नहीं चाहिए। मंदिर मस्जिद नहीं रोजगार चाहिए। मौके पर भाकपा के वरीय नेता कामरेड मुन्ना कुमार, बिजेन्द्र ऋषदेव, अजय कुमार राम, कुन्दन ऋषिदेव, अनोज ऋषिदेव, श्यामसुंदर मंडल, रवि कुमार, दीपक कुमार, गजेन्द्र ऋषिदेव, राजो ऋषिदेव, अरूण प्रसाद यादव, मो आबास, इन्दल पासवान, मो इन्सुल, रविन्द्र पासवान सहित दर्जनो भाकपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

सलखुआ/सहरसा। प्रखंड के पूर्वी तटबंध के अंदर मध्य विद्यालय रैठी में बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ सलखुआ के प्रखंड अध्यक्ष सह चिरैयां संकुल समन्वयक सुदर्शन कुमार गौतम के नेतृत्व में पुलवामा हमले को याद करते हुए एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम का प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सविता कुमारी, चिड़ैया ओपी अध्यक्ष कर्मवीर सिंह, बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष सह चिड़ैया संकूल समन्वयक सुदर्शन कुमार गौतम, कबीरा पंचायत के मुखिया जगदीश सादा व अन्य ने संयुक्त रूप से विधिवत फीता काट कर उद्घाटन किया। पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों के याद में मध्य विद्यालय रैठी में संकुल समन्वयक सह प्रधानाध्यापक श्री गौतम के नेतृत्व में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत देश भक्ति नगमों ने उपस्थित श्रोताओं को देशभक्ति से ओतप्रोत कर झूमने पर मजबूर कर दिया। तत्पश्चात उद्घोषक द्वारा आए आगंतुकों का स्वागत कर कार्यक्रम का आगाज किया गया।स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों की जो शमा बांधी लोग झूम उठे। ए मेरे वतन के लोगो तुम आंख में भर लो पानी जो शहीद हुए हैं उनको जरा याद करो कुबार्नी, सारे जहां से अच्छा हिदुस्तान हमारा, हम जिएंगे और मरेंगे ए वतन तेरे लिए,जहां डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा वो भारत देश है मेरा,चिट्ठी आई है वतन से चिट्ठी आई है आदि देशभक्ति नगमे ने लोगों को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।स्कूली बच्चों के रंग में श्रोता भी रंग गए।

थाना चौक पर धरना देकर किसानों ने किया यातायात वधित

आलमनगर (मधेपुरा) संयुक्त किसान मोर्चा एवं केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रीय व्यापी आह्वान पर शुक्रवार को बिहार राज्य किसान सभा एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकताओं ने थाना चौक पर धरना देकर आलमनगर उदा किशुनगंज मार्ग को बाधित किया। आंदोलन का नेतृत्व बिहार राज्य किसान सभा के राज्य परिषद सदस्य मुकुंद प्रसाद यादव एवं भाकपा के अंचल मंत्री जगत नारायण शर्मा कर रहे थे। आंदोलन में पार्टी के वरीय नेता एवं किसान नेता उमेश यादव, बिंदेश्वरी यादव, महेंद्र यादव, मजदूर नेता मनोज राम, अजीत शर्मा, अवधेश मंडल, जनार्दन ठाकुर, बम बम शर्मा, लड्डू सिंह, रमेश साहनी, टुनटुन शाह, मोहम्मद शमीम आदि नेता शामिल थे। किसान नेता मुकुंद प्रसाद यादव ने कहा कि किसान संगठनों के साथ हुए एग्रीमेंट को मोदी सरकार लागू करे, किसानों पर दमन और अत्याचार बंद करें नहीं तो संघर्ष तेज होगा। उन्होंने कहा कि भीषण महंगाई और बढ़ती बेरोजगारी से आम लोगों का जीना हुआ दुभर है। केंद्र की मोदी सरकार किसानों और मजदूरों की नहीं, पूंजीपतियों की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सत्ता से बिना भाजपा को हटाए देश को बचाना संभव नहीं है।

विचार मंथन

सम्पादकीय

आप के साथ नहीं बन रही बात

कांग्रेस पार्टी ने भी अब आम आदमी पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी है क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की बात नहीं बन रही है। लेकिन तालमेल नहीं होने का एकमात्र कारण यही नहीं है कि दोनों में सीट बंटवारा फाइनल नहीं हो पाया है। इसके अलावा एक कारण राजनीति है और दूसरा वैचारिक है। सबसे पहला कारण तो आम आदमी पार्टी की ज्यादा सीटों पर लडे और अलग अलग राज्यों में लड़ कर कांग्रेस की मदद से अपना आधार बड़ा करने की है। इसी योजना के तहत अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने गुजरात और असम में उम्मीदवार की घोषणा कर दी। उसके बाद खुद केजरीवाल ने पहले पंजाब में सभी 13 सीटों पर लडे का ऐलान किया और उसके बाद दिल्ली में भी सभी सात सीटों पर लडे का संकेत दिया। कहा जा रहा है कि जल्दी ही केजरीवाल की पार्टी हरियाणा और गोवा में भी उम्मीदवार घोषित करेगी। कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी की अलग अलग राज्य इकाइयों और नेशनल एलायंस कमेटी ने पार्टी नेतृत्व को केजरीवाल की रणनीति के बारे में आगाह किया। कांग्रेस उनसे तालमेल में अपना राजनीतिक नुकसान देख रही है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि जहां केजरीवाल मजबूत हैं वहां उनकी मदद के बावजूद कांग्रेस को बहुत फायदा नहीं होना है। लेकिन जहां केजरीवाल की पार्टी का वजूद नहीं है वहां अगर कांग्रेस ने उनके लिए सीटें छोड़ीं तो वहां आम आदमी पार्टी का आधार मजबूत होगा। मिसाल के तौर पर असम में या हरियाणा में कांग्रेस तालमेल करके लड़ेगी तो बेशक आप को दो-तीन सीट ही मिले लडे के लिए लेकिन इन दोनों राज्यों में उसका आधार मजबूत होगा। ध्यान रहे केजरीवाल हरियाणा के रहने वाले हैं लेकिन तमाम प्रयास के बावजूद पिछले 12 साल में वे अपने गृह राज्य में पैर रखने तक की जगह नहीं बना पाए हैं। तभी वे कांग्रेस की मदद से जमने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस के जानकार नेताओं का कहना है कि अगर केजरीवाल दिल्ली में कांग्रेस के लिए सीट छोड़ते हैं तभी कांग्रेस को कोई फायदा होगा। इसके अलावा किसी भी राज्य में दोनों के साथ मिल कर लडे का फायदा सिर्फ और सिर्फ केजरीवाल को होगा। कांग्रेस के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि दिल्ली में जब कांग्रेस मजबूत थी तब उसने केजरीवाल को समर्थन दिया था, जिसके बाद कांग्रेस का वोट उनके साथ चला गया और कांग्रेस जीरो पर गई। अब केजरीवाल मजबूत हैं और अगर उनके समर्थन से कांग्रेस लड़ती है तो वह अपना कुछ खोया हुआ वोट वापस हासिल कर सकती है। राजनीतिक पहलू के अलावा एक वैचारिक पहलू भी है, जिसे लेकर कांग्रेस के नेता आशंकित भी हैं और अपने लिए संभावना भी देख रहे हैं। गौरतलब है कि केजरीवाल की पार्टी ने राममंदिर कार्यक्रम के दिन यानी 22 जनवरी को पूरी दिल्ली में सुंदरकांड का पाठ कराया था और अब हर महीने के पहले मंगलवार को इसके आयोजन का ऐलान किया है। इस बीच केजरीवाल पूरे परिवार के साथ अयोध्या दर्शन के लिए भी गए हैं। वे साथ में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी ले गए हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि भाजपा जैसी ही राजनीति करने से मुस्लिम मतदाता केजरीवाल का साथ छोड़ सकते हैं और फिर कांग्रेस की ओर वापस लौट सकते हैं। इसलिए भी कांग्रेस के नेता अलग लडे की संभावना पर विचार कर रहे हैं।

चंदे के धंधे पर लगी सुप्रीम रोक

सुप्रीम कोर्ट ने आज एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं। अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजो की बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकताओं में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), कांग्रेस नेता दया ठाकुर और माकपा शामिल है। याचिकाकताओं ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। इस योजना को उसी समय चुनौती दी गई थी। लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वह 30 मई 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बांड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि कोर्ट ने उस समय इस योजना पर रोक नहीं लगाई थी। बाद में दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। इस पर चुनाव आयोग ने भी अपनी नकारात्मक राय दी थी। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29(बी)का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को लोकसभा को बताया था कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से 30 किश्तों में 16, 518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गए हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि भारतीय स्टेट बैंक से खरीदे गए चुनावी बांड (चरण 01 से चरण 30) का कुल मूल्य लगभग 16, 518 करोड़ रुपये है। चौधरी ने कहा था कि केंद्र ने पहले 25 चरणों के लिए चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए एसबीआई को 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। इसके अलावा इसने अब तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) को 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। चौधरी ने बताया था कि केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को चुनावी बॉन्ड योजना को अधिसूचित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्वच्छ कर भुगतान किया गया पैसा उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग की प्रणाली में आये। हालांकि दानदाताओं के नाम गुमनाम रहे और सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रहे। ये बांड विशेष रूप से राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिए जारी किए गए थे और इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में ही खरीदा जा सकता था। इलेक्टोरल बॉन्ड से उसी पार्टी को चंदा लेने का अधिकार था जो जनप्रतिनिधित्व कानून-1951 रिपर्जेंटेशन आफ द पिपुल्स एक्ट की धारा 29 के तहत रजिस्टर्ड हो। जिसे लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 1 प्रतिशत वोट मिला हो। भारत में चुनाव आयोग के समक्ष करीबन 1900 पार्टियाँ पंजीकृत हैं। इनमें सैकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है। देश के पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13 ए के तहत आयकर से छूट मिलती है। उनके लिये दान या चंदा लेने की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। उनको सिर्फ उस लेन-देन का ब्योरा चुनाव आयोग के समक्ष पेश करना होता है जो 20 हजार या उससे ज्यादा हो। इससे कम की रकम का कोई हिसाब उसे नहीं देना होता है। इसी का लाभ उठाकर तमाम राजनीतिक दलों पर कालेधन को सफेद करने और चुनावों में बेहिसाब कालाधन खर्च करने के आरोप लगते रहे हैं। यहीं कारण है कि सैकड़ों दल चुनाव नहीं लड़ते लेकिन राजनैतिक दल के तौर पंजीकृत हैं।

अबू धाबी में आईआईटी, दिल्लीः भारतीय सीमाओं के पार उत्कृष्टता

इस कार्यक्रम में अधिकांश छात्र अबू धाबी की प्रमुख तेल और गैस कंपनी एडीएनओसी द्वारा प्रायोजित हैं, जो खुद को नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा रूपांतरण की ओर फिर से उन्मुख करने की इच्छुोक है। शिक्षा जगत के साथ उद्योग का यह इंटरफेस इस नवोदित संस्थान के भविष्य के लिए शुभ संकेत है। आईआईटी दिल्ली अबू धाबी की कक्षाओं में कदम रखने वाले छात्रों का पहला बनाए रखना सुनिश्चित करने का तंत्र माना जाएगा। मानकीकृत परीक्षणों, शैक्षणिक प्रगति, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के माध्यम से छात्र प्रवेश गुणवत्ता की बेंचमार्किंग ऐसे स्नातक तैयार करने की दिशा में संस्थागत प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जो केवल उत्कृष्टता की अपेक्षाओं को ही पूरा न करते हों,बल्कि उससे कहीं बेहतर हों । बदलती हुई दुनिया में नई साझेदारियां संयुक्त अरब अमीरात की जीवंत राजधानी अबू धाबी, इस नए परिसर के लिए सिर्फ एक स्थल से कहीं अधिक है।

धर्मेन्द्र प्रधान
लेखक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की हाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंध पहले से ही व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक प्रगाढ़ हो चुके हैं। रणनीतिक भागीदारी की पुष्टि करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अबू धाबी में आईआईटी, दिल्ली के एक परिसर की परिकल्पना की थी- इस निर्णय का रिकॉर्ड समय में साकार होना, दोनों देशों के नेतृत्व की साझा दृष्टि और प्राथमिकताओं का प्रमाण देता है। नए भारत के नवाचार और विशेषज्ञता के एक उदाहरण के रूप में, संयुक्त अरब अमीरात में आईआईटी, दिल्ली का परिसर शिक्षा-क्षेत्र में भारत-यूएई मित्रता की नयी मिसाल के रूप में कार्य करने के लिए तैयार है। यह संस्थान शैक्षिक उत्कृष्टता, नवाचार, ज्ञान आदान-प्रदान और मानव पूंजी में निवेश आदि के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में दोनों देशों के साझे दृष्टिकोण को दशार्ता है। निस्संदेह, यह आपसी समृद्धि और वैश्विक कल्याण, दोनों ही दृष्टि से ज्ञान की शक्ति का लाभ उठाने के लिए एक नया उदाहरण पेश करेगा। समग्र परिवर्तन आईआईटी दिल्ली का अंतर्राष्ट्रीय परिसर नई शिक्षा नीति में परिकल्पित शैक्षणिक संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के विकसित होते प्रतिमान को दशार्ता है। राधाकृष्णन समिति की रणनीतिक सिफारिशें, जो शुरू में आईआईटी के अंतर्राष्ट्रीय परिसरों की संकल्पना के लिए गठित की गई थीं, ने आईआईटी दिल्ली और आईआईटी मद्रास (जांजीबार में एक परिसर के साथ) जैसे संस्थानों के लिए एक व्यापक अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति की परिकल्पना की थीः केवल प्रतिष्ठा में ही नहीं, बल्कि उपस्थिति में भी वैश्विक। मित्र देशों के साथ भारत की भागीदारी की प्रमुख विशेषता है- द्विपक्षीय प्रतिबद्धता को अंतिम रूप देना तथा विश्वसनीय और समय पर किये जाने वाले कार्यों के माध्यम से इसे पूरा करना।

रिकॉर्ड समय में स्थापित किया गया आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी परिसर, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और अबू धाबी शिक्षा एवं ज्ञान विभाग (एडीईके) के आपसी प्रयासों के आकर्षक तालमेल को रेखांकित करता है। 2022 की शुरूआत में दोनों देशों के राजनेताओं के बीच एक समझौता हुआ था। 15 जुलाई, 2023 को एमओयू पर हस्ताक्षर होने से लेकर 29 जनवरी, 2024 को कैंपस के पूरा होने व छात्रों के पहले बैच की कक्षाएं शुरू होने तक, आईआईटी दिल्ली- अबू धाबी ने भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय सौहार्द का उदाहरण देते हुए बहुत ही कम समय में काफी लंबी दूरी तय की है। कई मायनों में, यह समग्र परिवर्तन का प्रतीक है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने नालंदा विश्वविद्यालय- ह्दुनिया का पहला आवासीय विश्वविद्यालय, जहां कई देशों के प्रसिद्ध विद्वान भारत आते थे और अध्ययन करते थेह्व- के साथ शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण में उत्कृष्टता हासिल की थी। आईआईटी आज अपनी उत्कृष्टता को सीमाओं के पार ले जा रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। शैक्षणिक उत्कृष्टता और वास्तविक जीवन में उपयुक्त ता आईआईटी दिल्ली के अबू धाबी परिसर का सबसे महत्वकपूर्ण अंग शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए उसकी प्रतिबद्धता है। संस्थान के पाठ्यक्रम को क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप कुशलतापूर्वक ढाला गया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में आईआईटी दिल्ली के अद्वितीय अनुभव का लाभ उठाते हुए अबू धाबी परिसर विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के साथ ही साथ, उसे वैविध्युपूर्ण बनाते हुए नवीन और क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रमों का केंद्र बनने की दिशा में प्रयासरत है। इसका आरंभिक शैक्षणिक कार्यक्रम, ऊर्जा रूपांतरण और स्थिरता में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी, संस्थान के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दशार्ता है। जलवायु और स्थिरता से जुड़ी अन्य चुनौतियों से निपटने में स्वच्छ ऊर्जा रूपांतरण की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को इस परिवर्तन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में अग्रणी रहने के लिए तैयार करना है। यह पाठ्यक्रम ट्रांजिशन प्रबंधन, नवाचार प्रक्रियाओं और ऊर्जा-स्थिरता अंतसंबंधों की समझ के साथ तकनीकी ज्ञान को एकीकृत करते हुए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण पर जोर देता है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त अरब अमीरात द्वारा वर्ष 2023 को स्थिरता वर्ष के रूप में मनाए जाने और दुबई में ऐतिहासिक सीओपी 28 सम्मेलन की मेजबानी करने के पश्चात हुआ है।

इस कार्यक्रम में अधिकांश छात्र अबू धाबी की प्रमुख तेल और गैस कंपनी एडीएनओसी द्वारा प्रायोजित हैं, जो खुद को नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा रूपांतरण की ओर फिर से उन्मुख करने की इच्छुोक है। शिक्षा जगत के साथ उद्योग का यह इंटरफेस इस नवोदित संस्थान के भविष्य के लिए शुभ संकेत है। आईआईटी दिल्ली अबू धाबी की कक्षाओं में कदम रखने वाले छात्रों का पहला बैच अत्याधुनिक ज्ञान प्राप्त करने वाला बन जाएगा। आईआईटी दिल्ली- अबू धाबी परिसर एआई, डेटा एनालिटिक्स, ऊर्जा और स्थिरता और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहा है। तेजी से उभरती वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में अनुसंधान के एजेंडे को मेजबान देश की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाएगा। गुणवत्ता आश्वासन और बेंचमार्किंगः गुणवत्ता आश्वासन, राधाकृष्णन समिति द्वारा रेखांकित एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता है, जो आईआईटी दिल्ली- अबू धाबी के लोकाचार में अंतर्निहित है। मान्यता, समय-समय पर पाठ्यक्रम की समीक्षा और संस्थागत मूल्यांकन को नियमित आधिकारिक प्रयोग नहीं माना जाएगा, बल्कि इसे शिक्षा की गुणवत्ता को उच्चतम वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाए रखना सुनिश्चित करने का तंत्र माना जाएगा। मानकीकृत परीक्षणों, शैक्षणिक प्रगति, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के माध्यम से छात्र प्रवेश गुणवत्ता की बेंचमार्किंग ऐसे स्नातक तैयार करने की दिशा में संस्थागत प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जो केवल उत्कृष्टता की अपेक्षाओं को ही पूरा न करते हों,बल्कि उससे कहीं बेहतर हों । बदलती हुई दुनिया में नई साझेदारियां संयुक्त अरब अमीरात की जीवंत राजधानी अबू धाबी, इस नए परिसर के लिए सिर्फ एक स्थल से कहीं अधिक है।

यह शिक्षा और नवाचार के इस साहसिक उद्यम में पूर्ण सहयोगी एवं भागीदार रही है। इस तरह का निर्बाध एवं उपयोगी संयुक्त प्रयास भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के उद्देश्यों एवं दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस परिसर में संस्कृतियों, विचारों और दृष्टिकोणों का अपेक्षित सम्मिलन हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उदाहरण के लिए, इस बात की परिकल्पना की गई है कि स्नातक पाठ्यक्रमों में भारतीय छात्रों को अमीराती छात्रों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के साथ-साथ शामिल किया जाएगा। इसी तरह, आईआईटी दिल्ली द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संकाय और कर्मचारियों की भर्ती किए जाने की भी उम्मीद है जो अबू धाबी परिसर में विश्वस्तरीय शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम को विकसित व कार्यान्वित करने हेतु दिल्ली परिसर के संकाय के साथ मिलकर काम करेंगे। आगे की राह अबू धाबी में आईआईटी दिल्ली का परिसर स्थापित करने की पीछे भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच की साझेदारी आकांक्षाओं और संभावनाओं से भरी है। यह निश्चित रूप से दो देशों और वहां के लोगों के बीच व्यापक साझेदारी का आधार बनेगा। यह दुनिया के कल्याण के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संयुक्त उद्यमों के लिए छात्रों और शोधकताओं को प्रशिक्षित करके दोनों देशों के परे जाकर नए आयाम जोड़ेगा। अब जबकि आईआईटी-दिल्ली वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने की दिशा में लगातार अग्रसर है, इसका लक्ष्य मानचित्र पर कोई एक स्थान नहीं, बल्कि साझा वैश्विक समृद्धि के लिए ज्ञान का एक साझा दृष्टिकोण विकसित करना है। अग्रणी भारतीय संस्थानों ने परिपक्वता हासिल कर ली है और अब वे भारत के वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन के अनुरूप ह्रविश्व मित्रह्व के रूप में भारत की छवि को मजबूत करने की दिशा में अपने वैश्विक प्रभाव को और गहरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

चुनावों के लिए सरकारी वित्तपोषण पर बहस फिर से शुरू करने का समय

जो वैध रूप से निर्वाचित सरकारों को हटाने और स्पष्ट दलबदल की मदद से अपने स्वयं के कठपुतली संगठनों की स्थापना में प्रकट हुई है ।कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार ऐसे ही भाजपा की विध्वंसक राजनीति के सबसे खराब व्यंग्यचित्र के रूप में सामने आते हैं ।ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यों की जांच करते हुए, 1998 की इंद्रजीत गुप्ता समिति की रिपोर्ट और 1999 की भारतीय विधि आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशें, दोनों चुनावों के लिए पूर्ण राज्य वित्त पोषण की वकालत करती हैं, जो इस बहस की दीर्घकालिक प्रकृति को रेखांकित करती हैं ।, न कि पूर्ण वित्तपोषण के। 1999 की विधि आयोग की रिपोर्ट मोटे तौर पर इंद्रजीत गुप्ता पैनल की रिपोर्ट से सहमत थी और इस बात पर जोर दिया गया था कि चुनावों के लिए कुल राज्य वित्त पोषण तब तक वांछनीय था जब तक राजनीतिक दलों को अन्य स्रोतों से धन लेने से प्रतिबंधित रखा गया हो ।आयोग इस आधार पर भी सहमत था कि उस समय की आर्थिक स्थितियों को देखते हुए केवल आंशिक राज्य वित्त पोषण ही संभव था ।लेकिन इसके अतिरिक्त, यह उचित नियामक ढांचे की सिफारिश करता है

के. रवीन्द्रन
लेखक

सत्ताधारी पार्टी को बेरोकटोक राजनीतिक फंडिंग की सुविधा देने के लिए आलोचना की गई और चुनावी बांड योजना तेजी से जांच के दायरे में आ गई है। भाजपा ने इस योजना से अधिकांश धन प्राप्त किया है, जबकि मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी सहित अन्य पार्टियों को कुल राशि का केवल दसवां हिस्सा ही मिला है। अनुपातहीन धन शक्ति ने सत्ताधारी पार्टी को विपक्षी शासित राज्यों के खिलाफ कुछ सबसे विचित्र अस्थिरता उत्पन्न करने की योजनाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। आपत्तिजनक चुनावी बांड योजना के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को बेरोकटोक राजनीतिक फंडिंग के कड़वे परिणामों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि देश में चुनावों के लिए राज्य फंडिंग की अवधारणा पर वापस जाने का समय आ गया है, अगर देश में लोकतंत्र को जीवित रखना है तो, विशेषकर इसलिए क्योंकि चुनावी बांड योजना के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में तोड़फोड़ हो रही है। ऐसा करने के लिए शायद यह सबसे उपयुक्तसमय है, क्योंकि भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक संवैधानिक पीठ चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर फैसला करने के लिए तैयार है। यह अलग बात है कि फैसले में देरी, जिसे अदालत ने पिछले साल नवंबर में सुरक्षित रख लिया था, ने निस्संदेह लोकतंत्र समर्थक कार्यकताओं और उत्साही लोगों को निराश किया है। फिर भी सर्वोच्च न्यायालय एक सार्थक हस्तक्षेप करके संशोधन कर सकता है और अधिक न्यायसंगत और निष्पक्ष व्यवस्था का सुझाव देकर चीजों को सही कर सकता है। ऐसा करने में, अदालत को वर्तमान याचिकाओं के दायरे से परे जाना पड़ सकता है, लेकिन इस तरह का दृष्टिकोण देश में लोकतंत्र को संरक्षित करने में काफी मदद करेगा, जो अन्यथा खतरे में है। सत्ताधारी पार्टी को बेरोकटोक राजनीतिक फंडिंग की सुविधा देने के लिए आलोचना की गई और चुनावी बांड योजना तेजी से जांच के दायरे में आ गई है। भाजपा ने इस योजना से अधिकांश धन प्राप्त किया है, जबकि मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी सहित अन्य पार्टियों को कुल राशि का केवल दसवां हिस्सा ही मिला है। अनुपातहीन धन शक्ति ने सत्ताधारी पार्टी को विपक्षी शासित राज्यों के खिलाफ कुछ सबसे विचित्र अस्थिरता उत्पन्न करने की योजनाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जो वैध रूप से निर्वाचित सरकारों को हटाने और स्पष्ट दलबदल की मदद से अपने स्वयं के कठपुतली संगठनों की स्थापना में प्रकट हुई है। कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार ऐसे ही भाजपा की विध्वंसक राजनीति के सबसे खराब व्यंग्यचित्र के रूप में सामने आते हैं। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यों की जांच करते हुए, 1998 की इंद्रजीत गुप्ता समिति की रिपोर्ट और 1999 की भारतीय विधि आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशें, दोनों चुनावों के लिए पूर्ण राज्य वित्त पोषण की वकालत करती हैं, जो इस बहस की दीर्घकालिक प्रकृति को रेखांकित करती हैं। इंद्रजीत गुप्ता समिति ने राज्य के वित्त पोषण की दो सीमाओं की सिफारिश कीः पहला, राज्य का धन केवल राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों को आवंटित किया जाना चाहिए, न कि स्वतंत्र उम्मीदवारों को। दूसरे, अल्पावधि में राज्य वित्त पोषण केवल मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों को कुछ सुविधाओं के रूप में दिया जाना चाहिए। समिति ने कहा कि रिपोर्ट की तैयारी के समय, देश की आर्थिक स्थिति चुनावों के लिए केवल आंशिक राज्य वित्त पोषण के अनुकूल थी, न कि पूर्ण वित्तपोषण के। 1999 की विधि आयोग की रिपोर्ट मोटे तौर पर इंद्रजीत गुप्ता पैनल की रिपोर्ट से सहमत थी और इस बात पर जोर दिया गया था कि चुनावों के लिए कुल राज्य वित्त पोषण तब तक वांछनीय था जब तक राजनीतिक दलों को अन्य स्रोतों से धन लेने से प्रतिबंधित रखा गया हो। आयोग इस आधार पर भी सहमत था कि उस समय की आर्थिक स्थितियों को देखते हुए केवल आंशिक राज्य वित्त पोषण ही संभव था। लेकिन इसके अतिरिक्त, यह उचित नियामक ढांचे की सिफारिश करता है जिसमें यह सुनिश्चित करने के प्रावधान शामिल हैं कि राजनीतिक दल आंतरिक लोकतंत्र का पालन करते हैं और आंतरिक संरचनाओं और खातों को व्यवस्थित रखते हैं, उनकी ऑडिटिंग करते हैं, और राज्य के वित्त पोषण की अनुमति से पहले चुनाव आयोग को प्रस्तुत करते हैं। उससे लगभग एक दशक पहले, दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग की ह्यशासन में नैतिकताह्व शीर्षक वाली एक रिपोर्ट में भी चुनाव खर्चों की ह्यनाजायज और अनावश्यक फंडिंगह्व को प्रतिबंधित करने के लिए चुनावों में आंशिक राज्य वित्त पोषण की सिफारिश की गई थी। लेकिन दुर्भाग्य से, संविधान के कामकाज की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय आयोग, 2001 ने चुनावों के लिए राज्य के वित्त पोषण का समर्थन नहीं किया, हालांकि यह 1999 के विधि आयोग की रिपोर्ट से सहमत था कि राज्य के वित्त पोषण से पहले राजनीतिक दलों के विनियमन के लिए उचित ढांचे को लागू करने की आवश्यकता होगी। कुल परिणाम यह है कि इन सिफारिशों के बावजूद, राज्य वित्त पोषण काफी हद तक अकादमिक ही रहा है। राज्य वित्त पोषण के समर्थक चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, समानता और भ्रष्टाचार में कमी लाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हैं। सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए अधिक समान अवसर प्रदान करके, राज्य वित्त पोषण मौजूदा प्रणाली से जुड़े पक्षपात के आरोपों से मुक्त, एक स्वस्थ लोकतांत्रिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दे सकता है। वर्तमान चुनावी बांड योजना को पारदर्शिता की कमी के कारण भी आलोचना का सामना करना पड़ा है, क्योंकि दानदाताओं की पहचान अज्ञात है। इस अपारदर्शिता ने राजनीतिक शासन प्रणाली के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंताएं पैदा कर दी हैं, जिससे पूरी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर सवाल खड़े हो गये हैं। भारत के लिए चुनावी वित्तपोषण के प्रति अपने दृष्टिकोण का पुनर्मूल्यांकन करने और एक ऐसी प्रणाली को अपनाने का समय आ गया है जो वास्तव में एक लोकतांत्रिक गणराज्य की भावना का प्रतीक है। संभवतः सर्वोच्च न्यायालय देश की चुनावी प्रणाली में इस तरह के महत्वपूर्ण बदलाव की शुरूआत करने की स्थिति में है।

चुनावी बांड की जानकारी सार्वजनिक होने पर खुलेंगे कई राज

सनत कुमार जैन

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यों की खंडपीठ ने चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुना दिया है। सरकार की चुनावी बांड योजना को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से गुमनाम चुनावी बांड योजना को संविधान के अनुच्छेद 19(1) ए के तहत असंवैधानिक मानते हुए निरस्त कर दिया है। काले धन पर पाबंदी लगाने के नाम पर लागू की गई, चुनावी बांड योजना पर टिप्पणी करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है। जनता के सूचना अधिकार को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए इलेक्ट्रोल बांड का कानून सूचना अधिकार का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वोटर को राजनीतिक पार्टियों की फंडिंग जानने का पूरा हक है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 से लेकर अभी तक की चुनावी बांड की जानकारी को सार्वजनिक पटल पर प्रदर्शित करने के आदेश दिए हैं। पिछले कई वर्षों से यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थी। भले देर से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, देर से फैसला आया। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुरूप नागरिकों के दो सबसे बड़े महत्वपूर्ण अधिकार को सुरक्षित रखने का काम किया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना का संवैधानिक अधिकार संविधान में शामिल है। सरकार द्वारा 2018 में जो चुनावी बांड योजना लाई गई थी। वह योजना इस तरह से बनाई गई थी। जिसमें सरकार का पूरी तरह से नियंत्रण हो। पिछले 5 सालों में सबसे ज्यादा चुनावी चंदा इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त हुआ है। विपक्षी दल को इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से किसने चंदा दिया है। इसका पता सरकार को लग जाता है। सरकार में बैठे राजनीतिक दल को किसने चंदा दिया है। यह किसी को पता नहीं लग पाता था। चुनावी बाँड का सबसे ज्यादा फायदा भारतीय जनता पार्टी को हुआ है। बहुत सोच समझकर यह योजना केंद्र सरकार द्वारा अपने लिए लाई गई थी। पारदर्शिता के नाम पर योजना को अपारदर्शी बनाया गया। केंद्र सरकार को बांड के माध्यम से सबसे ज्यादा चंदा मिला। इसके साथ विपक्षी दलों को नियंत्रित करने के लिए चुनावी बांड का एक ऐसा अस्त्र मिल गया था। जिसके कारण विपक्षी दल पाई-पाई के लिए मोहताज हो गए। भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला करने की शक्ति किसी भी विपक्षी दल में नहीं रह गई थी। कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के पास भी भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए आर्थिक संसाधन नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, काले धन को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने जो कानून बनाए हैं। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के माध्यम से हर खाता तक सरकार और जांच एजेंसियों की पहुंच है। आयकर विभाग, सीबीआई तथा केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय किसी भी लेनदेन की जांच, किसी भी समय कर पाती है। हर खाते का एक्सेस रिजर्व बैंक और जांच एजेंसियों के पास है। चुनावी बांड के जरिए काले धन पर रोक नहीं लग सकती है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है, कि सरकार नागरिकों के निजी अधिकारों के साथ छेड़छाड़ कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है।

संक्षिप्त खबरें

दस लीटर देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बनियापुर (सारण)सहाजितपुर थाना क्षेत्र के पिपरा बिंद टोली गाव मे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक धंधेबाज के घर से छापामारी कर दस लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया है। मामले सअनि नतीन कुमार के ब्यान पर दर्ज प्राथमिकी मे बताया गया है कि वाहन चेकिंग और शराब के अड्डो की पहचान करने निकले थे,जहा सूचना मिली की पिपरा बिंद टोली गाव मे जाँच की गयी ,जहा पहुंचने पर एक व्यक्ति गैलेन लेकर भागने लगा जिसे पुलिस बल के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया गया,नाम पता पूछने पर अपना नाम हरेंद्र रावत बताया, तलाशी मे उसके पास से दस लीटर देशी शराब बरामद किया गया।तत्पश्चात गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

सड़क हादसे में जख्मी युवक की इलाज के दौरान मौत

भेल्दी(सारण)।स्थानीय थाने के सरायबक्स पुल के समीप बीते मंगलवार को मूर्ति लेने जा रहे एक युवक को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में इलाज के लिए गड़खा सीएचसी ले जाया गया वहां से नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे पीएमसीएच छपरा रेफर कर दिया गया। पटना इलाज के दौरान गुरुवार की देर रात उसकी मौत हो गई।मृतक भेल्दी थाना क्षेत्र के कटसा गांव निवासी लगन राय के पुत्र राहुल कुमार (15) है।जिसका शव शुक्रवार को जैसे ही उसके घर पहुंच की परिजनों में कोहराम मच गया। पिता लगन राय मां देवांति देवी बहन पूनम देवी का रो-रो कर बुरा हाल था।राहुल की मौत से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।राहुल ही घर का एक मात्र कमाऊ सदस्य था।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न

छपरा कार्यालय।सरस्वती पूजनोत्सव के शुभ अवसर पर आदर्श विद्या मंदिर छत्रधारी बाजार, छपरा में खेल कूद प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता थे। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अजीत कुमार, प्राचार्या प्रीती वर्मा, संरक्षक श्री कमल किशोर सहाय तथा श्रीमती सुषमा सहाय, विद्यालय के शिक्षक रितु रानी, सुधा कुमारी, अमृता कुमारी, अंजु कुमारी, पायल कुमारी, विशाल कुमार, अपूर्वा, अर्पिता और गोविंद कुमार उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को मनमोहक बनाने में विद्यालय के छात्र/ छात्रा आर्यन, श्रुति रीतिका, सूरज, युवराज, विष्णु, मोहिनी, रिभम का भरपूर योगदान रहा।

सरस्वती पूजा कमेटी के सदस्यों को किया गया सम्मानित

इसुआपुर।सरस्वती पूजा के अवसर पर जनसूराज पार्टी के मढ़ौरा अनुमंडल युवा अध्यक्ष इंजीनियर कुमार शिवम उर्फ बबुआ जी ने प्रखंड में घूम-घूम कर पूजा कमेटी के सदस्यों को सम्मानित किया। पूजा कमेटी के सदस्यों को डायरी, कलम व खेल सामग्री देकर सम्मानित किया। वहीं स्कूली बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर जनसूराज के मीडिया प्रभारी डॉक्टर ऋषि कुमार, महादेव साह,दिलीप चौरसिया, रवि कुमार, राजा कुमार, रविंद्र कुमार, अमर कुमार, विकास कुमार व अन्य थे।

पागल कुत्ते ने पांच लोगों को काटा, एक रेफर

इसुआपुर।थाना क्षेत्र के निपनिया गांव में गुरुवार की संध्या पागल कुत्ते ने पांच लोगों को काट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया।घायलों में वीरेंद्र राय के चार वर्षीय पुत्र रोहन कुमार, वीरेंद्र दास,करिश्मा कुमारी, कविता देवी एवं सुखल महतो के चार वर्षीय पुत्र आशीष कुमार शामिल हैं।घायलों का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इसुआपुर में चल रहा है।वहीं गंभीर रूप से जख्मी वीरेंद्र दास को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया है।

परीक्षा नियंत्रक से मिला युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल

छपरा कार्यालय।शुक्रवार को सामाजिक संगठन युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल संगठन के पदाधिकारी अमित नयन के नेतृत्व में जय प्रकाश विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रण प्रोफेसर दिलीप कुमार से मिला। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के छात्र समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। एक मांग पत्र सौंपा जिसमें स्नातक पार्ट 2018-21 के अंक पत्र उपलब्ध कराने। पार्ट वन के परीक्षा को लेकर जेपीयू परीक्षा नियंत्रक से वार्ता की। जयप्रकाश विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ दिलीप कुमार ने कहा कि छात्र समस्याओं का समाधान योजना बहुत तरीके से विश्वविद्यालय कर रहा है। छात्र हित में हर संभव प्रयास करेंगे।

लोक शिकायत के 07 मामलों की सुनवाई करते हुए निवारण हेतु दिया गया निदेश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर के द्वारा आज कार्यालय कक्ष से बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की गई तथा निवारण हेतु संबंधित लोक प्राधिकार को आवश्यक निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी के द्वारा आज लोक शिकायत के कुल 07 मामलों की सुनवाई की गई जिसमें सभी मामलों में अपूर्ण प्रतिवेदन रहने के कारण पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली तिथि पर लोक प्राधिकार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी अमन समीर ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

रैयतो को अपनी जमीन आधार और मोबाइल से लिंक करना है जरूरी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर : बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के द्वारा फरमान जारी किया गया है कि सभी रैयतों को अपनी जमीन का लिंक आधार कार्ड एवं मोबाइल से करना जरूरी है । इस बात की जानकारी देते हुए राजस्व कर्मचारी कुंदन कुमार ने बताया कि सभी रैयत अपना-अपना आधार और मोबाईल नम्बर अपने जमाबंदी से लिंक करवा लें ताकि सरकारी लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि जमाबंदी से आधार लिंक हेतु अपने क्षेत्र के हल्का कर्मचारी के पास लगान रसीद का छायापति,जमाबंदी रैयत के आधार कार्ड,जमाबंदी रैयत का मोबाईल नम्बर ले कर संपर्क करके लिंक करा ले। आधार सिंडिंग के फायदे के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे अवैध खरीद-बिक्री पर रोक की सूचना जमाबंदी रैयत को प्राप्त होगी ,अवैध दाखील-खारीज पर रोक की सूचना जमाबंदी रैयत को प्राप्त होगी, बिक्री करने में जमाबंदी रैयत को सहूलियत होगी तथा सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहूलियत होगी और अंचल कार्यालय में यदि जमाबंदी पंजी में किसी प्रकार का सुधार या संशोधन किया जाता है, तो इसकी सूचना जमाबंदी रैयत को प्राप्त होगी,भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र का त्वरित निर्गत किया जा सकता है ।

उधर कर्मचारी संघ (गोप गुट)के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण मिस्त्री ने जानकारी दी कि इससे अवैध स्वामित्व प्रमाण पत्र पर निर्गत होने पर रोक लगेगी , जमाबंदी रैयत के बच्चे या पोतों के आय, जाति, निवास, इ डब्लू एस, एन सी एल, ओ बी सी निर्गत किये जाने में आसानी होगी ।

बीएचयू में पढ़ने का सपना नहीं हुआ पुरा अब वहीं गीता पर प्रवचन करने का आमंत्रण पाकर गौरवान्वित हैं आचार्य सत्यदेव

रसूलपुर।कभी बीएचयू में अध्ययन करने का सपना संजोया था जो पुरा नहीं।पर आज वहां गीता पर प्रवचन करने का मौका मिला है।यह कहानी है एकमा प्रखंड के रसूलपुर थाना क्षेत्र की चनचौरा पंचायत के बनपुरा गांव निवासी पूर्व संयुक्त रक्षा निदेशक प्रो सत्यदेव राय पराशर का।उनका गीता समिति द्वारा गीता पर व्याख्यान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मालवीय भवन में 18 फरवरी रविवार को होगा।सोशल मीडिया के माध्यम से वेद,पुराण आदि धार्मिक ग्रंथों पर संगीतमय प्रवचन कर हिन्दु जागृति का प्रचार प्रसार करने वाले प्रो सत्यदेव के बीएचयू द्वारा गीता पर व्याख्यान का आमंत्रण मिलने पर स्थानीय पूर्व विधायक मनोरंजन सिंह धूमल,राष्ट्रीय एथलीट विकास सिंह आदि सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने बधाई देते हुए क्षेत्र के लिए गौरव की बात कही है।

भगवान का नाम जीवन को धन्य कर देती है : मीरा देवी

प्रात: किरण संवाददाता

गड़खा(सारण) ।कथा जीवन के व्यथा को दूर कर देती है।कथा लोगों को जागृत करने का एक माध्यम है। उक्त बातें सुपौल की भागवत मर्मज्ञ मीरा देवी ने गड़खा बाजार स्थित हनुमान नगर में आयोजित 30 वें वार्षिक सत्संग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं।उन्होंने कहा कि भगवान का नाम जीवन को धन्य कर देती है।यह शरीर साधन है भगवान को पाने के लिए।उन्होंने कहा कि भगवान राम से वैर करके आप जीवन में नहीं रह सकते।राम नाम का कोई माप नहीं है।मानस मर्मज्ञ शिवबच्चन जी महाराज ने कहा कि जब गुरू की कृपा होगी तो हृदय के नेत्र खुल जाएंगें।कथा के रहस्य को आज समझने की जरूरत है।रामचरित मानस आपसी सौहार्द फैलाने वाला ग्रंथ है।विद्याभूषण जी महाराज उर्फ कवि जी ने कहा कि जो भगवान के नाम से जुड़ जाता है वह दुनिया के सभी सुखों का भोग कर लेता है।रामनाम की ऐसी महिमा होती है कि विष भी अमृत बन जाते हैं। सत्संग सम्मेलन में रामायणी मीरा सिन्हा व भजन-कीर्तन सम्राट रामप्रवेश ने अपने कार्यक्रम को प्रस्तुत कर श्रद्धालु श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।मंच संचालन पत्रकार राजेश उपाध्याय ने किया।रात्रि में कानपुर के भागवती जागरण ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

भाकपा कार्यकर्ताओं ने किया पुतला दहन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकराओ ने किसान मजदूर के हड़ताल के समर्थन में पार्टी के राज्य नेता सुरेन्द्र सौरभ एवम जिला सचिव रामबाबू सिंह के नेतृत्व में जुलूस निकाला एवम शहर के अनेको चौक चौराहों से होते हुए सरकार विरोधी नारा लगाते हुए नगरपालिका चौक पर प्रधान मंत्री मोदी का पुतला दहन किया । मौके पर सुरेश वर्मा एवम हरी बल्लभ सिंह के अध्यक्षता में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि भारत सरकार एमएसपी को कानूनी दर्जा अविलंब प्रदान करें किसानों एवं अन्य गरीबों के कर्जे को माफ करें चार लेबर कोट को वापस ले महंगाई बेरोजगारी को लगाम लगाए अन्यथा आंदोलन और तेज किया जाएगा आयोजन में मोहन राय, सुरेन्द् राम, भरथ राय, जवाहिर मिश्रा, दिलीप वर्मा, नागेन्द्र राय , सुरेन्द्रनाथ त्रिपथी मुख्य रूप से शामिल थे।

प्रधानमंत्री के महत्वकांक्षी योजना को जन-जन तक पहुंचा रहे है सांसद रूडी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। छपरा नगर निगम में सेवा वाहन के माध्यम से आमजन तक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना,गैस पाइप लाइन का लाभ पहुंचा रहे है। सांसद राजीव प्रताप रूडी योजना के तहत सांसद रुडी के सांसद निधि से जनता की सेवा में समर्पित सेवा वाहन के माध्यम से आज लगातार कैम्प छपरा नगर में पहला कैम्प भगवान बाजार स्नेही भवन में छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता के नेतृत्व में कैम्प लगाया गया एवं दूसरा कैम्प पुरानी गुरथी में भाजपा जिला अध्यक्ष रणजीत कु सिंह के नेतृत्व में रोड कैम्प के पास लगाया गया। पहला कैम्प का उदघाटन छपरा के भाजपा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ,आर एस एस के वरिष्ठ कार्यकर्ता, ए के मिश्रा, नगर भाजपा अध्यक्ष राजेश फैशन, पुरुषोतम मिश्रा, विजय सिंह एवं भाजपा मुख्य प्रवक्ता धर्मेंद्र सिंह चौहान द्वारा किया गया उदघाटन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छपरा के भाजपा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि देश के गरीवों के सबसे महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड है । इस योजना से कोई भी गरीव पैसा के अभाव में नही मर सकता है, जब गरीब को गंभीर बीमारी हो जाता है तो उसके परिजन पर क्या गुजरता है कहना मुश्किल है इस योजना को सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी लगातार अपने सेवा वाहन एवं सिस्टर को गांव -गांव , शहर के कोने -"कोने तक जाकर कार्ड बनवाना इससे बड़ा कोई जनहित के दूसरा कोई काम नही हो सकता है। हम सांसद रूडी जी बधाई देते है इस जिले के विकाश के प्रति हमेशा चिंतित रहते है किस तरह सारण का सवार्गीण विकाश हो। वही आर एस एस के बिभाग संचालक ए के मिश्रा ने कहा कि सांसद रूडी जी के प्रयास से पूरे जिले में कई बड़ी योजना का कार्य अब दिखने को मिल रहा है। छपरा नगर अध्यक्ष अध्यक्ष राजेश फैशन ने विकास विश्वकर्मा योजना पर विस्तार से चर्चा किया सांसद रूडी जी द्वारा बिजली,सड़क आज अच्छा दिखाई दे रहा है वह सारा योगदान सांसद को जाता है।इस अवसर पर वार्ड पार्षद हेमन्त कुमार, भाजपा कार्यकर्ता चंदन सोनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनुरंजन कुमार,मुन्ना साह रामनाथ प्रसाद , वार्ड पार्षद पप्पू चौहान, मुन्ना खा चंदन सोनी के सहयोग से कैम्प को सफल बनाया गया। दूसरे कैम्प का उदघाटन भाजपा के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ,वार्ड पार्षद संजय प्रसाद ,शम्भू बैठा, डॉ सन्तोष कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व नगर अध्यक्ष सुशील सिंह द्वारा किया गया। जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी द्वारा यह जो आयुषमान कार्ड,विश्वकर्मा योजना का कैम्प लगाकर लोगो को रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है इसकी जितना प्रशंसा किया जाय कम है।जिला प्रचार -प्रसार के संयोजक नन्दन जायसवाल ने कहा कि सांसद रूडी के माध्यम से जन स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सेवा में लगे रहते है। दोनों कैम्प में 219 आयुषमान कार्ड का पंजीयन, 208 विश्वकर्मा योजना का रजिस्ट्रेशन एवं 302 लोगो का गैस पाइप लाइन का रजिस्ट्रेशन किया गया।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में अभियान चलाकर दी जा रही है फाइलेरिया रोधी दवाओं की जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिले को फाइलेरिया से मुक्त बनाने में स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस क्रम में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ सहयोगी संस्थान भी एकजुट होकर लोगों को जागरूक करने में जुटी हुई है। पीसीआई के सहयोग से जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक बैठक आयोजित कर जीविका से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी और स्वयं सहायता समूह से जुड़ी जीविका दीदियों को फाइलेरिया, उसके दुष्प्रभाव और उन्मूलन में आईडीए की महत्ता की जानकारी दी जा रही है। साथ ही जीविका दीदियों के माध्यम से सुबह में प्रभात फेरी, दिन में रैली और बैठक का आयोजन कर स्थानीय स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जिससे सर्वजन दवा सेवन (आईडीए) राउंड को सफल बनाते हुए ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराए जाने के साथ ही जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सकता है। जिसमें जीविका दीदी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

लंबाई के अनुसार दी जा रही आइवरमेक्टिन की दवा: जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि आईडीए राउंड के दौरान जिले में तीन प्रकार की दवाओं के रूप में अल्बेंडाजोल, डीईसी के अलावा एक और दवा आइवरमेक्टिन का सेवन कराया जा रहा है। अल्बेंडाजोल और डीईसी दवा का सेवन जहां उम्र के अनुसार कराया जाता है। वहीं, आइवरमेक्टिन की दवा लंबाई के अनुसार खिलाई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं, एक सप्ताह के अंदर मां बनने वाली महिलाओं सहित किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को किसी प्रकार की फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन नहीं कराना है। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग और पीसीआई इंडिया के अलावा कई अन्य सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी व कर्मियों का काफी सहयोग मिल रहा हैं।

जिले के 11 प्रखंडों में चलाया जा रहा जागरूकता अभियान : जीविका के डीपीएम अरूण कुमार ने बताया कि जिले में कुल 32 हजार 524 स्वयं सहयता समूह है। जिनमें लगभग 3 लाख 57 हजार 764 जीविका दीदियां जुड़ी हुई हैं। विभागीय निर्देश के अनुसार जिले के 11 प्रखंडों में वृहद् पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, शेष बचे प्रखंडों में भी जीविका से जुड़ी दीदियां सर्वजन दवा सेवन (आईडीए) अभियान को सफल बनाने में अनवरत रूप से ग्रामीण महिलाओं के साथ सामूहिक रूप से बैठक आयोजित कर लोगो को जागरूक किया जा रहा है। हालांकि पिछले बार की तरह इस बार भी जीविका दीदियां स्वयं दवाओं का सेवन करते हुए अपने परिवार के सदस्यों को भी फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करा रही है। जिस कारण जिले की आधी आबादी सहित अधिक से अधिक लोगों को दवाओं का सेवन कराने का लक्ष्य रखा गया है। ताकि फाइलेरिया जैसी बीमारी से छुटकारा मिल जाए। पीसीआई के डीएमसी सैरिश बनर्जी ने बताया कि पीसीआई विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आईडीए राउंड को सफल बनाने के लिए कार्य कर रही है। जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों के माध्यम से शहरी क्षेत्र के साथ साथ मांझी, दाउदपुर, जलालपुर, परसा, बनियापुर, लहलादपुर, मकेर, अनौर, दिघवारा और पानापुर में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जीविका दीदियों के स्थानीय होने के कारण लोग उनपर भरोसा करते हैं। जीविका दीदियों ने पोषण के साथ साथ कई मुद्दों पर लोगों को सुविधाएं मुहैया कराई है। जिससे जीविका दीदियों के माध्यम लोगों को जागरूक करना काफी आसान हो जाता है। वहीं, कई स्थानों पर पहले जीविका दीदियां दवाओं का सेवन करती है और लोगों को भरोसा दिलाती हैं कि ये फाइलेरिया रोधी दवाएं पूरी तरह से सुरक्षित है।

विकसित भारत के लिए पर्यावरण समावेशी जीवन शैली अतिआवश्यक प्रोफेसर गजेंद्र कुमार

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय इकाई, इतिहास विभाग, जयप्रकाश विश्वविद्यालय एवं आईक्यूएसी जयप्रकाश विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषयक युवा मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जयप्रकाश विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रोफेसर गजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए पर्यावरण समावेशी जीवन शैली अति महत्वपूर्ण होगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संकाय प्रमुख विज्ञान संकाय प्रोफेसर अशोक कुमार ने कहा कि विकसित भारत बनाना हमारा संकल्प होना चाहिए विकल्प नहीं । विश्व स्तर पर भारत को स्थापित करने के लिए भारत को विकसित बनाना अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रितेश्वर नाथ तिवारी ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान संकाय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अभय कुमार सिंह ने किया। मानविकी संकाय के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर दिव्यांशु कुमार ने भारत को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए युवाओं का आह्वान किया। महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शची मिश्रा ने विकसित भारत बनाने में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। यदि भारत को विकसित बनाना है तो महिलाओं की भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना होगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सुधीर कुमार सिंह, डॉक्टर राजेश कुमार नायक ने भारत को विकसित बनाने में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखें ।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के अर्चना कुमारी वर्मा, अनुषा कुमारी, बिट्टू कुमार सिंह, रजनीकांत सिंह, हिमांशु कुमार, कुणाल कुमार सिंह, कुणाल कुमार, आरती कुमारी, कविता कुमारी, शुभलक्ष्मी कारण, प्रभाकर कुमार, अंश कुमार,मनकेशर पंडित सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया ।

विवि के भौतिकी विभाग में विकसित भारत को ले आयोजित हुआ सेमिनार

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। शुक्रवार को स्नात्तकोत्तर भौतिकी विभाग जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में एक सेमिनार रखा गया विकसित भारत उत्सव के अंतर्गत विकसित भारत@2047 विषय पर सेमीनार रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफेसर महेंद्र सिंह ने की । उन्होंने कहा कि भारत सरकार का यह विजन है, जिसका उद्देश्य 2047 तक, अपनी आजादी के 100वें वर्ष तक, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह दृष्टिकोण आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है।

चूँकि भारत इस महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, अपने विकास पथ पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है, वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए मिशन मोड में बहुत बड़ा काम करने की जरूरत है।

ऐसा करने के लिए एक महत्वाकांक्षी और परिवर्तनकारी एजेंडा तैयार करने और सभी लोगो तक इसके संचार की आवश्यकता है। युवाओं की भूमिका, जो हमारे सबसे बड़े जनसंख्या समूह का गठन करते हैं, क्योंकि वे 2047 तक भारत को विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। इसलिए, युवाओं को आमंत्रित करके उनके विचारों को राष्ट्र निर्माण में शामिल करना महत्वपूर्ण है। 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण पर विचार करें और उसमें योगदान दें। प्रत्येक युवा, खासकर कॉलेजों/संस्थानों और विश्वविद्यालयों के युवा इस महत्वपूर्ण राष्ट्र निर्माण अभ्यास में भाग लें। और इस कार्यक्रम की आउटरीच पहल देश के प्रत्येक युवा तक पहुंचे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रोफेसर अच्युतानंद सिंह,प्रोफेसर गुण सागर यादव, इतिहास विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो सुधीर कुमार सिंह, शोधार्थी मनीष पांडे मिंटू, आशीष कुमार, परमेन्द्र कुमार सिंह, परमजीत कुमार,चंदन कुमार, विष्णु कुमार, विवेक कुमार विजय, अमरेश कुमार, आशीष कांत मुरारी, सुधा श्रेयांशी, रूपा कुमारी, अमीषा कुमारी आदि ने संबोधित किया ।मौके पर पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर श्रीकमल जी भी उपस्थित थे।

नगरा प्रखंड मुख्यालय में सार्वजनिक शौचालय बना हुआ बेकार, लोग करते है खुले में शौच

प्रात: किरण संवाददाता

नगरा।प्रखंड क्षेत्र में स्वच्छ मिशन के तहत अभियान चलाकर स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए हर घर गरीबों को शौचालय बनाने के लिए राशि देकर शौचालय बनवाकर इस अभियान को सफल बनाया गया है,लेकिन दूसरी तरफ नगरा प्रखंड मुख्यालय प्रशासन स्वच्छता को लेकर बेपरवाह बनते हुए नजर आ रहा है।जिसके वजह से कि नगरा प्रखंड मुख्यालय स्थित बना सार्वजनिक शौचालय भी बेकार पड़ने के साथ ही स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ाता हुआ नजर आ रहा है।उक्त शौचालय पूरी तरह से टूटझफूट जाने के साथ ही शौचालय में पूरे गंदगी का अंबार लगा हुआ है।शौचालय का मुख्य गेट टूटा है,अंदर गंदगी का अंबार लगा है ,परिसर में पूरा जंगल से पट गया है।सार्वजनिक शौचालय उपयोग में नहीं होने के वजह से प्रखंड में कार्य के लिए आए लोग इधर उधर शौच करने के लिए मजबूर है लेकिन इसे लेकर जिम्मेदार प्रखंड प्रशासन की कोई चिंता तक नहीं है।वहीं प्रखंड में कार्य के लिए आए लोगो ने कहा की स्वच्छता के प्रति जब प्रखंड अधिकारी ही गंभीर नहीं हैं।तो आम लोगों से क्या अपेक्षा कर सकते हैं।पूरे प्रखंड और अंचल कार्यालय के इर्द-गिर्द गंदगी का अंबार लगा हुआ है।इससे देख कर पता चलता है की पदाधिकारी इस ओर गंभीर नहीं है।कार्यालय में विभिन्न गांव से पहुंचे अपने अपने कार्य को लेकर लोगो खुले में शौच करते हैं।क्योंकि कार्यालय स्थित बना सार्वजनिक शौचालय बेकार अवस्था में है। वहीं यहां बताते चले की पूर्व सीओ द्वारा परिसर में ही चार वाहन को जब्त कर लगाया गया है जिससे और स्थिति दयनीय है।

क्या कहते है बीडीओ: शीघ्र ही अभियान चलाकर प्रखंड कार्यालय की साफ-सफाई कराई जाएगी इसके साथ ही टूटे हुए सार्वजनिक शौचालय की मरम्मत कराकर इसे चालू करवा दिया जायेगा।इसके बाद नियमित साफ सफाई की व्यवस्था की जाएगी।

हनुमान जी की उपासना से जीवन मंगलमय होता है : शिव बच्चन जी महाराज

प्रात: किरण संवाददाता

गरखा। प्रखंड शहर के हनुमान मंदिर परिसर में चल ह्नुमज्जयंती ज्ञान यज्ञ के 30वे अधिवेशन के आध्यात्मिक मंच से प्रवचन करते हुए आमी अंबिका स्थान के प्रख्यात वयोवृद्ध मानस प्रवचन मानस मर्मज्ञ शिव बच्चन जी महाराज ने कहा की हनुमानजी की उपासना से जीवन में मंगल ही मंगल होता है और सारे कष्ट और क्लेश दूर हो जाते हैं हनुमान जी मंगल की मूर्ति हैं और अपने कृतित्व व्यक्तित्व से सर्व पूजित है । वे अतुलित बल के धाम हैं उनका शरीर सोने के पहाड़ सा है। राक्षसों को जलाने के लिए अग्नि स्वरूप है,ज्ञानियों में आगे है,सभी गुणो के धाम ,वानरों के स्वामी, रघुपति के प्रिय भक्त तथा पवनपुत्र है। हनुमान जी का चरित्र ऐसा है जिनका गुणगान भगवान श्री राम करते है, साँपो की माता सुरसा भी उनको बल का निधान कहकर आसीस देती है। अंगद की सभा मे रावण भी कहता है कि राम के दल में उसे किसी से डर नही केवल हनुमान से डर है। हनुमान जी सुग्रीव, विभीषण, भरत तथा माता सीता सभी के कष्टों को दूर करते है। संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा कर श्री राम के भी कष्ट को दूर करते है । माता सीता उन्हें अष्ट सिद्धि एवं नव निधि के दाता बनने का उपदेश देती है। अतः हनुमान जी की उपासना स्व सारे कष्ट एवं क्लेश दूर हो जाते है। यज्ञ की सफलता में यज्ञ समिति के सभी सदस्य तन मन से लगे हुए है।

गोप गुट कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर कर्मियों ने दिया धरना

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट के राज्य कमेटी के आह्वान पर शुक्रवार को सारण इकाई द्वारा 11 सूत्री लंबित मांगों को लेकर स्थानीय नगर पालिका चौक पर धरना देकर विरोध जताया। धरणा को संबोधित करते हुए राज्य के सरकारी कर्मियों ने कहा कि सरकार के स्तर पर अनेको ऐसी ज्वलंत समस्याएं हैं, जो अब तक पूरा नहीं हो पाया है। जिसमें एनपीएस की समाप्ति एवं पुरानी पेंशन योजना की बहाली, केंद्र के अनुरूप मकान किराया भत्ता वृद्धि करने, सभी कर्मियों का परिवहन भत्ता स्वीकृत करने, सभी संविदा कर्मी की सेवा स्थाई करने, नियोजित शिक्षकों को बिना परीक्षा लिए सरकारी राज्य कर्मी का दर्जा देने तथा राज कर्मी के दर्जा के नाम पर तीन जिलों में पदस्थापन का विकल्प मांगने के बदले ऐछिक स्थानांतरण करने, समान काम के लिए समान वेतन देने, पंचायत सचिव एवं राजस्व कर्मचारी का पद स्थापन गृह जिला में करने एवं कार्यपालक सहायक तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर की सेवा नियमित करने सहित अनेकों मांग शामिल है। कर्मियों ने धरना के माध्यम से सरकार की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि कई मांगें अब तक पूरी नहीं की गई है। सरकार कर्मचारियों की मांगे को अविलंब पूरा करें, अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। धरना के पश्चात कर्मचारियों का एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को संबोधित स्मारपत्र जिलाधिकारी को समर्पित करते हुए सरकार तक पहुंचाने का अनुरोध किया। धरना में गोप गुट कर्मचारी संघ के सारण जिला इकाई के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सरकारी कर्मी शामिल थे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, शनिवार, 17 फरवरी, 2024

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती पूजा के उपलक्ष्य पर नाटक का किया गया मंचन

आरा। जगदीशपुर प्रखंड के हरिगाँव पंचायत के बनकट गांव में नौजवान सॉन्ग द्वारा सरस्वती पूजा के उपलक्ष में विभिन्न गांव में नाटक का मंचन किया गया वहीं बनकट गांव में नाटक का मंचन हुआ जिसका नाम मां के कफन सामाजिक बुराइयों से लड़ने की साहस नाटक के माध्यम से कलाकारों ने दिखाए नाटक के उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता राजा युवा नेता अजय कुमार सिंह उनके साथ इन्द्रजीत कुमार उर्फ.नेता जी पप्पू यादव आचार्य राहुल पांडे उमेश कुमार राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता धनेलाल यादव हरिगाँव पंचायत के फिक्स अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह अजय ठाकुर मिथिलेश यादव उसी क्रम में मेदापुर गांव में मां के आंचल का मंचन किया गया वहीं सानिया गांव में छात्रों द्वारा शिव मंदिर के पास भोजपुरी नाटक का मंचन किया गया जिस नाटक का नाम बेटी हई गरीब के जिसमे दसार्या गया की एक गरीब का बेटी गरीब घर में पैदा होकर अपने दम पर पढ़ लीखकर रत्न बनती है।

पुलिस ने चोरी के पांच एक्सेल के साथ खलासी को किया गिरफ्तार

बिक्रमगंज(रोहतास)। बिक्रमगंज शहर के बिस्कोमान से पुलिस ने चोरी के पांच एक्सेल के साथ खलासी को किया गिरफ्तार। इसकी जानकारी देते हुए बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि शहर के बिस्कोमान में खड़े पांच गाड़ी का पांच एक्सेल खलासी के द्वारा खोल लिया गया था। उन्होंने कहा कि बिस्कोमान में ड्यूटी दौरान चौकीदार ने घटना को देखते हुए तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस त्वरित घटनास्थल पर पहुंच मामले में संलिप्त खलासी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही साथ पुलिस ने उसके पास से चोरी किए हुए पांच एक्सेल को भी बरामद कर लिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि गिरफ्तार खलासी उत्तरप्रदेश के मऊ जिलान्तर्गत घोसी थाना क्षेत्र के मानिकपुर निवासी प्रीतम यादव बताया जाता है।

पूजा की समाप्ति पर मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया हुई संपन्न

बिक्रमगंज (रोहतास) तीन दिनो तक चले मां शारदे की पूजा अराधना के बाद शुक्रवार को उनकी प्रतिमा के विसर्जन का दौरा चला। इस दौरान बच्चे ट्रालियों एवं ठेले गाड़ी पर रखकर मां सरस्वती की प्रतिमा को गीत-संगीत एवं नाच गाने के साथ नदियों में प्रवाहित करने के लिए ले जाते हुए देखे गए, तो कुछ बच्चे नदी तट पर मां की अंतिम विदाई में स्तुति कर उन्हें काव नदी, नहर एवं तालाबों में प्रवाहित किया। जिनके लिए जो स्थान नजदीक मिला वहीं पर मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया दिन भर आज चलती रही। बिक्रमगंज धांवा पुल के पास एवं काव नदी, विशेष कर काशी घाट के आसपास बच्चों की टोली मूर्ति विसर्जन के दौरान गीत संगीत पर स्तुति करते और थिरकते हुए देखे गए। हालांकि इस दौरान पुलिस और प्रशासन की गाड़ियां दौड़ते हुए नजर आई।

रोहतास में राहुल गांधी के न्याय यात्रा के सारथी बने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव

बिक्रमगंज (रोहतास)। राहुल गांधी के रोहतास जिला में न्याय यात्रा के दौरान पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव आज राहुल गांधी के न्याय यात्रा के बीच सारथी बन गए। राहुल गांधी की वाहन को जमुहार से सासाराम शहर तक तेजस्वी यादव ने चला कर लाए। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि राहुल गांधी के सारथी तेजस्वी बन गए हैं। गौरतलाप हो की रोहतास जिला में न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी जमुहार से शुरू किया जो सासाराम शहर होते हुए रोहतास जिला के टेकरी में किसानों से रुबरु होते हुए। लोगों में चर्चा है कि कल तक राहुल गांधी के माने जाने वाले न्याय यात्रा अब महागठबंधन की न्याय यात्रा बन गई है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहूल गांधी के साथ तेजस्वी यादव पहुंचे कैमूर

कैमूर। जिले के दुर्गावती प्रखंड अंतर्गत इंटरस्तरीय विद्यालय धनेछा में शुक्रवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल गांधी के साथ तेजस्वी यादव भी पहुंचे। जहां पर पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को राजद की पगड़ी बांधा और हल भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में महागठबंधन के दर्जनों लोगों के द्वारा सभा को सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता राजद के जिला अध्यक्ष अकलू राम और संचालन भोला यादव ने किया। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि नीतीश कुमार बिना किसी कारण के महागठबंधन से अलग हो गए।

आरा के मुख्य टिकट निरिक्षण ए के त्रिपाठी के सेवानिवृति पर विदाई समारोह का आयोजन : मनोज पांडेय

प्रात : किरण संवाददाता

आरा : रेलवे स्टेशन परिसर मे आरा के मुख्य टिकट निरीक्षक श्री ए के त्रिपाठी जी के बिदाई समारोह का टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया! जिसमे सभी विभागों के रेलकमीर्यो ने व प्रभारियों ने भाग लिया और साथ मे ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय भी शामिल हुए! सभी ने सेवानिवृत सीआईटी के साथ बिताए हुए अपने अनुभव को साझा किया!

मनोज पांडेय ने कहा की त्रिपाठी जी अपने रेलवे के 40 साल के सेवा मे पुरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य किया! हम सब भगवान से प्रार्थना करते हैं की इनकी सेवानिवृति उपरांत की अवधि सुख शांति के साथ बीते! कार्यक्रम के समापन मे त्रिपाठी जी ने आरा मे बिताए हुए अपने कार्यकाल को अपने चालीस वर्ष के रेल सेवा का सुनहरा वर्ष बताया! कार्यक्रम मे रेलवे मजिस्ट्रेट डा. सुश्री शैल, आरपीएफ प्रभारी सुमन कुमारी, यूनियन के केंद्रीय पदाधिकारी मनोज कुमार पांडेय, शाखा मंत्री नीरज कुमार सिंह, चेकिंग स्टाफ मे ए के शाह, सी पी यादव, मनोज कुमार, रजनीश कुमार, कुंदन कुमार, अंजय कुमार, ललन पासवान, कुमार विकाश, जगनारायन सिंह, मंतोष कुमार,, स्टेशन प्रबंधक मे एन के राय, हिमांशु कुमार, खुशबु कुमारी, ममता कुमारी, पूनम सिन्हा, रिजर्वेशन सुपरवाईजार अशोक कुमार अशोक सिंह, , आनंद जी, कविंद्र जी ,शैलेश जी सतीश जी,नागेंद्र जी, सुमन जी, सिग्नल से राजेश कुमार सिंह, सीटीआई अशोक कुमार,बुकिंग से संजय जी नवीन जी ,राजेश उपाध्याय, विधुत से मनोज कुमार, समसाम अख्तर, पाठक जी, अमित कुमार, उपेंद्र जी दिलीप कुमार, सीएचआई जे के सिंह, रनिंग रूम प्रभारी संदीप चौबे, टीआरडी से उमेश सिंह, संजय दुबे, सतेंद्र कुमार, मुदित राय , मंजु देवी, सीमा देवी, बसंती देवी, आरती कुमारी, शिल्पी कुमारी के साथ बहुत से साथी उपस्थित थे!

बालिकाओं द्वारा रामलीला का धनुष यज्ञ प्रसंग का किया गया मंचन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बालिकाओं ने किया धनुष यज्ञ प्रसंग का मंचन सरस्वती पूजा विसर्जन के अवसर पर उदवंतनगर नगर प्रखण्ड के बेलाउर गाँव में एन बी सरस्वती ज्ञान स्थली विद्यालय के बालिकाओं द्वारा रामलीला का धनुष यज्ञ प्रसंग का मंचन किया गया । जिसमे रंजु कुमारी राम । गुड्डी कुमारी लक्ष्मण ।अनुष्का कुमारी सीता । राजनन्दनी कुमारी जनक । रागिनी कुमारी विश्वामित्र । अभिलाशा कुमारी परशुराम । ऋषिका कुमारी सतानंद । सलोनी कुमारी रावण। शिल्की कुमारी बाणसूर । कल्पना कुमारी सुनैना । चतुर सखी सोनाली कुमारी । तथा अन्य बालिकाओं ने तरफ तरह की भुमिकाये निभाई। बेलाउर रामलीला मंडली के महंथ रामजी चौधरी (पहलवान)ने बताया कि बेलाउर में हमारे आराध्य प्रभु श्री राम की लीला लगभग 70 वर्षो से हो रहा है। हमलोग बिहार के कोने कोने मे अपनी मंडली के माध्यम से कई जगहो पर राम लीला का आत्योजन किये है । बेलाउर को विरासत को बचाने के लिए 70 वर्षो मे पहली बार ज्ञान स्थली की बालिकाओं द्वारा धनुष यज्ञ प्रसंग का आयोजन किया गया । समाजसेवी डॉ बबन चौधरी ने बताया कि ज्ञान स्थली की बालिकाओं के साथ-साथ विद्यालय के निदेशक नन्द बिहारी चौधरी को कोटि सह बधाई देता हूं।

उस्थित लोग मे नन्द बिहारी चौधरी, प्रधानाध्यापक हदया नंद मिश्रा, चर्चित गीतकार विनय बेलाउर, अरबिन्द सिंह । बिजय प्रकाश नवलपंडित मुरारी चौधरी, मैनुदीन अंसार, रोशन दुबे । अनिल चौधरी, अविनाश कुमार विनोद चौधरी रौशन कुमार, शुभम कुमार प्रमोद तिवारी इत्यादि थें।

एनडीआरफ की टीम ने आपदा से उबरने के लिए लोगों को गुर सिखाये

प्रात : किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को एनडीआरएफ की टीम द्वारा लोगो को आपदा से बचाव का एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया। आपदा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बाढ़, भूकंप व मानव निर्मित आपदाओं से बचाव के लिए कई प्रकार की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अंचलाधिकारी किशोर पासवान ने किसी भी प्रकार की आपदा में साहस नहीं खोने की सलाह दी। वहीं 9 एनडीआरएफ बिहार दानापुर (पटना) से पहुंची टीम की अगुवाई कर रहे आईएनएसपी दिनेश अवस्थाई ने उपस्थित लोगो को खपच्ची बांधना, हृदय गति को पुनः जीवित करना, खून का नियंत्रण, घायल व्यक्ति को उठाकर व ले जाना, आपदा के बाद घायल को एक जगह से दूसरी जगह तक ले जाने के सही व सुरक्षित तरीके, हृदय गति को पहचाने की तरीका, नौ वर्ष से ऊपर की आयु वर्ष के लिए सीपीआर देने का तरीका बताया। बाढ़ के समय बचाव के कई उपायों पर प्रकाश भी डाला। अचानक बाढ़ आने की स्थिति में किसी ऊंचे स्थान पर शरण लेने, किसी भी हालत में तेज धार से बचने और विषम परिस्थिति में उस आपदा से उबरने के गुर भी सिखाये। वहीं एनडीआरफ एसआई काबी रंजन, सीआई कुंदन सिंह धनंजय कुमार आदि ने भी अपने-अपने ढंग से आपदाओं व उसके बचाव को ले लोगो को कई प्रकार का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने भूकंप या अगलगी सहित मानवजनित आपदा की विस्तृत जानकारी देते हुए उससे बचाव का कई प्रकार के उपाय बताये। साथ ही इस आशय की जानकारी अपने आस पड़ोस के बच्चों एवं परिजनों को भी देने की अपील की। मौके पर मनोज कुमार, लक्ष्मण चौधरी अंचल कर्मी अमरेश कुमार, अरुण कुमार, बिकाश कुमार सहित दर्जनों लोग प्रशिक्षण में मौजूद थे।

कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर के बैनर तले राष्ट्र व्यापी आंदोलन किया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर के बैनर तले राष्ट्र ब्यापी आंदोलन किया। अध्यक्षता रामानंद सिंह, ने किया संचालन जिला सचिव उमेश कुमार सुमन ने किया अपने संबोधन में जिला सचिव सुमन ने केंद्र और राज्य सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के विस्तारित रूप से उपस्थित कर्मियों को जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरूआत जिला कार्यालय से मोटर साइकिल जुलूस निकाला गया, मोटर साइकिल जुलूस का नेतृत्व जानकी जी, रामानंद सिंह, सुमन जी, अवधेश पासवान, शिवजी, आनंद कुमार यादव,, पाठकजी, मंजू कुमारी, साहू जी, ध्रुव पंडित, धर्म कुमार, ने किया, उपस्थित नेतृत्वकारी साथियों ने अपने संबोधन में राज्य स्तरीय मांग पत्र 11.सूत्री मांग पत्र मुख्य मंत्री बिहार पटना, जिला पदाधकारी भोजपुर के माध्यम से पुराना पेंशन लागू हो, संविदा नियोजित मानदेय कर्मियो की सेवा नियमित किया जाए, लोहिया स्वक्षता पर्यवेक्षक को 20000. और कर्मी को 10.000मानदेय ब्लॉक से भुगतान किया जाए। चौकीदार, शिक्षक, राजस्व कर्मी, पंचायत सचिव सहित अन्य कर्मी को एसीपी ूस्र का लाभ, अनुकंपा लाभ, जो जिला स्तरीय मांग पत्र 12शुत्री,जिला पदाधिकारी को दिया गया का संलेख दिया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में कर्मी उपस्थित हुए।

मृत संतृप्त परिवार से मिला भाजपा प्रतिनिधि मंडल

आरा। पीरो थाना के रजेया गाँव निवासी नारायण कुमार का अपहरण कर हत्या करने पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने दुख व्यक्त किया। भाजपा के एक प्रतिनिधि मंडल जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि ई. धीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व मे रजेया पहुंच कर शोक संतृप्त परिवार को शोक संवेदना व्यक्त की और दाह संस्कार मे शामिल हुए। प्रतिनिधि मंडल मे शामिल भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथिलेश कुशवाहा, जिला मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विभु जैन,जितौरा मंडल अध्यक्ष गिरजानंद सिंह,श्रवण कुमार सहित अन्य नेताओं ने शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार के साथ खड़ी है हर संभव मदद भाजपा के नेताओं और कार्यकताओं द्वारा की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल द्वारा उपस्थित पुलिस प्रशासन से उक्त घटना के हत्यारों को यथाशीघ्र गिरफ्तार कर उन्हे स्पीडी ट्रायल से सजा दिलवाने की मांग की गई। सांसद प्रतिनिधि ई. धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि जैसे ही घटना के बारे मे सांसद आर के सिंह को पता चला,उन्होने पुलिस अधीक्षक से मोबाइल पर बात कर घटना की जानकारी लेते हुए घटना की जाँच और हत्यारो की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया।

एक वोट क्रॉस हुआ जिसके कारण प्रमुख की कुर्सी बची

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास):काराकाट प्रमुख व उपप्रमुख पर लगा अविश्वास प्रस्ताव पर शुक्रवार को सामुदायिक भवन काराकाट में चर्चा के बाद वोटिंग हुई जिसमें प्रमुख की कुर्सी बच गयी लेकिन उपप्रमुख बेकुर्सी हो गई । निवार्ची पदाधिकारी काराकाट सह बीडीओ राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में वोटिंग का कार्य किया गया । प्रखंड में 27 पंचायत समिति सदस्य है । पहले प्रमुख पर वोटिंग हुआ जिसमें पक्ष में 13 विपक्ष में 13 तथा एक वोट बरकरार रही ।उपप्रमुख की वोटिंग में पक्ष में 14 विपक्ष में 13 वोट मिला जिसमें उपप्रमुख की कुर्सी रिक्त हो गया । निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि प्रमुख की कुर्सी बच गई लेकिन उपप्रमुख की कुर्सी रिक्त रहा । चुनाव आयोग के आदेश के बाद उपप्रमुख पद के लिए वोटिंग होगा । प्रखंड प्रमुख बैजंती देवी की कुर्सी बच जाने से समर्थकों में खुशी छा गई। मौके पर मुखिया संघ जिलाध्यक्ष सह काराकाट मुखिया योगेंद्र सिंह, समाजिक कार्यकर्ता संतोष पांडेय, मुखिया प्रतिनिधि रितेश सिंह सहित कई समर्थक थे।

कनीय विद्युत अभियंता दिनारा को स्थानांतरण के पश्चात दी गयी विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास): विद्युत आपूर्ति प्रशाखा दिनारा अंतर्गत कनीय विद्युत अभियंता दिनारा के रूप में अपनी सेवा दे चुके विकाश कुमार शर्मा को शुक्रवार को स्थानांतरण के पश्चात विदाई दी गई । कनीय विद्युत अभियंता के द्वारा अपने संबोधन में बताया गया कि मैं प्रशाखा दिनारा से जा रहा हूं , लेकिन बिक्रमगंज के सभी कर्मियों एवं पदाधिकारियों के साथ व्यतीत की गयी यादें हमेशा याद रहेगी । आगे उन्होंने बताया कि मैंने अवर प्रमंडल बिक्रमगंज में टीम की तरह कार्य किया कब समय बीत गया पता ही नहीं चला । विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के कर्मियों एवं कनीय विद्युत अभियंताओं के द्वारा जेई के कार्यो की काफी सराहना की गयी ।

सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि मेरा जेई के साथ कार्यकाल बहुत कम समय का रहा, लेकिन 8 माह के कार्यकाल में ही शीर्ष कंपनी के राजस्व संग्रहण आदि के कार्यों में जेई के द्वारा बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया गया एवं लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण हेतु अथक प्रयास किया गया । उक्त विदाई सह सम्मान समारोह में सभी जेई गजेंद्र कुमार, नवदीप गोयल, आईटी मैनेजर चंदन कुमार के साथ साथ उपस्थित कर्मी विकाश कुमार प्रभात, आदिल खान, मकसूद खान, संवेदक अरविंद कुमार, मानवबल जितेंद्र शर्मा, रवि कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

अश्रुपूर्ण नेत्रों ने मां सरस्वती को दी विदाई

बिक्रमगंज । कलश विसर्जन के साथ ही गुरूवार से ही अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के विभिन्न हिस्सों में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन आरंभ हो गया । इसको लेकर विभिन्न देवालयों , विद्यालयों, छात्रावासों ,शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों का समूह मां सरस्वती की प्रतिमा को टॉली पर लेकर भक्तिमय माहौल में शहर का भ्रमण कराते हुए आरती के बाद अश्रुपूर्ण नेत्रों के साथ विसर्जित किया । इस दौरान विद्यार्थियों सहित मां के भक्तों का समूह मां सरस्वती का जयकारा भी लगाया तथा अपने मित्रमंडली के समूह के साथ जमकर अबीर-गुलाल उड़ाया तथा एक-दूसरे को लगाया । विदित हो कि पूजा के बाद प्रतिमा विसर्जन को लेकर शहर में पुलिस बल के द्वारा विशेष चौकसी बरती जा रही है । विसर्जन को लेकर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी ।

अंजबीत सिंह महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य के असामयिक निधन से शोक की लहर

बिक्रमगंज(रोहतास):बिक्रमगंज शहर में स्थित अंजबीत सिंह महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ सतीश नारायण लाल के असामयिक निधन से महाविद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई । जिसको लेकर शुक्रवार को उक्त महाविद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य की उपस्थिति में शोक सभा का आयोजन किया गया । महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि स्वर्गीय लाल उक्त महाविद्यालय में वर्ष 2009 से 2014 तक प्राचार्य के पद पर कार्यरत थे । प्राचार्य ने कहा कि स्वर्गीय लाल का कार्यकाल काफी सराहनीय रहा । उन्होंने बताया कि स्वर्गीय लाल के मृत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई । मौके पर उक्त महाविद्यालय के प्राचार्य समेत सभी महाविद्यालय परिवार मौजूद थे ।

किसान न्याय महापंचायत में राहुल गांधी तथा तेजस्वी यादव ने मोदी सरकार पर जमकर टिप्पणी की

प्रात : किरण संवाददाता

सासाराम ।राहुल गांधी ने बताया कि जनता के चुने लोग ही द्वारा आज किसानों की जमीन छीनी जा रही है किसानों के फसल के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं इंडिया की सरकार बनी तो सबसे पहले किसानों की भूमि की मुआवजा बाजार मूल्य से चौगुनी अधिक दी जाएगी और 5 वर्षो तक जमीन का उपयोग नहीं हुआ तो उसे वापस भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों के फसल की उपज की दाम अच्छी नहीं मिल रही है लेकिन इंडिया की सरकार बनी तो एमएसपी गारंटी दी जाएगी। उन्होंने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि किसानों की जमीन छीनी जा रही है लेकिन मुआवजा नहीं दी जा रही है। लोग अपने मन की बात करते हैं लेकिन आम जनता की बात नहीं सुनते हैं। किसान न्याय महापंचायत में पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मोदी पर जमकर जुबानी तंज कसा। उन्होंने कहा कि वह लोग नफरत की राजनीति करते हैं पीएम मोदी झूठ के कारखाना झूठ के होलसेलर तथा झूठ के मैन्युफैक्चर हैं । उन्होंने कहा कि बिहार में 17 माह में 5 लाख से अधिक नौकरियां दे दी। हमने जनता को वादा किया था और 17 माह में नौकरी दी। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग में भी भर्ती करनी है लेकिन उन्होंने फाइल दबाकर रखा है।

उन्होंने बोला कि महागठबंधन की सरकार न्याय के साथ सबके विकास की बात सोचती है जिसमें आर्थिक भी शामिल है गौरतलब हो की दूसरे चरण में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में रोहतास पहुंचे राहुल गांधी ने टेकारी में किसान न्याय महापंचायत में शामिल हुए। जहां पहली बार न्याय यात्रा में महागठबंधन के घटक दल राजद के लोग भी मौजूद रहे और इसमें उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी शरीक होते हुए लोगों से इंडिया महागठबंधन की सरकार बनाने का अपील भी किया ताकि सभी को उचित न्याय मिल सके।

मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना का लाभ देने के लिए प्रखंड के सभी पंचायतों में शिविर लगाकर दिया जाएगा कनेक्शन

प्रात : किरण संवाददाता

रामगढ़ (कैमूर)। सात निश्चय योजना अंतर्गत किसानों को मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना का लाभ को लेकर प्रखंड के सभी पंचायत में 17 फरवरी से किसानों के लिए पंप कनेक्शन के लिए शिविर लगाकर लिया जायेगा आवेदन वहीं इसकी जानकारी देते हुए रामगढ़ के कनीय विद्युत अभियंता संतोष कुमार ने बताया कि प्रखंड के किसानों को मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना के लाभ के लिए हर खेत तक पानी और हर बोरिंग तक पोल पहुंचने के लिए प्रखंड के पंचायतों में शिविर लगाकर किसानों के पंप कनेक्शन के लिए आवेदन लिया जाएगा जिसमें किसानों को आधार ,फोटो किसान रजिस्ट्रेशन , जमीन की रसीद देना होगा, 17 फरवरी को देवहलिया पंचायत में, 19 फरवरी मसाढ़ी ,20 फरवरी को महुअर, 21 फरवरी को नरहन जमुरना 22 फरवरी को अकोढी 23 फरवरी सिझुआ,24 फरवरी को सिसौड़ा 26 फरवरी को बडौरा ,27 फरवरी को रामगढ़ और सदुल्लहपुर,28 फरवरी को सहूका , 29 फरवरी को नोनार, 01मार्च को अहिवास पंचायत में कैंप लगाकर आवेदन लिया जाएगा।

जाति, निवास बनवाने के लिए आवेदकों ने प्रखंड मुख्यालय पर किया हंगामा

रामपुरः कैमूरःप्रखंड मुख्यालय पर आय, जाति, निवास बनवाने के लिए आवेदकों की भीड़ लग रही है। समय से आवेदकों का उक्त कार्य निष्पादन नहीं होने के कारण शुक्रवार को गुस्सा फूट पड़ा। जिसको लेकर प्रखंड मुख्यालय पर हो हंगामा करने लगे। लोगों का आक्रोश देख प्रखंड प्रशासन द्वारा प्रखंड मुख्यालय के मुख्य दरवाजे सहित अन्य दरवाजा में अंदर से ताला जड़ दिया गया। ताकि हंगामा कर रहे कोई लोग अंदर ना आ सके। प्रखंड मुख्यालय पर हंगामा कर रहे विजेंद्र पासवान, दीपू राम ने बताया कि किसी भी पंचायत के कर्मचारी नियमित कार्यालय में नहीं रहते हैं। अगर उनके मोबाइल पर फोन किया जाता है तो कॉल भी रिसीव नहीं करते हैं। जिसके कारण हम लोगों को आय जाति निवास प्रमाण पत्र बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि ऑनलाइन आवेदन किए हुए करीब एक सप्ताह हो गया। इसके बाद भी हम लोगों का उक्त प्रमाण पत्र नहीं बना।

राहुल गांधी के न्याय यात्रा के दौरान रोहतास के टेकारी में किसान चौपाल में काफी संख्या में जुटे लोग

प्रात : किरण संवाददाता

सासाराम ।मौजूद किसानों को राहुल गांधी तथा तेजस्वी यादव ने संबोधित किया इस दौरान वादे के साथ बिहार में नौकरी देने की भी बात तेजस्वी यादव ने कही। उन्होंने कहा कि 17 माह के सरकार में नौकरी भी दिया। राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया की सरकार बनी तो एमएसपी गारंटी दी जाएगी। वहीं उन्होंने दिल्ली में किसानों दे रहे हैं धरना पर भी उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में किसानों समेत सभी तबके के लोग परेशान हैं लेकिन वह किसी के सुनने वाले नहीं है। क्योंकि इसलिए वह अपने मन की सुनाते हैं आम जनता की मन कि बात को नहीं सुनते हैं गौरतलब हो की रोहतास में न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी रोहतास के चेनारी के टेकरी में किसान चौपाल में शामिल हुए जहां तेजस्वी यादव भी शामिल हुए। वही तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी झूठ की फैक्ट्री हैं और देश की जनता को सिर्फ बरगला रहे हैं उन्होंने कहा कि वर्तमान मोदी सरकार किसान गरीब और दलित विरोधी सरकार है। इसमें सिर्फ पूंजी पत्तियों और बड़े-बड़े व्यापारियों के हित की बात की जा रही है और उन्हें लाभ पहुंचाया है जा रहा है।

वहीं राहुल गांधी ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद आर्थिक सर्वेक्षण करावेगी जिससे यह पता चल पाएगा कि वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार पूंजीपतियों को किस तरह से लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। आने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन मोदी सरकार को सत्ता से हटकर गरीब दलित की आवाज बनेगी।

अनिश्चितकालीन धरना के 46 वां दिन किसानों ने मांग को लेकर किया सड़क जाम

राकेश टिकैत के आह्वान पर भारत बंद के समर्थन में किसानों ने पीएनसी कैम्प स्थल मसोई के सामने किया सड़क जाम

प्रात : किरण संवाददाता

चांद। उचित मुआवजा को लेकर पिछले 46 वां दिन शुक्रवार को किसानों ने अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। किसान नेता प्रवक्ता भारतीय किसान यूनियन राकेश टिकैत के आह्वान पर भारतीय किसान यूनियन कैमूर एवं किसान संघर्ष मोर्चा कैमूर के द्वारा भारत बंद का समर्थन करते हुए किसानों ने पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के बेस कैंप पर धरना पर बैठे किसानों ने सड़क जाम कर दिया। उचित मुआवजा नहीं तो सड़क नहीं एमएसपी गारंटी कानून लागू करो सिंचाई बिजली बिल माफ करो एवं कृषि लोन माफ करो का नारा लगाते हुए किसानों हाटा दुर्गावती सड़क को जाम कर दिया। पीएनसी कम्पनी के बेस कैंप पर बैठे सैकडों किसानों ने सड़क जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। सड़क जाम के होने से दोनों ओर गाडीओं का काफिला लग गया। सड़क जाम कर रहे किसानों को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन कैमूर अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह ने कहा केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार किसानों के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रही है। उन्होंने ने कहा एमएसपी गारंटी कानून लागू करने बिजली बिल माफ करने कृषि लोन माफ करने भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा की मांग को लेकर किसानों के दिल्ली कूच पर पुलिस की बर्बर कारवाई कर रही है। अभिमन्यु सिंह ने कहा केन्द्र सरकार तानासाह हो गई है। अध्यक्ष ने कहा कैमूर जिले में 93 मौजा के सैकड़ों किसानों का सैकड़ों भूमि अधिग्रहण में बाजार मूल्य से बहुत कम मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने ने कहा सरकार किसानों की मुआवजा बाजार मूल्य से चार गुना नहीं देगी तबतक किसान अनिश्चितकालीन धरना जारी रखे रहेंगे। किसानों पर पुलिस की बर्बर कारवाई के विरोध में किसानों ने भभुआ एकता चौक एवं मसोई कैम्प स्थल पर किसानों ने सड़क जाम कर दिया। कुछ घंटे के बाद किसानों ने छात्रों के परीक्षा को देखते हुए किसानों ने सड़क जाम खत्म कर दिया। कैमूर में किसान भारत माला परियोजना एक्सप्रेस-वे निर्माण एवं एन एच 219 बाईपास एवं चौरी करण में किसानों को 2013 सर्किल रेट से एमवीआर तैयार कर मुआवजा दिया जा रहा है ।इस संबंध में धरना पर बैठे किसान भुपेंद्र सिंह ने कहा बिहार सरकार सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजा बाजार मूल्य से चार गुना दे। उन्होंने ने कहा कृषि भूमि का 1 करोड़ 28 लाख रुपए से कम मुआवजा स्वीकार नहीं है। अनिश्चितकालीन धरना एवं सड़क जाम में अमित कुमार रंजन अवधेश सिंह राजू सिंह विकास उपाध्याय वकील सिंह विनोद कुमार गुप्ता महेश उपाध्याय गुदरी सिंह चन्दन सिंह पटेल लाला सिंह आदि सैकड़ों किसानों ने भाग लिया।

जीयर स्वामी के यज्ञ में पहुंचे जिला पार्षद विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल

प्रात : किरण संवाददाता

कैमूर। कैमूर के जिला पार्षद विकास सिंह रोहतास जिला परसथूआ मे हो रहे महाराज जियर स्वामी जी के द्वारा 7 दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ मे लाखो की संख्या मे जूटे श्रद्धांलू । जिला परिषद सदस्य विकास सिंह ने बताया कि यज्ञ प. गिरीश नारायण मिश्रा महाविद्यालय के प्रांगण मे आयोजित किया गया जहाँ पहुँच कर यज्ञ मे संत महात्मा का आशीर्वाद लिया यज्ञ स्थल पर पहुंचने पर आयोजक पंडित गिरीश नारायण मिश्रा महाविद्यालय के सचिव मंजीव मिश्रा के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। यज्ञ दिनांक 16 2 2024 से 21 2 2024 तक चलेगा 21 फरवरी को लाखों लोग भंडारा का प्रसाद ग्रहण करेंगे ।मौके पर भगवानपुर के मुखिया उपेंद्र पांडे , हिंदुस्तान टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार प्रसून मिश्रा,अनुज तिवारी जी, टुनटुन तिवारी जी, मोकरम पंचायत के मुखिया चट्टान सिंह सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मुखिया को सांसद ने दी श्रद्धांजलि

गया (बोधगया प्रखंड के शेखवारा पंचायत के पूर्व मुखिया स्व. बालेश्वर यादव श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित हुए वहां पर उनके परिवार को सांत्वना दी और ढाढस बंधाया गया सांसद विजय मांझी ने कहा कि कोई भी चीज दिक्कत होगी बताएंगे। इसके बाद चेरकी में जाकर लोगों को समस्या जागरूक हुए।

आदित्य हृदय स्तोत्र पाठ पूजन का आयोजन

औरंगाबाद। अचला सप्तमी के अवसर पर औरंगाबाद के शाहपुर सूर्य मंदिर में आदित्य हृदय स्तोत्र पाठ पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें अश्विनी पाठक शाहपुर, अनिल मिश्रा नवाडीह, श्रीराम पाठक पेमा, सतदेव मिश्रा शाहपुर, बीरेंद्र पाठक क्लब रोड, अनुज पाठक शाहपुर, राजेंद्र पाठक बाकन, रौशन पाठक शाहपुर और राकेश मिश्रा शाहपुर शामिल हुए।

दहेज उत्पीड़न को लेकर पीड़िता ने पति-ससुर किया मुकदमा दर्ज

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव की रहने वाली काली देवी ने शुक्रवार को दहेज उत्पीड़न के आरोप में पति सास ससुर सहित अन्य परिवार वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से की गई शिकायत में पीड़िता ने कहा है, कि पति सुजीत कुमार एवं उषा देवी, सावित्री देवी, किशोरी यादव, पिंटू यादव आदि के द्वारा दहेज के खातिर गाली गलौज मारपीट एवं अन्य यातनाएं दी जाती है। ससुराल के लोग मायके से पैसे लाने का दबाव डालते हैं। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने कहा कि महिला के शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दिया है।

मैट्रिक के दूसरे दिन का परीक्षा हुआ सम्पन्न

शेरघाटी। बिहार राज्य माध्यमिक परीक्षा के दूसरे दिन शेरघाटी अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न 09 परीक्षा केदो पर लगभग 5 हजार छात्राएं परीक्षा में शामिल हो रही हैं, इधर परीक्षा को लेकर 144 धारा लागू करते हुए परीक्षा केंद्र से लगभग 100 मीटर की दूरी पर अभिभावकों को भी रहने का निर्देश दिया गया है, वहीं परीक्षा को लेकर 09 परीक्षा केंद्रों में चंद्रमणि विद्यालय 465, रंगलाल इंटर स्कूल 1036, आरजी एन 547, मनोरमा कन्या 342, गुरुकुल गलैक्सि 467, प्रोजेक्ट कन्या 476, एलकेइंटरनेशनल 461 के अलावे वीएस राय महिला कॉलेज में 745 छात्राएं परीक्षा दे रही है, इधर परीक्षा को लेकर पुलिस की ओर से विधि व्यवस्था दुरुस्त कर दिया गया है, ताकि परीक्षा में किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी न हो सके वहीं दूसरे दिन परीक्षा में लगभग सभी छात्राएं उपस्थित रही। खबर लिखे जाने तक किसी को अनुपस्थित होने की सूचना नहीं मिली।

विधिक जागरूकता शिविर का होगी सुनवाई

अरवल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जहानाबाद के आदेश के आलोक में अरवल जिले के कलेर एवं सोनभद्र वंशी सूर्यपुर प्रखण्ड के माह फरवरी 2024 में निम्न स्थलों पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाना है। शिविर का आयोजन 18 फरवरी 2024 को कलेर प्रखण्ड अंतर्गत इसमाईलपुर केयाल पंचायत भवन एवं 25 फरवरी 2024 को सोनभद्र वंशी सूर्यपुर प्रखण्ड अंतर्गत माली पंचायत भवन में किया जायेगा। आयोजित स्थल पर पंचायतों में क्रमशः संतोष कुमार, ओमप्रकाश कुमार, दीनानाथ रजक एवं संजय कुमार उक्त विधिक शिविर में उपस्थित होकर कार्यक्रम का संचालन करेंगें। कार्यक्रम को सफल बनाने का दायित्व कार्यक्रम के प्रतिभागी पैनल, अधिवक्ता, पारा विधिक स्वयंसेवक एवं संबंधित सरपंच, मुखिया, वार्ड सदस्य, आँगनबाड़ी सेविका एवं आशा कार्यकर्ता को दिया गया है।

गेट फॉंद कर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने वाले परीक्षार्थी पर कार्रवाई

अरवल। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह द्वारा जानकारी दी गई कि 15.02.2024 को वार्षिक माध्यमिक (सैद्धांतिक) परीक्षा, 2024 के अवसर पर उच्च विद्यालय, कुर्था स्थित परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश का समय समाप्त होने के बाद भी दो परीक्षार्थियों द्वारा मेन गेट फॉंद कर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश किया गया। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना के विज्ञप्ति संख्या- पी0आर0 48/2024 के आलोक में वैसे परीक्षार्थी पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर दो साल के लिए परीक्षा से निष्कासित रखने हेतु केन्द्राधीक्षक के स्तर से आवश्यक कार्रवाई किया जाना था। सुभाष चन्द्र अरूण, केन्द्राधीक्षक, +2 उच्च विद्यालय, कुर्था द्वारा ऐसा ना कर 16.02.2024 को एक परीक्षार्थी सुश्री रिषी कुमारी पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेत्तर कार्रवाई प्रारम्भ की गई एवं केन्द्राधीक्षक द्वारा बताया गया कि एक परीक्षार्थी के परीक्षा केन्द्र से फरार हो जाने के कारण पहचान नहीं की जा सकी।

नगर निगम को कहा कि गांधी मैदान में एक जगह चिन्हित कर वहां महिला टॉयलेट का निर्माण करवाये: मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

गया। मंत्री बिहार सरकार डॉ॰ प्रेम कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बिहार सरकार द्वारा जिले में क्रियान्वित कई योजनाओं के वर्तमान प्रगति के संबंध में बैठक करते हुए कई आवश्यक निर्देश दिए हैं।

जिला पदाधिकारी गया डॉ॰ त्यागराजन एसएम द्वारा मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि जिले में संरचना का कार्य, पितृपक्ष मेला, छठ महापर्व, दुर्गापूजा, विष्णु पद मंदिर के आसपास विकास के कार्य, गांधी मैदान का विकास एवं सौंदर्यकरण का कार्य, टूरिज्म के क्षेत्र में विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हर गतिविधि पर काफी मार्गदर्शन देने का कार्य माननीय मंत्री ने किया है। जिसका आज परिणाम है कि गया जिला विकास के क्षेत्र में काफी आगे है। मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि जिले में बड़े पैमाने पर संरचनाओं का निर्माण हुआ है उसका संरक्षण हर हाल में आवश्यक है। पूर्व में हृदय योजना के तहत कई प्रकार की संरचनाएं किए गए हैं। उन्हें आवश्यकता है मेंटेनेंस की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अब सालों भर तीर्थ यात्री तर्पण करने आते रहते हैं इस वर्ष पितृपक्ष मेला में राज्य सरकार एवं जिला पदाधिकारी के कुशल नेतृत्व में काफी सफलतापूर्वक मेला संपन्न कराया गया जिसका आज परिणाम है कि पूरे विश्व में पितृपक्ष मेला के संबंध में तारीफे हो रही हैं। इस वर्ष बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री तर्पण करने आए थे उसके बावजूद भी बेहतर प्रबंधन का परिणाम है कि हर जगह तारीफें हो रही है।गयाजी डैम को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने हेतु हम सभी संकल्पित हैं। जिस तरह हरिद्वार में नेट के माध्यम से पानी को साफ किया जाता है उसी प्रकार गया जी डैम में भी तर्पण के सामग्री को नेट के माध्यम से छानने का कार्य किया जा सकता है ताकि पानी स्वच्छ रह सके। पानी का बेहतर सफाई व्यवस्था करने की आवश्यकता है। इसके अलावा सीढ़ियों पर लगे काई को भी साफ करवाने की आवश्यकता है, जिससे फिसलन की स्थिति नहीं आ सके इस संबंध में जिला पदाधिकारी ने मंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि गयाजी डैम के पानी को शुद्ध रखने के लिए गोवा के एक्सपर्ट्स को बुलाकर स्टडी कराया गया है। इस पर जिला प्रशासन एवं वॉटर रिसोर्सेस डिपार्मेंट संयुक्त रूप से कम कर रही है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बड़े-बड़े योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है इसके साथ ही जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग का दायित्व है कि छोटे-छोटे कार्यो को भी देखते रहें। उन्होंने कहा कि रोपवे का निर्माण काफी तेजी से जिले में करवाया जा रहा है इसके साथ ही आवश्यकता है कि रोपवे के नजदीक संपर्क पथ, आवासन व्यवस्था, टॉयलेट इत्यादि का भी निर्माण हो। देवघाट से संगत घाट होते हुए गायत्री घाट, हनुमान घाट होते हुए पिता महेश्वर सीढ़ियां घाट, महादेव घाट तक स्मार्ट रोड नेटवर्क के तहत पाथवे का निर्माण करवाया जाएगा। घाट बनाने के दौरान यह ध्यान रखा जाएगा की नाला की ऊंचाई घाट से नीचे रहे। इसके लिए बुडको से समन्वय स्थापित कर नाला का निर्माण हो।कचरा डंप करने के संबंध में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कंडी के पास कचरा डंप किया हुआ है इसके अलावा कटारी हिल से चंदौती प्रखंड जाने के रास्ते में कचरा डंप रहता है साथ ही गांधी मैदान के समीप कचरा का डंप रहता है। नगर निगम को निर्देश दिया कि पब्लिक प्लेस सार्वजनिक स्थल पर कचरा का डंप ना करें। शहर से दूर वन विभाग के जंगल क्षेत्र में डंपिंग करवाने पर विचार करें। इसके लिए स्थल चिह्नित करते हुए शहर से दूर डंप करें।

विष्णुपद के समीप बने ब्रह्मवन काफी आकर्षक एवं लोगों का काफी पिकनिक स्पॉट्स के रूप में विकसित हुआ है। ब्रह्मवन में लगातार लोगों की भीड़ देखी जा रही है। जिला वन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि फेज 2 के रूप में डेवलपमेंट का कार्य प्रारंभ करावे जिसमें विशेष रूप से कैफेटेरिया, ओपन जिम, चिल्ड्रन पार्क इत्यादि का निर्माण करावे। प्लांटेशन के संबंध में उन्होंने कहा कि जिले का अधिकांश भाग पहाड़ों से घिरा हुआ है जिसमें विशेष कर बोधगया से प्रेतशिला रामशिला ब्रह्मयोनी पर्वत देवघाट इत्यादि पर व्यापक पैमाने पर प्लांटेशन करने हेतु जिला वन पदाधिकारी एक कार्य योजना तैयार करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बाराचट्टी से फल्गु नदी के समानांतर आने वाले रास्ते पूरी तरीके से पहाड़ी क्षेत्र है उसके किनारे किनारे एवं पहाड़ों में प्लांटेशन करवाये। इसके अलावा नेशनल हाईवे एवं स्टेट हाईवे के किनारे भी प्लांटेशन करवाये। गया जिले में जितने भी पार्क हैं सभी पार्कों को बेहतर मैनेजमेंट एवं संचालन के लिए वन विभाग को हस्तानांतरित करने का कार्य करें और अच्छे तरीके से पार्क का मेंटेनेंस हो सके।

जिले में विशेष कर शहरी क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात हेतु सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अपने स्तर से आवश्यक कार्य करना सुनिश्चित करें उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा जाम की समस्या पर काफी एक्टिव होकर ट्रैफिक रेगुलेट करते रहते हैं। नगर निगम को निर्देश दिया कि जाम से निजात हेतु विभिन्न पार्किंग स्थल का निर्माण करवाये, जो व्यक्ति सड़क पर वाहन खड़ा करते हैं जिससे जाम का कारण हो रहा है, वह अपने वाहन को पार्किंग में लगा सके। नो एंट्री जोन को सख्ती से पालन करावे। सड़क पर बेतर्जी रूप से वाहनों को अनलोड किया जाता है इसके लिए समय निर्धारित करें ताकि जाम की समस्या नहीं बने। प्रमुख गोलंबर के समीप जेबरा क्रासिंग का निर्माण करावे।बागेश्वरी गुमटी एवं एफसीआई के समीप आरओबी निर्माण हेतु पूर्ण निर्माण निगम लिमिटेड विभाग द्वारा प्रपोज पारित है। जल्द ही आरओबी का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। रसलपुर में निमार्णाधीन आरओबी के कार्यो को तेजी से पूर्ण करवाने का निर्देश दिए हैं।

शानदार शिक्षा, युवाओं को रोजगार और नौकरी भी दे रही नीतीश सरकार : प्रकाश पटवा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया जिला व्यवसायिक व उद्योग प्रकोष्ठ जदयू अध्यक्ष प्रकाश राम पटवा ने कहा 2005 जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के सत्ता को संभाला तब से उन्होंने पूरी गंभीरता से शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए काम करना शुरू किया है। विद्यालयों के भवन निर्माण से लेकर बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाने तक की व्यवस्था की है। बच्चों के बेसिक जरूरतों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पूरा करने का काम किया है। जैसे योजना, साइकिल योजना, छात्रवृत्ति देकर प्रोत्साहित किया। बच्चों के उच्च शिक्षा की वित्तीय बाधा को दूर करने के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लेकर आए हैं। यूपीएससी और बीपीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए आर्थिक मदद की व्यवस्था की है। पटवा कहानीकरी के लिए लगातार बहालियों के माध्यम से सरकारी नौकरी देने का काम हो रहा है।

पटवा ने कहा उद्योग लगाने के लिए दस लाख दिया जा रहा है उसमे पांच लाख अनुदान है। मुख्यमंत्री लघु उद्योग योजना के माध्यम से 94 लाख चिन्हित गरीब परिवारों के स्वरोजगार के लिए 2-2 लाख की राशि का इंतजाम कर दिया गया है।

निः शुल्क चिकित्सा वाहन को सांसद ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

औरंगाबाद। औरंगाबाद के सांसद सुशील कुमार सिंह के समन्वय से सीएसआर पहल कार्यक्रम के तहत गेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा निशुल्क चिकित्सा वाहन सेवा औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत औरंगाबाद और गया जिलों में चार मोबाइल मेडिकल वैन चलाने के लिए प्राथमिक मोबाइल चिकित्सालय शुरू किया जा रहा है। मेडिकल वैन में एक डॉक्टर (एमबीबीएस) के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम के साथ औरंगाबाद और गया जिले के गांवों में 16 फरवरी से एक वर्ष के लिए मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और मुफ्त दवाएं प्रदान करने के लिए मोबाइल वैन जाएगा ताकि मेरे क्षेत्र में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जा सके। अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों की ओर से मैं गेल के अध्यक्ष संदीप गुप्ता और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी जी और गेल के वरिष्ठ प्रबंधन को लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल देने के लिए धन्यवाद देता हूं और लोगों से इस महान सीएसआर से अधिकतम लाभ उठाने का भी अनुरोध करता हूं।

युवा राजद का कार्यकर्ता सम्मेलन पटना के बापू सभागार में होगी : राजेश यादव

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश यादव ने आज गया में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 17 साल बनाम 17 महीने का विकास कार्य पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व में 17 महीने में लाखों शिक्षकों की नौकरी दिया गया खिलाड़ियों को नौकरी दिया गया, नियोजित शिक्षकों का राज्य कर्मी की दर्जा देने का फैसला लिया गया, जातीय जनगणना करवाकर आरक्षण की सीमा को 75% किया गया एवं कमजोर लोगों की पहचान कर दो 2 लाख रोजगार के लिए देने का काम शुरू किया गया। यह कार्य पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कम समय में करके दिखाया है। राजेश यादव ने बताया कि 28 फरवरी को युवा राष्ट्रीय जनता दल के पंचायत अध्यक्ष प्रखंड अध्यक्ष जिला सभी पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता विश्वनाथ यादव के नेतृत्व में गया जिला से पटना बापू सभागार में होने वाले सम्मेलन में शिरकत करेंगे इसकी समीक्षा के लिए आज गया में बैठक की गई है ।पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष युवा राजद विश्वनाथ यादव ने कहा कि गया जिला से 1200 कार्यकर्ता पटना के बापू सरकार में शामिल होंगे। पार्टी के प्रदेश महासचिव युवा राष्ट्रीय जनता दल के जय प्रकाश शर्मा ने कहा कि पूरी ताकत के साथ हम सभी तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनाने के लिए बापू सभागार के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस मौके पर गया के युवा राजद के कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव का भव्य स्वागत किया है ।जिला प्रधान महासचिव पवन वर्मा, दिव्यांश यादव, बजरंगी भाईजान, मोहम्मद सुहैल, प्रवीण पासवान, दिलीप यादव, चन्दन कुशवाहा, मुकेश कुमार चंद्रवंशी, रवीन्द्र यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

शांति निकेतन एकेडमी में वार्षिकोत्सव तथा फेयरवेल सेरोमनी मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।शांति निकेतन एकेडमी में वार्षिकोत्सव तथा फेयरवेल मनाया गया है। इस कार्यक्रम के शुभारंभ विरेन्द्र कुमार उर्फ गणेश पासवान मेयर गया, डा नवनीत निश्चल सी. एम.डी अर्श हॉस्पीटल गया, हरि प्रपन्न चेयरमैन शांति निकेतन एकेडमी के द्वारा कैंडल जलाकर की गई है ।फेयरवेल में वर्ग दशम के छात्रों को मोमेन्टों देकर सम्मानित किया गया तथा बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी गई है। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें कक्षा दितीय से जयालक्ष्मी, त्रिषा कश्यप, आरूही ने हरीयाणवी डांस, कक्षा चतुर्थ से अलीना फातीमा, ग्रेसौराज, अनुष्का कुमारी ने विहारी सांग, कक्षा आठवीं से अलिजा मिन्नाज, आयव तौकीर, नैन्सी प्रिया ने वाट झुमका सांग पर डांस, जूनियर केजी से प्रिंस हर्षित सिन्हा, लैबा फातिमा ने अपना दिल आवारा पर डांस, सीनियर केजी से माही आर्या आयुषी कुमारी, अलीसा फैजल ने ब्लीवर सांग पर डांस प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ नवनीत निश्चल ने बच्चों के बेहतर भविष्य की कामना कि उन्होंने बोला की मेरे दो बच्चे अभी मेडिकल में पढाई कर रहे हैं। मेरे दोनों बच्चों कि शिक्षा कि शुरूआत शांति निकेतन एकेडमी से हुई थीं। यह विद्यालय उत्कृष्ट तथा गुणवता शिक्षा देने के लिए जाना जाता है। मुख्य अतिथि विरेन्द्र कुमार उर्फ गणेश पासवान मेयर गया ने कार्यक्रम कि सहराहना की और बताया कि पहले भी यहाँ के विद्यार्थियों का सीधा नामांकन क्रेन एवं नाजरथ विद्यालयों में हो जाया करता था ।अब तो इस विद्यालय में 10+2 तक विभिन्न विषयों की पढाई होती हैं ।इस अवसर पर शांति निकेतन एकेडमी के चेयरमैन हरि प्रपन्न ने बताया कि शांति निकेतन एकेडमी के तीन शाखाएँ है ।यहाँ प्ले ग्रुप से 12वीं तक की शिक्षा दी जाती है जिसमें 10वीं तथा 12वीं के छात्रों का 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त होते रह रहा है , जिसमें इस वर्ष 2023 में दो बच्चों का नामांकन सरकारी मेडिकल कॉलेज में हुआ है बच्चो ने निट-मेडिकल में 650 अंक से ज्यादा प्राप्त किया है तथा दो बच्चों का आई. आई.टी में चयन हुआ है। इस अवसर पर चेयरमैन ने 10वीं के छात्रों को बेहतर भविष्य की शुभकामना दी तथा बेहतर कार्यक्रम के लिए शिक्षकों को बधाई तथा आभार प्रकट किये है। मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय के प्राचार्या फरहीन सिद्दीकी ने बुके तथा अंग वस्त्र देकर किया है ।इस मौके पर डॉक्टर क्रांति किशोर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ऋषिकेश कुमार शिशु रोग विशेषज्ञ , डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ,डॉक्टर मृत्युंजय कुमार , डॉक्टर संजीत प्रकाश, प्रोफेसर रूपेश कुमार सीनेट सदस्य ,धनंजय धीरज एजुकेशन डिपार्टमेंट गया कॉलेज रामगोविंद शर्मा कॉलेज के सचिव लव कुमार तथा प्राचार्य कुश कुमार एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं।

हमारे देश में सभी धर्मों का सम्मान बराबरी का है : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

बेलागंज। धार्मिक अनुष्ठान हमारे सभ्यता और संस्कृति की मुल पहचान है। जिससे मन कर्म के अलावा वातावरण भी शुद्ध होता है। सनातन धर्म में सभी धर्मो का सार छिपा हुआ है। हमारे देश में सभी धर्मो का सम्मान बराबरी का है। यह बाते सांसद विजय कुमार मांझी ने बेलाडीह गांव में देवी प्राण प्रतिष्ठा सह भागवत कथा समारोह मे शामिल होने के दौरान कहा है। उन्होंने कहा कि धर्म हमे गलत रास्ते पर जाने से रोकता है साथ ही मन को शांति प्रदान करता है। धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन सामाजिक समरसता का परिचायक है जिसमें बड़े छोटे का कोई भेद नहीं होता है। देवी माँ देश को जाति धर्म के आधार बांट कर अपनी राजनीतिक रोटी सकने वाले लोगों को सद्बुद्धि प्रदान करें। एनडीए गठबंधन की केंद्र और बिहार सरकार सभी वर्गो का सामान रूप विकास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेतृत्व देश आगे बढ़ रहा है ।जो आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान जदयू नेता कमलेश त्रिपाठी भाजपा नेता अशोक शर्मा, नेपाली सिंह, सूचित शर्मा, रविशंकर कुमार, सुभाष कुमार मोहित त्रिपाठी, योगेन्द्र कुमार, अजय सिंह, मनोज सिंह, धनंजय शर्मा, रवीश कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

कुँवर सिंह फाउंडेशन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद करमा रोड स्थित जयप्रकाश नगर में सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर "कुँवर सिंह फाउंडेशन द्वारा एम्बीशन क्लासेस" ने प्राचीन संस्कृति के महत्व को महसूस कराया। इस मौके पर सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें रामायण नाटक, नृत्य, और गायन में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया ।रामायण अभिनय में प्रथम पुरस्कार श्रेया ने प्राप्त किया। साक्षी ने एक शानदार भाषण देने के लिए पहला पुरस्कार प्राप्त किया। स्वागत नृत्य विषय में प्रथम पुरस्कार सपना, सुहानी, खुशी, मनीषा, कृति और साक्षी ने प्राप्त किया।

सभी अन्य छात्रों को भागीदारी के लिए पदक दिए गए ।इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में बहुत सारे लोग उपस्थित थे। यह कार्यक्रम "कुँवर सिंह फाउंडेशन" के निदेशक रौशन सिंह, उत्कर्ष सिंह और शिबु सोलंकी के आयोजन में हुआ। इसके अलावा, नेहा सिंह और गुड्डू सिंह जैसे अन्य शिक्षक भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन छात्रों को कई लाभ प्रदान करता है। इनमें सहयोग, टीमवर्क, संगठन क्षमता विकसित करने का अवसर मिलता है। साथ ही, छात्रों की सामाजिक और सांस्कृतिक उत्साह को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों को सांस्कृतिक विविधता को समझने और महसूस करने का मौका देते हैं। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से "कुँवर सिंह फाउंडेशन द्वारा एम्बीशन क्लासेस" ने छात्रों को न केवल शैक्षिक बल्कि सांस्कृतिक मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका दिया।

स्नेही, श्यामनंदन और पवन बने सहायक सचिव

औरंगाबाद। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में कार्यसमिति चुनाव 2024-26 के मतगणना के आखिरी दिन सहायक सचिव, वरिष्ठ कार्यसमिति सदस्य, कार्यसमिति सदस्य के मतगणना समाप्त हुआ। सहायक सचिव पद पर सतीश कुमार स्नेही को 388 वोट, श्यामनंदन तिवारी को 264 वोट, पवन कुमार सिंह को 250 वोट, अनिल कुमार सिंह को 221 वोट, संत सिंह को 219 वोट, सहायक सचिव पद पर सतीश कुमार स्नेही, श्यामनंदन तिवारी, पवन कुमार सिंह निर्वाचित घोषित किया गया। वरिष्ठ कार्यसमिति सदस्य पद पर मो अकमल हसन को 388 वोट, यमुना प्रसाद सिंह को 343 वोट, विनय कुमार मिश्रा को 307 वोट, महेश प्रसाद सिंह को 301 वोट, मिथलेश कुमार को 273 वोट, मनोज कुमार सिंह को 217 वोट, अम्बुज कुमार सिन्हा को 205 वोट प्राप्त हुआ। वरिष्ठ कार्यसमिति सदस्य पद पर मो अकमल हसन, मिथलेश कुमार को निर्वाचित घोषित किया गया हैं।

अनुश्रवण समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। उद्योग विभाग, बिहार पटना के अपर सचिव संदीप पौण्ड्रीक की अध्यक्षता में भारत सरकार की प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के कार्यान्वयन के लिए भी०सी० के माध्यम से जिला पदाधिकारी एवं अन्य अनुश्रवण समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें विश्वकर्मा योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि इस योजना को सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से लागू किया गया है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत स्टेज-1 वेरिफिकेशन के लिए जिले के सभी ग्राम पंचायतों को पोर्टल पर ऑन-बोर्ड किया जाना है। जिसके लिए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, औरंगाबाद व सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, औरंगाबाद एवं प्रखंड स्तरीय प्रबंधक, सीएससी औरंगाबाद को पत्र के माध्यम से वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए जिले के सभी पंचायतों के मुखिया एवं एवं सीएससी प्रभारी को निदेशित करने हेतु अनुरोध किया गया है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत कुल 18 ट्रेड को प्रारम्भिक चरण में शामिल किया गया है।

धूमधाम से मनाया गया सूर्यसप्तमी कि पूजा

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी ।शहर के मोरहर नदी तट के किनारे शनि मंदिर के पास सूर्य सप्तमी के शुभ अवसर पर धूमधाम से किया गया भगवन भास्कर का पूजा अर्चना किया गया उक्त कार्यक्रम को लेकर संयुक्त ब्राह्मण मंच के सदस्यों ने चढबढ हिस्सा लिया और आदित्य हिर्दय का पाठ भी किया आचार्य श्यामसुंदर पाठक ने बताया कि सूर्य उपासना का महत्व है,कि इस पूजा करने से विभिन्न तरह का दुख दूर होता है, जैसे कुष्ट रोग, आधी व्याधि, राज्य रोज आदि भी दूर होता है, उन्होंने कहा कि शेरघाटी में बीते 14 वर्षो से कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है, जिसमे लोगो का सहयोग भरपूर रहा है,

उन्होंने कहा कि इस पूजा करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है। इसलिए आज के दिन सभी ब्राह्मणों के घर में नमक नही खाया जाता है, सूर्य के उपासक होने से मिष्ठान भोजन करते है, नमक का त्याग करते है उक्त मंच के अध्यक्ष अवधेश पाठक, सचिव दीनानाथ पांडेय, कोषाध्यक्ष चंदन मिश्रा, हिर्दय मिश्रा, पशुपतिनाथ पाठक, नवीन मिश्रा, चंद्रमणि पांडेय, बंधु मिश्रा, दिनेश मिश्रा, सचु देवी, गीता देवी, मीणा देवी समेत सैकड़ो के तादाद में विप्र बंधु उपस्थित हुए। तदोपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें शहर के सैकड़ो श्रद्धलुओं ने भाग लिया। इसकी जानकारी देते संयुक्त ब्राह्मण मंच के सचिव सह सचिव दीनानाथ पांडेय ने बताया कि बीते 12 वर्षो से इस पूजा को काफी उत्साह के साथ मनाया जाता है जिसमे शेरघाटी समेत कई इलाके के ब्राह्मण समाज के लोग आते है और पूजा पाठ करते है।

सूर्यसप्तमी पर रानीगंज में ब्राह्मण समाज ने किया पूजाअर्चना

प्रात : किरण संवाददाता

इमामगंज/शेरघाटी ।राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ रानीगंज में आज सूर्य जन्मोत्सव अवसर पर स सूर्य मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धूमधाम से मनाया 12 वैदिक ब्राह्मणों ने सस्वर आदित्य हृदय का पाठ किया मुख्य श्रोता या यजमान के रूप में श्रीरामगंज के उमाकांत मिश्र एवं मुख्य पुजारी के रूप में राजेंद्र पांडे के देखरेख में संपन्न हुआ प्रसाद वितरण के बाद संगठन की मजबूती विस्तार एवं नई संगठन पर विचार किया गया। सभी लोगों ने संगठन के मजबूती पर और इससे विस्तृत करने पर अपने-अपने विचारों को व्यक्त किया ।नए संगठन का भी विस्तार किया गया सर्व सम्मति से शशि भूषण मिश्रा को आगामी 3 वर्षो के लिए राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ का संयोजक बनाया गया 15 सदस्य का केंद्रीय टीम काभी आज चयन किया गया ।जिसमें मैगरा से परमानंद मिश्रा, रामगंज से बैजनाथ पाठक जी बिंधुआ से रामानुज पांडे ,बभंडी से शिव बच्चन पांडे, झारखंड से सुरेश कुमार मिश्रा एवं कौशल किशोर पाठक रानीगंज से सुनील कुमार मिश्रा जी का नाम चयनित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष परम आदरणीय मनोज शर्मा जी को दायित्व दिया गया कि युवा वर्ग से अपने साथ चार नाम का विभिन्न स्थानों से चयन कर आगामी मीटिंग में सूचित करें। पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी जी एवं पश्चिमी भाग का अध्यक्ष महेंद्र गिरी को बनाया गया ।डुमरिया प्रखंड का अध्यक्ष मनोज मिश्रा मैगरा को बनाया गया। वही बांके बाजार के लिए अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा का चयन किया गया। विधानसभा के सचिव के रूप में गिरजानंद पाठक एवं कोषाध्यक्ष के रूप में उमेश पांडे को सुशोभित किया गया आशुतोष मिश्रा एवं राजीवनयन तिवारी को केंद्रीय कमेटी में विशेष रूप से संगठन को राष्ट्रीय स्वरूप देने के लिए जिम्मेवारी दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ एक ब्राह्मण श्रेष्ठ ब्राह्मण के तर्ज पर गरीबों के उत्थान के लिए आगामी बैठक में विस्तृत रूप से चर्चा करने के लिए सभी को आमंत्रित किया गया।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध का तीन दिवसीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन

अरवल। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) द्वारा तीन दिवसीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी के द्वितीय दिवस का आयोजन संयुक्त कृषि भवन अरवल के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप परियोजना निदेशक-सह-सहायक निदेशक (उद्यान), अरवल श्री अमित कुमार के द्वारा की गई। उक्त कार्यक्रम के दौरान कृषकों को आत्मा योजना, उद्यान विभाग एवं मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दिया गया। साथ ही श्री ओम प्रकाश गिरि, पौधा संरक्षण पर्यवेक्षक के द्वारा फसल और सब्जियों में लगने वाले कीट से बचाव के तरीके किसानों के बीच बताया गया। मंच का संचालन श्री शिवकुमार गोस्वामी एवं श्री पप्पु कुमार मधु के द्वारा की गई। अरवल जिले के सभी प्रखण्डों के किसानों को किसान मेला-सह-प्रदर्शनी में कृषकों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन एवं विभिन्न विभाग द्वारा लगाये गये स्टॉल का परिभ्रमण कराया गया। दिनांक 17.02.2024 को किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का समापन किया जाएगा एवं चयनित उत्कृष्ट प्रदर्शन के किसानों को प्रशस्ति पत्र तथा डी०बी०टी० के माध्यम से पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

प्रथम पाली में 253 द्वितीय पाली मे 301 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अरवल। वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2024 का कुल 13 परीक्षा केंद्र परशांतिपूर्ण वातावरण मेसंपन्न। प्रथम पाली में एसएसएसजीएस कॉलेज अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 951 के विरुद्ध 929 उपस्थित 22 अनुपस्थित, बालिका उच्च विद्यालय अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 540 के विरूद्ध 533 उपस्थित 07 अनुपस्थित, जी ए उच्च विद्यालय अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 401 के विरूद्ध 391 उपस्थित 10 अनुपस्थित, उमैराबाद उच्च विद्यालय से कुल विद्यार्थियों की संख्या 747 के विरुद्ध 740 उपस्थित 07 अनुपस्थित, फतेहपुर संडा कॉलेज अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 1112 के विरूद्ध 1079 उपस्थित 33 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय इटवों से कुल विद्यार्थियों की संख्या 603 के विरूद्ध 579 उपस्थित 24 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय दरियापुर से कुल विद्यार्थियों की संख्या 453 के विरूद्ध 447 उपस्थित 06 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय करपी से कुल विद्यार्थियों की संख्या 774 के विरूद्ध 770 उपस्थित 04 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय किंजर से कुल विद्यार्थियों की संख्या 920 के विरूद्ध 885 उपस्थित 35 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय मिजार्पुर से कुल विद्यार्थियों की संख्या 428 के विरुद्ध 424 उपस्थित 04 अनुपस्थित, एसजेएस कॉलेज कुर्था से कुल विद्यार्थियों की संख्या 1018 के विरूद्ध 977 उपस्थित 41 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय कुर्था से कुल विद्यार्थियों की संख्या 761 के विरूद्ध 746 उपस्थित 15 अनुपस्थित, आरसीएस कॉलेज कुर्था से कुल विद्यार्थियों की संख्या 741 के विरूद्ध 696 उपस्थित 45 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में एसएसएसजीएस कॉलेज अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 970 के विरूद्ध 956 उपस्थित 14 अनुपस्थित, बालिका उच्च विद्यालय अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 535 के विरूद्ध 530 उपस्थित 05 अनुपस्थित, जी ए उच्च विद्यालय अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 369 के विरूद्ध 350 उपस्थित 19 अनुपस्थित, उमैराबाद उच्च विद्यालय से कुल विद्यार्थियों की संख्या 750 के विरूद्ध 740 उपस्थित 10 अनुपस्थित, फतेहपुर संडा कॉलेज अरवल से कुल विद्यार्थियों की संख्या 1119 के विरूद्ध 1103 उपस्थित 16 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय इटों से कुल विद्यार्थियों की संख्या 573 के विरूद्ध 548 उपस्थित 25 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय दरियापुर से कुल विद्यार्थियों की संख्या 459 के विरूद्ध 456 उपस्थित 03 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय करपी से कुल विद्यार्थियों की संख्या 743 के विरूद्ध 710 उपस्थित 33 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय किंजर से कुल विद्यार्थियों की संख्या 779 के विरूद्ध 749 उपस्थित 30 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय मिजार्पुर से कुल विद्यार्थियों की संख्या 443 के विरूद्ध 423 उपस्थित 20 अनुपस्थित, एसजेएस कॉलेज कुर्था से कुल विद्यार्थियों की संख्या 1085 के विरूद्ध 988 उपस्थित 97 अनुपस्थित, उच्च विद्यालय कुर्था से कुल विद्यार्थियों की संख्या 765 के विरूद्ध 744 उपस्थित 21 अनुपस्थित, आरसीएस कॉलेज कुर्था से कुल विद्यार्थियों की संख्या 623 के विरूद्ध 615 उपस्थित 08 अनुपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुकदमा का समझौता के आधार पर निष्पादन कराए : अध्यक्ष

मुंगेर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली व बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देशन अनुसार मुंगेर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में एडीआर भवन परिसर में आगामी 9 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। इसको लेकर गुरुवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने अपने प्रकोष्ठ में बीमा एवं दावा वाद के अधिवक्ता गण के साथ बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में अध्यक्ष ने बीमा एवं दावा वाद के अधिवक्ता को अधिक से अधिक पक्षकारों को नोटिस निर्गत कराने व प्री - सिटिंग करने का निर्देश दिया इससे की आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अधिक से अधिक मुकदमा का निष्पादन समझौता के आधार पर किया जा सके।

मारपीट व अन्य मामले में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

नवगछिया (भागलपुर)। थाना पुलिस ने विगत रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर नवगछिया थाना पुलिस ने मारपीट व अन्य मामले के प्राथमिकी अभियुक्त की स्थानीय धोबिनियाँ गांव के मुरारी यादव के पुत्र नीतीश यादव को नवादा गांव इलाके से दबिश दे मौके से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इस गिरफ्तारी को लेकर नवगछिया थानाध्यक्ष रविशंकर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त नीतीश के मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बरियारपुर : वृद्ध की हत्याकांड में सात लोग नामजद अभियुक्त

मुंगेर। बारियारपुर थाना क्षेत्र के विजयनगर के पीछे इटहरी बहियार में बुधवार की रात एक 60 वर्षीय वृद्ध नागे मंडल की गला रेतकर हत्याकांड में 7 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि मृतक नागे मंडल का पुत्र विकास कुमार ने हत्या का कारण पूर्व से जमीनी विवाद को बताते हुए सात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाई है सातों अभियुक्त विजयनगर निवासी अवधेश मंडल पिंकू मंडल मुकेश मंडल गौतम मंडल अमित कुमार जितेंद्र मंडल एवं छोटू कुमार शामिल हैं।

सांसद ने नालन्दा स्टेशन पर राजगीर - ट्रेन के ठहराव का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

नालन्दा सांसद कौशलेन्द्र कुमार के द्वारा दानापुर मंडल के बख्तियारपुर राजगीर रेलखंड के नालन्दा स्टेशन पर गाड़ी संख्या 13233/13234 राजगीर - दानापुर ट्रेन के ठहराव का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किये। अब नालन्दा स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव शुरू हो जाने से आस- पास के दर्जनों गाँव के लोगों को काफी को सुविधा होगी। विशेषकर नालन्दा विश्वविधालय में अध्ययनरत विधार्थियों को काफी लाभ मिलेगा। माननीय सांसद महोदय द्वारा इस ट्रेन का नालन्दा स्पटेशन पर ठहराव की स्वीकृति देने के लिए क्षेत्र की जनता की तरफ से माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को धन्यवाद दिये। विदित हो गाड़ी संख्या- 13233 राजगीर - दानापुर का नालन्दा स्टेशन पर आगमन 16.48 बजे एवं प्रस्थान 16.50 बजे होगा तथा गाड़ी संख्या-13234 दानापुर-राजगीर का आगमन 09.43 बजे एवं प्रस्थान- बजे 09.45 बजे होगा। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) अनुपम कुमार चंदन सहित मंडल के अन्य अधिकारी एवं जनमानस उपस्थित रहे।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में देश भक्ति गीतों का श्रोताओं ने उठाया आनंद

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। 15 फरवरी तारापुर शहीद दिवस राजकीय समारोह के मौके पर गुरुवार की रात एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन अनुमंडल प्रशासन तारापुर द्वारा थाना के प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विधिवत दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन क्षेत्र के स्थानीय विधायक राजीव कुमार सिंह अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार डीएसपी सिंधु शेखर सिंह व अन्य ने सामूहिक रूप से किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत अमर शहीदों की याद में- ए मेरे वतन के लोगो तुम खूब लगा लो नारा, यह शुभ दिन है हम सबका लहरा लो तिरंगा प्यारा की शुरूआत जैसे ही किया कि पंडाल में बैठे सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक के तालियों की गार्गाहट कार्यक्रम स्थल गूंज उठा। गायक अमित कुमार ने पूरे ले में सारे जहां से अच्छा, हिंदुस्तां हमारा, हम बुलबुले हैं उसकी वो गुल सितां हमारा। गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मौके पर तारापुर अनुमंडल के असरगंज एवं तारापुर के सरकारी, व प्राइवेट स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया था। जहां पारामाउंट एकेडमी तारापुर की छात्रा निशा कुमारी एवं दीपांशी ने कव्वाली गीत की प्रस्तुति कर लोगों को खूब झुमाया तत्पश्चात पुरस्कार वितरण के मौके पर प्रथम पुरस्कार लेने में भी सफलता हासिल की। वहीं दूसरी ओर मदर टेरेसा असरगंज की छात्रा ने भी झांसी की रानी भक्ति गीत गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया, इन्हें भी सॉन्ग गीत की सूची में प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया। इस तरह केजीबीभी प्राइवेट स्कूल असरगंज की छात्रा अंजलि ने नृत्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त की। प्रैक्टिकल पाठशाला एवं स्टार एजुकेशन तारापुर के छात्र एवं छात्राएं भी बेहतर प्रस्तुति कर प्रथम एवं द्वितीय तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। बता दे कि सभी उसे स्कूली बच्चों के बीच कार्यक्रम के बाद पारितोषिक वितरण अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार डीएसपी सिंधु शेखर सिंह जिला परिषद सदस्य पिंकी कुमारी समाजसेवी चंद्रर सिंह राकेश जितेंद्र कुशवाहा हरे कृष्णा वर्मा मोहम्मद भोलू मोहम्मद इमरान त्यागी लोगों द्वारा सामूहिक रूप से बच्चों के बीच किया गया। एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में रात ज्यों ज्यों ढलता गया दर्शन दरगाह में बैठे सभी लोगों ने कार्यक्रम का अंत तक भरपूर आनंद उठाया। समारोह के आसपास एवं शहर में पुरी चाक-चौबंद व्यवस्था थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने संभाल रखा था। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार सहित हजारों से अधिक आसपास के लोग कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे।

बकरी चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा

भागलपुर। इन दिनों जिलेभर के ग्रामीण इलाके में मवेशी व बकड़ी चोरी किये जाने का लगातार मामला सामने आ रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के टुटा पुल के समीप एक कार में बकड़ी को चोरी कर ले जा रहें दो चोर को ग्रामीणों ने रंगेहाथ धरदबोचा है। वही पकड़ाये चोर की ग्रामीणों ने जमकर धुनाई कर मामले की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को सौंप दिया है। वही बकड़ी चोरी के आरोप में पकड़ाये चोर की पहचान मो. इमयान व मो. छोटू साकिन हबीबपुर के रूप में बताया जा रहा है। वही मामले को लेकर बताया जा रहा है कि गोराडीह इलाके से कई बकरियों की चोरी कर कार में लोड कर भाग रहा था। वही चोर गिरोह द्वारा तेजी व लापरवाही से कार लेकर भागने पर पुलिस को कार में शराब की खेंप होने की शंसय हुआ था। जिसके बाद गोराडीह पुलिस ने पीछा किया, लेकिन चोरों ने तेजी से गाड़ी भगाते हुए जगदीशपुर क्षेत्र इलाके में प्रवेश कर भागलपुर की तरफ भागने लगा था। इसी बीच जगदीशपुर पुलिस को भी संबंधित कार को लेकर सूचना दिया गई, जिसके बाद जगदीशपुर पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए त्वरित संबंधित जानकारी बायपास थाना को दी।

बैठक में अधिकारी दिखे नदारत, नाराज जनप्रतिनिधियों ने कांटा बबाल

- समिति सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार कर जमकर किया विरोध प्रदर्शन
- उपप्रमुख ने प्रखंड प्रमुख के पुत्र पर लगाया गंभीर आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। नवगछिया प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन प्रांगण में पंचायत समिति सदस्यों की एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक पूरी तरह से हंगामेंदार माहौल में बनी रही थी। इस दौरान तीन प्रखंड मुख्यालय के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिसको लेकर सभी पंचायत समिति सदस्यों ने जमकर बवाल काटा है। इस क्रम में पंचायत समिति सदस्यों का कहना था कि एक भी ऐसी बैठक नहीं हुई है जिसमें पूर्ण रूप से अधिकारी मौजूद न हो और ना ही वैसे संबंधित अधिकारियों के कार्य रवैये पर कोई कार्रवाई होती है। बता दे कि नवगछिया प्रखंड मुख्यालय में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी गोपाल कृष्णन, क्रयाक्रम पदाधिकारी और अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को छोड़कर कोई भी पदाधिकारी बैठक में मौजूद नहीं थे। वही बैठक की कार्रवाई शुरू होने के बाद मौजूद उप प्रमुख गौतम कुमार ने बैठक का विरोध करते हुए कहा कि बैठक में एक भी संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारी मीटिंग में शामिल नहीं होते और न ही समस्यानुसार पहुंचते हैं। जिससे अन्य महत्वकांक्षी योजना को लेकर चर्चा नदारत चली आ रही हैं और वही जब पदाधिकारी के समक्ष संबंधी मामले को लेकर शिकायत दर्ज भी नहीं जाती है। ऐसे में बैठक में आज भी कोई सहमति नहीं बन पाई है। जिसके कारण आधे से अधिक पंचायत समिति सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन किया है। वही क्षेत्र के पंचायत समिति सदस्यों और उप प्रमुख ने सामुहिक रूप से कहा है कि बैठक में प्रमुख पुत्र मानकेश्वर सिंह उर्फ मंटू बैठक के क्रम में अपनी मनमानी करते चले आ रहे हैं।

वही उनके विरुद्ध कई अपराधी मामले दर्ज है। वही आज के बैठक में भी किसी भी प्रकार का कोई योजना या मुद्दा पर चर्चा नहीं किया गया है, वही रजिस्टर के रूप में एक दो सदस्यों द्वारा सिग्नेचर कर रजिस्टर अपने साथ घर लेकर चले गए और रजिस्टर को बैठक के अंत में बंद नहीं किया जाता है। वही उप प्रमुख गौतम कुमार ने कहा कि सीडीपीओ चंचला कुमारी द्वारा क्षेत्र के किसी भी संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर जायजा नहीं लिया जाता है। वही उनके द्वारा विभागीय स्तर पर कार्यालय में बैठकर रजिस्टर पर ही संबंधित केंद्र को चलाया जा रहा है। वही उनके द्वारा हर एक केंद्र से 3 हजार की राशि अवैध रूप से वसूली की जाती रही है। वही उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सीडीपीओ द्वारा अपने मोबाइल में लगे रहने में व्यस्त देखने को मिलती है, वही कार्यालय में पहुंचने पर न हीं मिलती है और न ही कोई बात करती हैं। वह सिर्फ अपने मॉडलिंग रील बनाने में ही व्यस्त रहती है। वही मामले को लेकर नवगछिया प्रखंड विकास पदाधिकारी गोपाल कृष्ण ने कहा है कि बैठक में कई पदाधिकारी अनुपस्थित रहे है। इस मामले को लेकर सूचना प्राप्त हुई है, जिससे संबंधित जानकारी को लेकर भी संबंधित पदाधिकारी से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा, कि आखिर किस परिस्थिति में वह बैठक में शामिल नहीं रही थी।

डीएम के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री ने अस्पताल का लिया जायजा

- जल्द ही जिलावासियों को सुपर स्पेसलिटी अस्पताल सुविधा से होंगे लाभान्वित: केंद्रीय राज्य मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत बारारी में करीब 200 करोड़ रुपए की लागत से निमार्णाधीन सुपर स्पेसलिटी हॉस्पीटल की सुविधा जल्द ही भागलपुर जिलावासियों को मिलेगी। उक्त बात की जानकारी केन्द्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी के साथ संयुक्त रूप से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में अस्पताल के कार्य गतिविधियों का जायजा लेने के साथ अस्पताल भवन निर्माण की कार्य स्थिति की समीक्षा की। वही संबंधित विभाग के अधिकारियों को अस्पताल भवन निर्माण की सभी कार्य जल्द से जल्द सम्पन्न कराने के साथ साथ जल्द ही वांछित फर्नीचर एवं आवश्यक तैयारी कर लेने का संबंधित एजेंसी को सख्त निर्देश दिये है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा अवगत कराते हुए बताया गया कि आगामी 25 फरवरी तक इसके उद्घाटन केंद्रीय स्तर से किये जाने की संभावना है।

इस अवसर पर माननीय मंत्री व जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में संयुक्त रूप में वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर अस्पताल अधीक्षक प्रो./डॉ. उदय नारायण सिंह, प्रो./डॉ. उदय शंकर भगत, डॉ. महेश कुमार सहित कई अन्य चिकित्सा विभाग के पदाधिकारियों की मौजूदगी दर्ज रही थी।

पिकअप वाहन चुराकर भाग रहे अपराधी चढ़ा पुलिस के हत्थे: एसपी

- 6 घंटे के अंदर चोरी हुई पिकअप वाहन को बेगूसराय से किया बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर। विगत 14 फरवरी की सुबह नवगछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मुसहरी पट्टी से पिकअप वाहन चोरी होने की सूचना स्थानीय नवगछिया थानाध्यक्ष रवि शंकर सिंह को दूरभाष पर प्राप्त हुई थी। वही उक्त प्राप्त सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष द्वारा त्वरित कार्यवाई करते हुए 6 घंटे के भीतर चोरी के पिकअप वाहन को बरामदगी करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त मामले को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक पिकप वाहन को ले भाग रहे एक अपराधकर्मी को बेगूसराय स्थित एक ढाबे पर दबिश देकर मौके से अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। मामले को लेकर एसपी कार्यालय नवगछिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गिरफ्तार चोर नवगछिया के इस्माईलपुर थाना क्षेत्र के छोटी परबत्ता निवासी पप्पू मंडल पिता सियाराम मंडल के रूप में पहचान बतायी गई है। इस संबंध में नवगछिया थाना वाहन चोरी संबंधित कांड दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर क्यूज प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

- प्रतियोगिता का आयोजन जय मां सरस्वती क्यूज बजरंगबली नगर की ओर से आयोजित की गई
- इस प्रतियोगिता में कल 95 छात्र-छात्राओं ने भाग लिए

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। श्री हंस वाहिनी नाट्य कला परिषद सार्वजनिक सरस्वती पूजा की बजरंगबली नगर की ओर से सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर प्रतियोगिता का छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास को विकसित करने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को कमेटी के द्वारा पुरस्कृत कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया गया। प्रतियोगिता के प्रथम वित्तीय तथा तृतीय प्रतिभागी को श्री हंस वाहिनी नाट्य कला परिषद के निर्देश डॉ फेंकन मंडल के द्वारा पुरस्कार का वितरण किया गया। इस प्रतियोगिता में बजरंगबली नगर के शिक्षित युवाओं ने चढ़ बढ़कर भाग लिए। निर्णायक की भूमिका शिक्षक जगधार कुमार द्वारा किया गया वही प्रतियोगिता सहयोगी राहुल कुमार, श्री राम कुमार, मिथिलेश कुमार, संतोष कुमार, प्रदीप कुमार, श्रीकांत कुमार सहित दर्जनों बजरंगबली नगर के युवा ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सरस्वती पूजा के मौके पर सामाजिक प्रतिभा को निखारने हेतु नाटक का मंचन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर सदर प्रखंड अंतर्गत नौवागढ़ी दक्षिणी पंचायत के श्री हंस वाहिनी नाट्य कला परिषद बजरंगबली नगर की ओर से सामाजिक प्रतिभा को भी बिखराने हेतु गरीबों की चीख एवं दौलत और इनाम नमक नाटक की प्रस्तुति की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सेवा निर्मित सैनिक जितेंद्र कुमार मंडल एवं राज जिला अध्यक्ष त्रिलोकी नारायण शर्मा प्रखंड अध्यक्ष अशोक चौधरी द्वारा किया गया। इस मौके पर नाटक के निर्देश डॉ फेंकन मंडल मौजूद थे। मंच संचालन पत्रकार विनोद शर्मा कर रहे थे। वहीं सह निर्देशक जय किशोर मस्ताना, तथा मंच निर्देशक रामजी कुमार रंजन उर्फ शहंशाह के द्वारा अपनी भूमिका निभा रहे थे। कार्यक्रम में अपनी कला

को प्रस्तुत कर रहे नन्हे मुन्ने बच्चे गौरव कुमार, शिव प्रसाद, रोहित कुमार, जवाहर कुमार, शत्रुघन कुमार, कुंदन कुमार, रामप्रवेश कुमार, रणवीर कुमार, मिथिलेश कुमार, अन्य दर्जनों युवाओं ने अपनी कला को प्रस्तुत किया।

फरारी निलंबित चौकीदार चढ़ा पुलिस के हत्थे

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। विगत दिनों भवानीपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चकरामी गांव स्थित बजरंग बली मंदिर के समीप बुधवार की देर शाम एक व्यक्ति द्वारा हंगामा करने व हथियार लेकर घूमने व बीच रास्ते पर खड़े होकर आनेजाने वाले राहगीरों व स्थानीय लोगों के बीच भय फैलाने के उद्देश्य को लेकर गालीगलौज दिये जाने का मामला सामने आया था। उक्त मामले के बाद निलंबित चौकीदार के गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों व दुकानदार के बीच भय का माहौल बना हुआ है। जिसकी सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय भवानीपुर थाना के थानाध्यक्ष महेश कुमार को गुप्त रूप में जानकारी प्राप्त हुई थी। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई के तहत थानाध्यक्ष द्वारा संबंधित थाना के गश्ती पुलिस टीम को सूचना से अवगत कराया गया था। वही संबंधित पुलिस पदाधिकारी व उसकी टीम को मामले के सत्यता की जांच व सत्यापन हेतु त्वरित कार्रवाई के तहत निर्देशित किया गया था।

वही सूचना मिलते ही संबंधित गश्त पदाधिकारी सअनि बिंदु भूषण सशस्त्र बलों के साथ सूचना स्थल बजरंबली मंदिर समीप पहुंचे। जहां पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति भागने में सफल हो गया था। वही उसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस दबिश के प्रयास करने जुटी हुई थी, इसी बीच सुनसान इलाके में एक व्यक्ति को देखा गया था तो वही पुलिस टीम द्वारा आवाज दे रोके जाने के बाद पुलिस को देख भागने का प्रयास किया जिसे मौजूद पुलिस बलों ने उक्त युवक को खदेड़कर धरदबोचा गया है। वही पुलिस द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान व पूछताछ के क्रम में चकरामी गांव के निलंबित चौकीदार मिथिलेश कुमार पिता अजय मंडल के रूप में बताया गया है।

वही पुलिस टीम द्वारा तलासी जांच के क्रम में उसके कमर से एक देशी कट्टा, जिसमे 315 बोर का एक कारतूस लोडेड बरामद किया। वही मामले को लेकर भवानीपुर ओपी थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को मेडिकल जांच के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नदी किनारे मिली मृत नवजात बच्ची

संग्रामपुर (मुंगेर)। शर्मसार हुई मां की ममता, चार दिवारी के पीछे मृत मिली नवजात बच्ची नारी के संकल्प, संस्कार एवं स्वाभिमान के सहारे परिवार में देवमय संतानें गढ़ी जाती हैं, जिससे समाज में देवमय वातावरण का निर्माण सम्भव होता है, ऐसी शास्त्रों की मान्यता है। वैदिक काल से हमारा भारत देश नारी सम्मान, नारी के प्रति पवित्र दृष्टि, सनातन परम्पराओं से ओतप्रोत नारी चेतना को पुनः-पुनः प्रतिष्ठापित करता रहा है। लेकिन नगर पंचायत संग्रामपुर में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है ' नगर पंचायत के बेलहरनी नदी पुल के समीप सड़क किनारे चारदीवारी के पीछे कपड़े में लपेटकर नवजात शिशु को बड़ी ही निर्ममता पूर्वक फेंक दिया गया है '

निजी भूमि पर जबरन सड़क बनाने वाले निगमायुक्त व महापौर पर हो कार्रवाई वरना नगर निगम का होगा घेराव : केशरी

- एनसीपी शिष्टमंडल ने प्रमंडलीय आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। निजी जमीन पर जबरन सड़क बनाने वाले निगमायुक्त निखिल धनराज निपण्णीकर एवं महापौर कुमकुम देवी द्वारा जानबूझकर गलत प्राक्कलन तैयार करने वाले निगम कर्मियों पर विभागीय कार्रवाई करते हुए सड़क बनाने और फिर उसे तोड़ने में हुए लगभग बीस लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि की वसूल किया जाना चाहिए। उपर्युक्त बातें एनसीपी के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता संजय केशरी ने पांच सदस्यीय शिष्टमंडल के साथ मुंगेर प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपने के बाद उन्होंने प्रेस प्रतिनिधि को कहा। श्री केशरी ने प्रमण्डलीय आयुक्त से मांग किया कि घोटालों के साम्राज्य के रूप में स्थापित हो चुके मुंगेर नगर निगम में ऐसे और भी घोटाले हो रहे हैं जिसकी समुचित जांच हेतु एक जांच टीम का गठन किया जाए। तभी करोड़ों रुपए की हेराफेरी उजागर हो सकेगी। उन्होंने कहा कि किसी के निजी जमीन पर जबरन सड़क बना देना यह साबित करता है कि निगमायुक्त निखिल धनराज और महापौर कुमकुम देवी को किसी नियम-कानून का भय नहीं है। इसलिए ऐसे बेलगाम भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई तो होनी ही चाहिए। उन्होंने पीड़ित राणा आदित्य सिंह को हुई शारीरिक-मानसिक और आर्थिक नुकसान के लिए निगमायुक्त निखिल धनराज निपण्णीकर और महापौर कुमकुम देवी के निजी कोष से क्षतिपूर्ति राशि दिलाने की भी मांग प्रमण्डलीय आयुक्त से किया। एनसीपी नेता संजय केशरी ने कहा कि एक सप्ताह में भ्रष्टाचारी निगमायुक्त निखिल धनराज एवं महापौर कुमकुम देवी सहित जानबूझकर गलत प्राक्कलन तैयार करने वाले निगम कर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो नगर निगम कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

ट्रेन से गिरकर एक महिला यात्री की हुई मौत

- तीन वर्षीय पुत्र का ईलाज करा पटना से पति के साथ सीमांचल एक्सप्रेस से लौट रही थी अपने घर: पति

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। बरौनी-कटिहार रेलखंड के नारायणपुर रेलवे स्टेशन के पूर्वी सम्पार पोल संख्या-79/34 समीप एक महिला की दुर्घटना का शिकार बन जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक आनंद बिहार से जोगबनी जाने वाली ट्रेन गाड़ी संख्या 12488 डाउन सीमांचल एक्सप्रेस से गिरकर एक महिला की मौत हो गई हैं। मृतक महिला की पहचान सुपौल जिला के छातापुर थाना परिक्षेत्र स्थित कटही मोहम्मदगंज वार्ड न.10 के ईश्वर कुमार साह की 20 बर्षीय पत्न ी निशा कुमारी के रूप में बतायी जा रही है। वही घटना को लेकर मृतक महिला के पति ईश्वर कुमार साह पिता शिवकुमार साह ने बताया कि अपने 3 वर्षीय पुत्र राजदीप प्रताप का ईलाज पटना के राजेश्वर हॉस्पिटल में कराकर सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन से घर लौट रहे थे। वही पुत्र राजदीप के मुह का जन्मजात सर्जरी राजेश्वर हॉस्पिटल पटना में कराने के बाद रात करीब 11:15 बजे पाटलिपुत्रा रेलवे स्टेशन पर सीमांचन एक्सप्रेस पर चढ़े थे। वही उन्होंने बताया कि ट्रेन पर पूरी रात दोनों पति-पत्नी बच्चे को लेकर बैठे रहे इसी क्रम में ट्रेन खगरिया से खुलने के बाद नवगछिया में रुकने वाली थी। इससे पहले ही नारायणपुर रेलवे स्टेशन के पूर्वी सम्पार समीप अचानक मेरी पत्नी निशा ने बाथरूम जाने की बात कहकर पुत्र राजदीप को पति के गोद में देकर बाथरूम की ओर चली गई। वही पति ईश्वर ने बताया कि कुछ समय बीत जाने के बाद ज्ञात हुआ कि निशा बाथरूम से नही लौटी तो जिसके बाद वे उसे ढ़ूंढने लगे तो देखा कि मेरी पत्नी निशा बाथरूम में नही थी, वही बाथरूम के सामने बोगी का गेट भी खुला था।

वही ईश्वर साह को समझते देर नही लगी कि निशा चलती ट्रेन से नीचे गिर चुकी है, वही बोगी में मौजूद अन्य यात्रियों ने चैन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया। जिसके बाद बिहपुर रेल पुलिस को सूचना देते हुए ईश्वर साह बच्चे को गोद में ले पत्नी निशा को ढूढने के लिए दौड़ते हुए पहुंचे तो देखा की रेल ट्रैक के किनारे निशा मृत पड़ी थी। वही घटना की जानकारी पाकर बिहपुर रेल जीआरपी थानाध्यक्ष सुदामा पासवान घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक प्रक्रिया के बाद मृतिका निशा के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल नवगछिया भेज दिया गया। विगत 9 फरवरी को बच्चे के इलाज के लिए घर से निकले थे पति-पत्नी, मृतक महिला के पति ईश्वर साह ने बताया कि विगत 9 फरवरी को अपनी पत्नी व बच्चे के साथ सड़क मार्ग से बस से राजेश्वरी हॉस्पिटल गए थे। वही उन्होंने बताया कि जाते समय बस पर निशा की तबियत बिगड़ जाने के कारण समस्या हुई थी। जिसके बाद निशा के आग्रह पर ही पीड़ित पति ईश्वर अपने समस्त परिवार के साथ ट्रेन से अपने घर लौट रहे थे। वही मृतका का मायके मानगंज के स्व. महेंद्र साह की बेटी बतायी जा रही है। मृत निशा देवी को दो पुत्र आदित्य प्रताप 5 वर्ष और राजदीप प्रताप 3 वर्ष है। वही दोनो बच्चे के सिर से माँ का साया हट जाने के कारण पूरा परिवार मर्माहत स्थिति में चल रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 2017 में ईश्वर की निशा से शादी हुई थी। घटना के बाद पति व पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है।

भारी मात्रा में अवैध हथियार व कारतूस सहित अन्य सामान की हुई बरामदगी: एसएसपी

- अपराध की बड़ी योजना हुई नाकाम पुलिस ने तीन तस्कर को मौके पर किया गिरफ्तार

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। इन दिनों जिले के शहरी क्षेत्र इलाके से सटे कई थाना क्षेत्र इलाके में पुलिस लगातार अवैध हथियार व हथियार निर्माण हेतु उपयोगी मशीनो सहित कल पुर्जे व औजार को लगातार बरामद कर रही है। क्षेत्र के कई इलाकों में पुलिस लगातार छापेमारी कर भारी मात्रा में हथियार बरामद कर तस्करों को पकड़ने की कवायद में जुटी हुई है। इसी कड़ी में वरीय पुलिस अधीक्षक को मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत इलाके में अवैध हथियार के बारे में गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। उक्त प्राप्त सूचना के सत्यापन व अग्रतन कार्रवाई किये जाने हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी में व पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। वही गठित टीम द्वारा मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर खुर्द मोहल्ले के राजा बाबू निखिल रंजन व मणिकांत चौधरी के घर छापेमारी की गई। जहाँ पुलिस टीम ने संबंधित नामजद तीनों अभियुक्तों के घर से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किया गया है, वही पुलिस पूछताछ के क्रम में पता चला कि यह तीनों हथियार तस्करी का काम करते चले आ रहे हैं। वही पुलिस के गिरफ्त में आए अपराधियों में राजा बाबू, निखिल रंजन व मणिकांत चौधरी से अभी भी पूछताछ जारी है। वहीं पुलिस टीम ने तीनों के घर से दो नाली बंदूक, एक नाली बंदूक, राइफल, देसी कट्टा, पिस्टल, बिना बट का एयर गन व कई कारतूस सहित हथियार बनाने के उपयोगी सामानो की बरामदगी की है। वही मामले की जानकारी को लेकर एसएसपी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के क्रम में एसएसपी आनंद कुमार ने दी है। वही उन्होंने बताया कि दूसरी तरफ जिला पुलिस द्वारा शहरी क्षेत्र में नशीले पदार्थ की बरामदगी व उनके बाजार को ध्वस्त करने की दिशा में लगातार चरस, ब्राउन शुगर व गांजा आदि के विरुद्ध पुलिस उपाधीक्षक नगर के निगरानी में अभियान लगातार चलाए जा रहा है। इसी कड़ी में कोतवाली थाना पुलिस द्वारा स्टेशन चौक के पास छापेमारी अभियान चलाया गया। जहां पुलिस ने एक व्यक्ति को 50 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया है। वही पुलिस ने गिरफ्तार युवक की पहचान जोगासर थाना क्षेत्र अंतर्गत बूढ़ानाथ का अशोक मंडल के पुत्र अंकित कुमार के रूप में की है। वही पुलिस द्वारा तलासी के क्रम में उसके पास से 50 ग्राम ब्राउन शुगर और एक हजार साठ रुपया के साथ रंगे हाथों की रफ्तार कर लिया है। वही उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र इलाके में भी अभियान जारी है।

विलियमसन के शतक से जीता न्यूजीलैंड

दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को दी मात

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड)। केन विलियमसन के नाबाद शतक और विल यंग के साथ उनकी अटूट शतकीय साझेदारी से न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर उसके खिलाफ पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीती। न्यूजीलैंड ने दो मैच की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। विलियमसन ने 260 गेंद में 12 चौकों और दो छक्कों से 133 रन की नाबाद पारी खेलने के अलावा विल यंग (134 गेंद में नाबाद 60, आठ चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 152 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड को तीन विकेट पर 269 रन पर पहुंचाकर जीतकर दिलाई। चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज करने के दौरान यह न्यूजीलैंड का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। विलियमसन ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में भी शतक जड़ा था जिसे न्यूजीलैंड ने 281 रन से जीता था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 31 रन की बढ़त हासिल की थी और फिर दूसरी पारी में 235 रन बनाकर न्यूजीलैंड को 267 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन की शुरुआत एक विकेट पर 40 रन से की। मेजबान टीम को जीत के लिए इस समय 227 रन जबकि दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट की दरकार थी। विलियमसन ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने अपना 32वां टेस्ट शतक 203 गेंद में पूरा किया और इस दौरान रचिन रविंद्र (20) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन भी जोड़े। ऑफ स्पिनर डेन पीट ने जब रविंद्र को आउट करके न्यूजीलैंछ का स्कोर तीन विकेट पर 117 रन किया तब मेजबान टीम को 150 रन की और जरूरत थी। विलियमसन ने इसके बाद यंग के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वह ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के साथ 32 शतक के आंकड़े तक पहुंचने वाले सिर्फ दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हैं। विलियमसन ने 172वीं पारी में 32वां शतक जड़ा और वह स्मिथ, रिकी पोंटिंग, सचिन तेंदुलकर, यूनिस खान, सुनील गावस्कर, कुमार संगकारा, जाक कैलिस और ब्रायन लारा जैसे खिलाड़ियों से कम पारियों में इस उपलब्धि को हासिल करने में सफल रहे। दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज विलियमसन ने श्रृंखला में चार पारियों में तीन शतक की मदद से 134 की औसत से 403 रन बनाए।

केन विलियमसन का टेस्ट में लगातार 7वां शतक, स्मिथ, गावस्कर, पोंटिंग जैसे दिग्गजों को छोड़ा पीछे

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन शुक्रवार को हैमिल्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान 32 टेस्ट शतक तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। इसी के साथ ही विलियमसन ने ग्रीम स्मिथ, सुनील गावस्कर, रिकी पोंटिंग और रामनरेश सरवन जैसे महान खिलाड़ियों को भी पछाड़ दिया है। न्यूजीलैंड के 267 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए विलियमसन ने 203 गेंदों में 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज ने अब अपने पिछले सात टेस्ट मैचों में सात शतक बनाए हैं। माउंट माउंगानुई में श्रृंखला के पहले टेस्ट में 33 वर्षीय विलियमसन ने दोनों पारियों (118 और 109) में शतक लगाए थे और कीवी टीम ने अनुभवहीन प्रोटियाज लाइनअप पर 281 रन की जीत दर्ज की थी। विलियमसन ने ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ (174 पारी) को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 32 टेस्ट शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए जिन्होंने अपनी 172वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की। रिकी पोंटिंग (176) और सचिन तेंदुलकर (179) इस सूची में अगले स्थान पर हैं। विलियमसन ने टेस्ट मैच की चौथी पारी में सर्वाधिक शतकों के मामले में पाकिस्तान के बल्लेबाज यूनिस खान के शतक (पांच) की भी बराबरी की। इस पारी के साथ विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छठा शतक जड़ा और न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के जैक्स कैलिस की बराबरी भी कर ली।

न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट में सर्वाधिक शतक

केन विलियमसन – 32*
रॉस टेलर – 19

टेस्ट क्रिकेट में चौथी पारी में केन विलियमसन

पारी– 26
रन– 1040
औसत – 57.77
शतक – 5
अर्द्धशतक – 4

फैब 4 में सर्वाधिक टेस्ट शतक

विलियमसन – 32* (98 मैच)
स्मिथ – 32 (107 मैच)
रूट – 30 (138 मैच)
कोहली – 29 (113 मैच)

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सक्रिय खिलाड़ियों में सर्वाधिक शतक

1) विराट कोहली – 80
2) डेविड वार्नर – 49
3) रोहित शर्मा – 47
4) जो रूट – 46
5) केन विलियमसन – 45*

सबसे तेज 32 टेस्ट शतक (पारी) तक पहुंचने वाले बल्लेबाज

172 – केन विलियमसन
174– स्टीव स्मिथ
176 – रिकी पोंटिंग
179– सचिन तेंदुलकर
193– यूनिस खान

टेस्ट क्रिकेट में चौथी पारी में सर्वाधिक शतक

5– केन विलियमसन
5– यूनिस खान
4– ग्रीम स्मिथ, सुनील गावस्कर, रिकी पोंटिंग, रामनरेश सरवन

यह सब चलता रहता है, सरफराज खान ने अपने रनआउट पर खुलकर की बात

राजकोट (गुजरात)। दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज खान ने पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में अपने रन आउट पर खुलकर बात की। इंग्लैंड के खिलाफ निरंजन शाह स्टेडियम में गुरुवार को मैच के पहले दिन सरफराज को रविंद्र जडेजा से मिले गलत कॉल की वजह से रन आउट होना पड़ा। अपने पदार्पण मैच में छठे नंबर पर आते हुए सरफराज ने 66 गेंदों में 62 रनों की पारी खेली। सरफराज से जब इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने किसी की परवाह किए बिना अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा, थोड़ा गलत संचार था। यह खेल का हिस्सा है। कभी-कभी रन-आउट होता है, कभी-कभी रन होता है, और कभी-कभी नहीं होता है। तो यह सब चलता रहता है। उन्होंने (जडेजा) कहा कि थोड़ा-बहुत गलतफहमी थी और मैंने कहा कि यह ठीक है। ऐसा होता है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है।

जडेजा ने दूर की चिंता

- 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने पदार्पण में मदद करने के लिए हरफनमौला खिलाड़ी को धन्यवाद दिया। सरफराज अपनी पारी की पहली कुछ गेंदों में आशंकित थे, यहां तक कि स्लॉग स्वीप भी कर रहे थे। सरफराज ने दावा किया कि जडेजा ने उनकी चिंता को शांत किया और उन्हें लंबी पारी खेलने की सलाह दी।
- उन्होंने कहा, जब मैं जडेजा के साथ बल्लेबाजी कर रहा था, तो मैंने उनसे बातचीत करते हुए खेलने के लिए कहा। मुझे इसी तरह खेलना पसंद है। उन्होंने मेरी बहुत मदद की और मेरा समर्थन किया। उन्होंने मेरी घबराहट पर काबू पाने में मेरी मदद की और मुझे जितना हो सके उतना समय बिताने के लिए कहा। क्रीज पर हर चीज को समझना संभव है। मैंने यही किया और रन बनाए।

सरफराज की इनिंग से इम्प्रैस हुए कुंबले

कहा- ऐसा कभी नहीं लगा कि यह उनकी पहली टेस्ट पारी है

राजकोट। भारत के महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन नए बल्लेबाज सरफराज खान की 62 रनों की पारी से प्रभावित हुए, उन्होंने कहा कि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज मेहमान टीम के स्पिनरों पर हावी रहा और उन्होंने आश्वस्त होकर क्रीज पर प्रदर्शन किया। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सरफराज ने अपनी पहली टेस्ट पारी में 66 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 62 रनों की शानदार पारी खेली। कुंबले ने कहा, ऐसा कभी नहीं लगा कि यह उनकी पहली टेस्ट पारी है। हम सभी उनकी प्रतिभा के बारे में जानते हैं और हमने उन्हें घरेलू स्तर पर स्पिन पर दबदबा बनाते देखा है। लेकिन टेस्ट स्तर पर आपको पूरी तरह से अलग मानसिकता की जरूरत होती है और उस दृष्टिकोण को अपनाना और उन्मुक्त पारी खेलना शानदार था। निश्चित रूप से मार्क वुड द्वारा उनका परीक्षण किया गया था, लेकिन स्पिनरों पर हावी होना उत्कृष्ट था। और जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की - एक गेंद पर एक रन से ज्यादा, शॉट चयन के साथ वह अपने दृष्टिकोण में बहुत आश्वस्त थे। जब उन्होंने गेंदबाजों को निशाने पर लिया, तो अगली गेंद को बैकफुट पर खेला ताकि एक रन लिया जा सके और स्ट्राइक से बाहर जाया जा सके।

पांचवें विकेट के लिए रवींद्र जड़ेजा (नाबाद 110) के साथ 77 रन की साझेदारी में उनका योगदान 62 रन का था, जो किसी नए खिलाड़ी के लिए एक महत्वपूर्ण पारी है। कुंबले ने कहा, हां, सरफराज साझेदारी पर हावी था, लेकिन मैंने सोचा, जडेजा एक खोल में घुस गया और यह कभी-कभी एक मानसिकता बनाता है जहां आप निर्णय लेने के बारे में स्पष्ट नहीं होते हैं। शायद, यही एक कारण और संभावना थी कि मैंने अपने डेब्यू रन-आउट का दुर्भाग्य सरफराज को दे दिया!

उन्होंने कहा, उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और ऐसे समय में आए जब भारत काफी परेशानी में था। उन्हें सरफराज खान से पहले प्रमोट किया गया और फिर कप्तान रोहित शर्मा के साथ उन्होंने शानदार साझेदारी की। फिर एक बार जब रोहित आउट हो गए तो उन्होंने जारी रखा और वह कल भी नई शुरुआत करने के लिए क्रीज पर मौजूद हैं। इसलिए, जडेजा के लिए एक और शतक - जैसा कि हम पिछले कुछ वर्षों से चर्चा कर रहे हैं, वह न केवल गेंद से बल्कि बल्ले से भी उत्कृष्ट रहे हैं।

जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की...

मांजरेकर ने सरफराज के आक्रामक रवैये की सराहना की

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने निरंजन शाह स्टेडियम में पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पारी के दौरान आक्रामक रुख के लिए सरफराज खान की सराहना की। सरफराज की कड़ी मेहनत तब सफल हुई जब उन्होंने अपने पदार्पण मैच में छठे नंबर पर आते हुए 66 गेंदों में 62 रनों की पारी खेली। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और एक बड़ा स्कोर बनाने की ओर अग्रसर दिखे। हालांकि स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा के साथ गलतफहमी के कारण उनकी शानदार पहली पारी रन आउट के साथ समाप्त हुई। कमेंटेटर ने दावा किया कि ऐसा लग रहा था कि दाएं हाथ का बल्लेबाज अपनी पारी के दौरान असाधारण था। उन्होंने कहा, असाधारण। उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह अतीत के किसी खिलाड़ी की तरह थी जो स्पिन खेलने के तरीके से वर्तमान में आ गया है। यह दुखती आंखों, लैंथ के बारे में उनकी परख और जिस तरह से उन्होंने सबसे कम उम्र में अच्छी गेंदों का इस्तेमाल किया, वह देखने लायक था। बल्लेबाज सिर्फ ब्लॉक करेंगे और डॉट बॉल बनाएंगे। लेकिन वह सिंगल ले रहे थे, स्पिन के खिलाफ शानदार थे और बैकफुट पर भी खेल रहे थे। 58 वर्षीय ने आगे कहा कि सरफराज जिस तरह से खेलते हैं वह बहुत पुराने जमाने का है। मांजरेकर ने कहा, यहां तक कि जब उन्होंने स्पिन को उछाला, तो यह पूर्व नियोजित नहीं था। वह गेंद की ओर गए और आखिरी मिनट में गेंद को हवा में मारने का फैसला किया, इसलिए यह एक चिप शॉट की तरह था।

बेन डकेट का शतक, इंग्लैंड मजबूत स्थिति में

भारत ने राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा (131) और रविंद्र जडेजा (112) के शतकों की बदौलत पहली पारी में 445 रन बनाए। मार्क वुड ने चार विकेट अपने नाम किए जबकि रेहान अहमद को दूसरे दिन 2 विकेट मिले। इंग्लैंड ने 2 विकेट गंवाकर बेन डकेट की शतकीय पारी की बदौलत दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 207 रन बनाए। डकेट ने 118 गेंदों पर 133 रन बनाए जिसमें 21 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

टीम इंडिया की शुरूआत खराब रही। इंगलैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने उछाल भरी पिच पर शुरूआत से ही अटैक किया और यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के विकेट निकाल लिए। इन दोनों बल्लेबाजों ने विशाखापत्तनम टेस्ट में क्रमशः दोहरा शतक और शतक लगाया था। इसके बाद डैब्यू टेस्ट खेल रहे रजत पाटीदार 15 गेंदों पर 5 रन बनाकर आऊट हो गए। कप्तान रोहित ने इसके बाद रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। रोहित ने शतक लगाया और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोहित ने 196 गेंदों पर 14 चौके और 3 छक्कों की मदद से 131 रन बनाए। वह मार्क वुड का शिकार बने। भारतीय टीम की ओर से जडेजा ने 198 गेंदों पर शतक जमाया तो वहीं, सरफराज भी तेजतर्रार अर्धशतक लगाने में सफल रहे। सरफराज 66 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की मदद से 62 रन बनाने में कामयाब रहे।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 326/5 के स्कोर के आगे खेलते हुए 9 विकेट के नुकसान पर 347 रन बना लिए हैं। कुलदीप यादव (4) जेम्स एंडरसन के हाथों कैच आउट हुए जबकि दिन का दूसरा विकेट जडेजा (225 गेंदों पर 112 रन, 9 चौके और 2 छक्के) का गिरा जो शतकीय पारी खेलकर पवेलियन लौटे। जडेजा रूट की गेंद पर उन्हीं के हाथों कैच आउट हुए। अश्विन 37 रन पर रेहान अहमद का शिकार बने और एंडरसन को कैच थमा बैठे। इसके बाद रेहान ने ध्रुव जुरेल (46) को अपना शिकार बनाया जो अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए।

यह 3 रिकॉर्ड बन सकते हैं

- बेन स्टोक्स गैरी सोबर्स और जैक्स कैलिस के साथ इस प्रारूप में 6000 रन और 200 विकेट का डबल पूरा करने से तीन विकेट दूर हैं।
- रविचंद्रन अश्विन इस फॉर्मेट में 500 लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बनने से 1 विकेट दूर हैं।
- इंगलैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी 700 विकेट पूरे करने से पांच विकेट ही दूर हैं। उनका आगामी लक्ष्य शेन वार्नर (708 विकेट) को पीछे छोड़ना होगा।

हांगकांग को हराकर भारतीय महिला टीम ने एतिहासिक पदक सुनिश्चित किया

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग पर 3-0 की जीत के साथ बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) में अपना पहला पदक पक्का किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन को हराकर ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के बाद भारत ने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, अस्मिता चालिहा और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो की युगल जोड़ी की जीत के दम पर हांगकांग को हराया।

अब भारत का मुकाबला जापान और चीन के बीच होने वाले एक अन्य क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी करते हुए सिंधू ने अपने से निचली रैंकिंग वाली लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-7, 16-21, 21-12 से जीत दर्ज की। इसके बाद तनीषा और अश्विनी की

महिला युगल जोड़ी ने येयुंग एनगा टिंग और येयुंग पुई लैम की दुनिया की 18वें नंबर की जोड़ी को 35 मिनट में 21-10, 21-14 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

अस्मिता ने येयुंग सुम यी पर 21-12, 21-13 की आसान जीत से भारत की जीत सुनिश्चित की और टीम के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का किया। टीम के साथ मौजूद पूर्व राष्ट्रीय कोच विमल कुमार ने शाह आलम से पीटीआई को बताया, ''यह महिला टीम के लिए एक सहज परिणाम है। मैं उनके प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''थोड़ा ड्रिफ्ट था इसलिए शुरू में शटल को नियंत्रित करना मुश्किल था क्योंकि शटल बाहर जा रही थी। ड्रिफ्ट के कारण एक छोर से मुश्किल होने के कारण सिंधू को थोड़ा जूझना पड़ा लेकिन यह एक अच्छा परिणाम है, हम सेमीफाइनल में हैं।''

दुनिया की 77वें नंबर की खिलाड़ी लो के खिलाफ सिंधू ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले गेम में 11-1 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधू और लो के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और दोनों खिलाड़ी 10-10 पर बराबरी पर थीं। हांगकांग की खिलाड़ी ने ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाई लेकिन खेल दोबारा शुरू होने पर लगातार चार अंक के साथ बढ़त 15-10 कर दी। सिंधू को शटल को नियंत्रित करने में परेशानी हो रही थी और उन्होंने कई शॉट नेट पर और बाहर मारे। लो ने भी इस बीच कुछ अच्छे स्मैश लगाए और दूसरा गेम जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया।

पिच पर दौड़े बल्लेबाज, भारत पर लगी पेनल्टी, जानें क्या कहता है नियम

राजकोट। भारत पर शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दौरान उसके बल्लेबाजों के पिच के बीच में दौड़ने के दूसरे अपराध के लिए पांच रन का जुर्माना लगाया गया। इस पेनल्टी का मतलब है कि इंग्लैंड अपनी पहली पारी की शुरुआत कोई भी गेंद फेंके जाने से पहले बिना विकेट खोए पांच रन से करेगा। ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन के पिच के बीच में दौड़ने के कारण भारत पर जुर्माना लगा। मैदानी अंपायर जोएल विल्सन ने अश्विन को फटकार लगाई। दूसरे दिन के खेल के दौरान भारतीय पारी के 102वें ओवर की तीसरी गेंद के बाद विल्सन को पिच के बीच में दौड़ने के लिए अश्विन के साथ बातचीत करते देखा गया। इससे पहले रविंद्र जडेजा ने भी पहले दिन के खेल के दौरान

ऐसा किया था। अश्विन ने रेहान अहमद की गेंद को खेला और बिना यह समझे कि वह कहां दौड़ रहे हैं तुरंत एक रन लेने के लिए दौड़ पड़े।

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को डिटेक्ट हुआ कैंसर, इलाज के लिए मांगी कोर्ट से जमानत

मुंबई एजेंसी।
मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को कैंसर होने की बात सामने आई है। ये जानकारी सामने आने के बाद गुरुवार को एक विशेष अदालत के समक्ष याचिका दायर कर कैंसर बीमारी के इलाज के लिए गोयल ने अंतरिम जमानत की मांग की है।

अदालत ने गोयल की मेडिकल रिपोर्ट की जांच के लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का प्रारंभिक आदेश पारित किया क्योंकि ईडी ने उनकी अंतरिम जमानत याचिका पर जवाब देने के लिए समय मांगा था।

पिछले महीने, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामलों के विशेष न्यायाधीश एम जी देशपांडे ने गोयल को निजी डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा परीक्षण कराने की अनुमति दी थी।

अंतरिम जमानत की याचिका में जेट एयरवेज के संस्थापक गोयल ने कहा कि निजी डॉक्टरों द्वारा किए गए परीक्षण के दौरान घातक बीमारी कैंसर का पता चला। उनके मेडिकल रिकॉर्ड के अनुसार, गोयल की आंत में छोटे ट्यूमर (छोटे ट्यूमर के लिए सामान्य स्थान) हैं, जिन्हें न्यूरो एंडोक्राइन ट्यूमर (धीमी गति से बढ़ने वाला कैंसर) कहा जाता है। उन्हें गंभीर रिफ्लक्स एसोफैगिटिस के साथ लगभग 35 सेमी से 40 सेमी का हायटस हर्निया भी है, जो एक चिकित्सीय स्थिति है जो तब होती है जब पेट का ऊपरी हिस्सा डायाफ्राम के माध्यम से छाती गुहा में उभर जाता है। उनकी रिपोर्ट में मध्य और निचले अन्नप्रणाली के जंक्शन पर संकुचन का एक छोटा खंड भी सामने आया, जो बैरेट के अन्नप्रणाली का संकेत है, जो एक पूर्व-कैंसर वाली स्थिति है। गोयल के आवेदन में कहा

गया है कि उनकी बायोप्सी को हिस्टोपैथोलॉजिकल विश्लेषण और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री के लिए भेजा गया था।

याचिका में कहा गया है कि निष्कर्षों के आधार पर यह जरूरी है कि गोयल कैंसर के चरण को निर्धारित करने के लिए पीईटी स्कैन से गुजरें, जिसके आधार पर डॉक्टर सर्जरी, कीमोथेरेपी सहित उपचार की दिशा निर्धारित करने में सक्षम होंगे।

डॉक्टरों ने दी तुरंत उपचार की सलाह

याचिका में कहा गया है कि डॉक्टरों ने आवेदक के मामले में उत्पन्न होने वाली किसी भी घातक समस्या को रोकने के लिए आक्रामक और तत्काल उपचार की सलाह दी है। विशेष लोक अभियोजक सुनील गोंसाल्वेस ने प्रस्तुत किया कि ईडी के निर्देशानुसार जे जे अस्पताल का एक मेडिकल बोर्ड गठित किया जाए और गोयल के मेडिकल कागजात को राय के लिए उसके पास भेजा जाए, जिसके बाद ईडी अधिक स्पष्टता के साथ अपना जवाब प्रस्तुत करेगा। गोंसाल्वेस ने कहा कि वे (ईडी) सीधे तौर पर विभिन्न परीक्षण परिणामों और गोयल के आवेदन के साथ संलग्न मेडिकल कागजात पर भरोसा करने और राय देने और उसके अनुसार जवाब दाखिल करने के विशेषज्ञ नहीं हैं। गोयल के वकील ने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन उन्होंने कहा कि मेडिकल बोर्ड का गठन जल्द से जल्द किया जाना चाहिए ताकि प्रक्रिया में लगने वाले समय का आरोपी के स्वास्थ्य पर असर न पड़े। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने कहा कि जेजे अस्पताल के डीन से अनुरोध है कि ईडी के अनुरोध के अनुसार एक मेडिकल बोर्ड का गठन करें।

संक्षिप्त समाचार

वकीलों की सेवा उपभोक्ता संरक्षण कानून के दायरे में नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट को गुरुवार को बताया गया कि वकील या लीगल प्रैक्टिशनर डाक्टरों और अस्पतालों की तरह अपने काम का विज्ञापन नहीं कर सकते हैं और इसलिए उनकी सेवाओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत नहीं लाया जा सकता है। सुप्रीम के सामने कही ये बात एक वकील और एक डाक्टर द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बीच अंतर करते हुए बार निकायों और अन्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील नरेंद्र हुडा ने जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ के समक्ष कहा कि एक वकील का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य अदालत के प्रति है क्योंकि उसे कोर्ट में एक अधिकारी के रूप में कार्य करना होता है न कि अपने मुवक्किल के प्रति। बार काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और बार ऑफ इंडियन लायर्स जैसे बार निकायों और अन्य व्यक्तियों ने याचिकाओं के एक समूह में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के 2007 के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया है कि अधिवक्ता और उनकी सेवाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के दायरे में आती हैं। गुरुवार को इसी मामले में बहस हो रही थी। हुडा के तर्क के बाद अदालत ने कहा कि जब खराब सेवा या लापरवाही को लेकर डॉक्टर को उपभोक्ता अदालतों में लाया जा सकता है तो वकीलों पर मुकदमा क्यों नहीं चलाया जा सकता।

पूर्व सीएम जयललिता के आवास को स्मारक में बदलने का अधिनियम रद्द

चेन्नई एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के पोएस गार्डन आवास को स्मारक में बदलने के लिए 2020 में पारित एक अधिनियम को निरस्त कर दिया। तमिलनाडु पुरैची थलाइवी डा जे जयललिता मेमोरियल फाउंडेशन अधिनियम, 2020 को पूर्व अन्नाद्रमुक सुप्रीमो के निवास वेद निलयम को स्मारक में बदलने के लिए एक फाउंडेशन स्थापित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। 24 नवंबर 2021 को मद्रास हाई कोर्ट ने सरकार के फैसले को रद कर दिया था और निर्देश दिया कि दिवंगत मुख्यमंत्री के घर की चाबियां उनके कानूनी उत्तराधिकारी को सौंप दी जाएं। इसके बाद 11 दिसंबर, 2021 को चाबियां उनकी भतीजी जे दीपा को सौंप दी गई, जो मामले में याचिकाकर्ता थीं। इस प्रकार जिस उद्देश्य के लिए उपरोक्त अधिनियम लागू किया गया था वह अब मौजूद नहीं है और अधिनियम महत्वहीन हो गया है। इसलिए, सरकार ने निर्णय लिया है उक्त अधिनियम को निरस्त कर दिया जाए।

छत्तीसगढ़ में अपराधियों के लिए छोटी पड़ रही जेल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में जेल विभाग के द्वारा कैदियों की जानकारी ने सभी को हैरत में डाल दिया है। हैरान करने वाली बात यह है कि प्रदेश की 33 में से 24 जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदियों को रखा जा रहा है। यानी इससे यह पता चलता है कि दिनों-दिन अपराध का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ की जेलों की मौजूदा क्षमता 14,383 की तुलना में 18 हजार से अधिक कैदी बंद हैं। जिसकी जानकारी छत्तीसगढ़ विधानसभा में राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी है। राज्य के गृह विभाग भी संभाल रहे विजय शर्मा ने भाजपा विधायक संपत अग्रवाल के सवाल के लिखित जवाब में बताया है कि इस वर्ष 31 जनवरी तक राज्य के केंद्रीय, जिला और उप जेलों में 14,383 की क्षमता के मुकाबले 18,442 कैदी बंद थे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आगे जानकारी देते हुए यह बताया कि प्रदेश में 5 केंद्रीय जेल, 20 जिला जेल और 8 उप जेल हैं। सभी पांच केंद्रीय जेलों, 14 जिला जेलों और पांच उप जेलों सहित 24 जेलों में क्षमता से अधिक कैदी हैं। वही इसके अलावा 9 जेलों में क्षमता से कम कैदी हैं। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि रायपुर की केंद्रीय जेल में 1,586 की क्षमता के मुकाबले 3,076 कैदी हैं।

उद्धव के लिए बीजेपी के दरवाजे सदा के लिए बंद हो चुके हैं: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव का बिगुल लगभग बज चुका है। सिफीं तारीखों का ऐलान बाकी है। सियासी दल अपने-अपने समीकरण साधने में जुट गए हैं। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के एनडीए में वापसी की अटकलों के बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कह दिया है कि बीजेपी के लिए उद्धव के दरवाजे सदा के लिए बंद हो चुके हैं। फडणवीस ने कहा, उन्होंने हमें चोट पहुंचाई है। वे हमारी गलत तरीके से आलोचना करते हैं। वे प्रधानमंत्री को गालियां देते हैं। जब मन और भावनाएं आहत होती हैं तो चीजों को सुलझाना मुश्किल होता है। वहीं, अजित पवार गुट को असली एनसीपी के तौर पर मान्यता देने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्पीकर ने संविधान के अनुरूप काम किया है। उन्होंने कहा, नतीजा सामने है, कोई तनाव नहीं। मैंने सुना है कि उन्हें शरद पवार गुट को न तो पार्टी का नाम मिला और न ही चुनाव चिह्न। एक क्षेत्रीय समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री महायुति (जिसमें भाजपा, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल होगी) से होगा क्योंकि उसे विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलने की गारंटी है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि उप मुख्यमंत्री अजित पवार नीत राकांपा का गुट असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) है, और संविधान में मौजूद दल-बदल रोधी प्रावधानों का इस्तेमाल आंतरिक असहमति को दबाने के लिए नहीं किया जा सकता। अजित पवार और उनके चाचा शरद पवार द्वारा एक-दूसरे के विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज करते हुए विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने उल्लेख किया कि अजित खेमा ने जब जुलाई 2023 में महाराष्ट्र की शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल होने का फैसला किया था।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री का दावा, 70 दिनों में 25,000 नौकरियों में हुई भर्ती

हैदराबाद, एजेंसी।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को दावा किया कि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार बनने के 70 दिनों के भीतर 25,000 नौकरी पदों पर भर्ती की गई। एलबी स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में गुरुकुलम में चयनित शिक्षकों को नियुक्ति आदेश सौंपने के बाद उन्होंने यह बात कही। स्टेडियम एलबी में लगातार दूसरे दिन नियुक्ति पत्र देने का कार्यक्रम हुआ।

मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने बुधवार को 13 हजार से अधिक नवनियुक्त पुलिस सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपा था। मुख्यमंत्री

ने इससे पहले नर्सिंग अधिकारियों और सिंगरेनी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे थे। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने सरकारी विभागों में भर्ती की पूरी तरह से उपेक्षा की थी। उन्होंने टिप्पणी की कि राज्य में बीआरएस की नौकरी छूटने के बाद लोगों को तेलंगाना में नौकरियां मिलनी शुरू हो गईं।

उन्होंने कहा कि 30 लाख बेरोजगार युवाओं से किये गये वादे के अनुरूप कांग्रेस सरकार ने भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने आश?वासन दिया कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तर्ज पर तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के जरिए पारदर्शी तरीके से भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रुप आई की परीक्षा जल्द ही आयोजित की जाएगी। उन्होंने पूछा, बीआरएस ने 3,650 दिनों तक सत्ता में रहने के बावजूद नौकरियां क्यों नहीं दीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान टांडास और दूरदराज के गांवों में 6,450 एकल शिक्षक स्कूल बंद कर दिए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही मेगा डीएससी के जरिए शिक्षक भर्ती करेगी और सभी गरीबों के दरवाजे पर शिक्षा सुविधाएं प्रदान करेगी।

उन्होंने घोषणा की कि सभी गुरुकुलम स्कूलों को एक छतरी के नीचे लाया जाएगा। एससी, एसटी और अल्पसंख्यकों के लिए गुरुकुलम स्कूल प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 20 एकड़ भूमि में एक परिसर में स्थापित किए जाएंगे। सरकार इसे कोडंगल में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लेगी और सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक ही मॉडल लागू करेगी। अधिकारियों को सभी निर्वाचन क्षेत्रों में गुरुकुलम स्थापित करने के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करने का निर्देश दिया।

भीषण सड़क हादसा, आमने-सामने टकराए बस और स्कॉर्पियो, 5 की दर्दनाक मौत

बिकानेर, एजेंसी। राजस्थान के बिकानेर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां बस और स्कॉर्पियों की आपस में भिड़त हो गई जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। सभी लोग गुजरात के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मरने वालों में 2 पुरुष, दो महिलाओं और एक लड़की बताई जा रही है। घटना भारतमाला एक्सप्रेस वे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुक्रवार सुबह पुलिस और स्कॉर्पियों की आमने सामने तेज टक्कर हो गई जिसमें 5 लोगों की मौत हुई है। इन पांच लोगों की पहचान डॉ प्रतीक, उनकी पत्नी हेतल उनकी बेटी, कम्यूनिस्ट हेल्थ ऑफिसर पूजा और उसके पति शामिल है। जानकारी के मुताबिक हादसे के दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताया कि बस के साथ स्कॉर्पियो की गाड़ी इतनी भीषण थी कि गाड़ी बिल्कुल पिचक गई।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को चुनाव में सीमा से अधिक धन खर्च करने का ठहराया दोषी

पेरिस, एजेंसी।
फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को पेरिस अपील की अदालत ने अवैध अभियान वित्तपोषण का दोषी पाया, जिसने उन्हें एक साल की जेल की सजा दी, इसमें से आधी सजा निलंबित कर दी गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने पाया कि सरकोजी ने 2012 में अपने राष्ट्रपति अभियान के लिए 42.8 मिलियन यूरो (45.9 मिलियन डॉलर) खर्च किए थे, जबकि उस समय फ्रांस में अधिकतम स्वीकार्य राशि 22.5 मिलियन यूरो थी।

फ्रांसीसी प्रेस के अनुसार, बड़े पैमाने पर हुई अधिकता को छुपाने के लिए दोहरे चालान की एक प्रणाली स्थापित की गई। सरकोजी को निस्संदेह उन धोखाधड़ी से लाभ हुआ जिसने उन्हें कानून द्वारा अधिकृत लोगों की तुलना में कहीं अधिक साधन दिए। हालांकि, जांच से यह स्थापित नहीं हुआ कि उन्होंने उन्हें आदेश दिया था, या कि उन्होंने उनमें भाग लिया था या यहां तक कि उन्हें उनके बारे में सूचित किया गया था। उनके वकील ने संवाददाताओं से कहा, सरकोजी इस मामले को फ्रांस की सर्वोच्च अदालत में ले जाएंगे। 2007 से 2012 तक राष्ट्रपति रहे सरकोजी को कई कानूनी मामलों का सामना करना पड़ा। उन आरोपों पर 2025 में मुकदमा शुरू होगा कि उन्होंने 2007 के अपने अभियान के लिए लीबिया से धन स्वीकार किया था। 2021 में एक अदालत ने उन्हें भ्रष्टाचार और प्रभाव फैलाने के लिए तीन साल की जेल की सजा सुनाई, जिसमें दो निलंबित भी शामिल थे। उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया।

ब्रिटेन में ब्रिटिश-भारतीय के साथ मिलकर बाल शोषण साइट चलाने वाले व्यक्ति को जेल

लंदन, एजेंसी।
एक भारतीय मूल के डॉक्टर और उसके लिए काम करने वाले कई अन्य लोगों के साथ डार्क वेब पर बाल यौन शोषण के लिए समर्पित साइटें बनाने और संचालित करने वाले एक मैकेनिक को ब्रिटेन में 16 साल की जेल हुई है। चेशायर के नाथन बेक (28) द एनेक्स नामक साइट के यूके स्थित तीन मॉडरेटरों में से एक थे।

उन्होंने साइट के नियमों को लागू करने और यह सुनिश्चित करने के लिए लगभग 30 स्टाफ सदस्यों के साथ काम किया ताकि यह सुचारू रूप से चलता रहे। उन्हें बुधवार को चेस्टर क्राउन कोर्ट ने 16 साल की कैद की सजा सुनाई, यौन अपराधियों के रजिस्टर में आजीवन नाम दर्ज किया गया और आजीवन यौन क्षति निवारण आदेश दिया गया।

मुख्य मॉडरेटर के रूप में नाथन बेक द एनेक्स की कमान में दूसरे स्थान पर थे, जो अब सक्रिय नहीं है। इसके लगभग 90 हजार ग्लोबल सदस्य थे, जिन्होंने इसका उपयोग दुर्व्यवहार सामग्री को साझा करने

और चर्चा करने के लिए किया था, जिसमें हर्टकोर और शिशुओं और बच्चों का यौन शोषण शामिल था। लंदन के 33 वर्षीय भारतीय मूल के मनोचिकित्सक कबीर गर्ग, स्टाफ सदस्यों में से एक थे। वह मॉडरेटर के रूप में साइट के पदानुक्रम में नाथन बेक के बाद थे।

बच्चों के यौन शोषण को बढ़ावा देने, बच्चों की अश्लील तस्वीरें बनाने और वितरित करने के तीन-तीन मामले और प्रतिबंधित तस्वीरें रखने सहित आठ आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें पिछले साल छह साल की जेल हुई थी। राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के वरिष्ठ जांच अधिकारी डैनियल वेवेल ने कहा, बेक उन चुनिंदा व्यक्तियों में से एक थे जिन्होंने एनेक्स को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वैश्विक स्तर पर बाल यौन शोषण को बढ़ावा देने में सक्षम थे।

खुद जो बाइडेन भी परेशान हैं; महीने भर में 7 भारतीयों की हत्या से अमेरिका में सनसनी

वाशिंगटन, एजेंसी।
हाल के दिनों में अमेरिका में रह रहे भारतीयों पर हमले के मामले बढ़ गए हैं। इस पर अमेरिकी सरकार ने चिंता जताई है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिका में नस्ल, लिंग या किसी भी आधार पर हिंसा अस्वीकार्य है। अमेरिकी नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनका प्रशासन इन हमलों को रोकने की पूरी कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि खुद राष्ट्रपति बाइडेन भी परेशान हैं और किसी भी भेदभाव के आधार पर भारतीयों पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गुरूवार को पत्रकारों से बात करते हुए किर्बी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के शासन में हिंसा की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, नस्ल या लिंग या धर्म या किसी अन्य कारक पर आधारित किसी तरह की हिंसा के लिए कोई बहाना नहीं चल सकता है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में बिल्कुल अस्वीकार्य है।

किर्बी का यह बयान तब आया है, जब वॉशिंगटन में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान संवाददाताओं ने उनसे भारतीय छात्रों पर हो रहे लगातार और सिलसिलेवार हमलों के बारे में पूछा। इस पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन और उनका प्रशासन भारतीय और भारतीय अमेरिकी छात्रों पर हमलों को विफल करने और बाधित करने की कोशिशों में जुटा है।

बता दें कि अमेरिका में महीने भर के अंदर 4 भारतीय छात्रों और 3 भारतीय मूल के लोगों की हत्या हो चुकी है।

सैन्य ऑपरेशन को लेकर बाइडन ने फिर नेतन्याहू को चेताया

गाजा, एजेंसी। हमास और इस्राइल के बीच बीते पांच महीने से जंग जारी है। पिछले साल सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमास के घातक हमले के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। इस लड़ाई के बीच मिस्र से लगी रफा सीमा पर इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि इस्राइल ने आगे जमीनी हमले के भी संकेत दिए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सैन्य अभियान चलाने की हिदायत दी है। व्हाइट हाउस ने बताया कि जो बाइडन ने गुरुवार को इस्राइली पीएम से कहा कि उन्हें फलस्तीनी नागरिकों की रक्षा के लिए एक भरोसेमंद और जमीन पर उतारी जाने लायक योजना के बिना रफा सीमा पर सैन्य कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार गुरुवार को दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। इस दौरान बाइडन ने नेतन्याहू को गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में जाने के बारे में चेतावनी दी। इसके अलावा, बंधकों को रिहा कराने को लेकर भी बात हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बंधकों को मुक्त करने में मदद करने के लिए चौबीसों घंटे काम करना जारी रखने का वादा किया।

गाजा की कुल आबादी 23 लाख है, जिसमें से आधे से अधिक अब रफा में हैं। यहां हजारों लोग विशाल तम्बू शिविरों और भीड़ भरे संयुक्त राष्ट्र के आश्रयों में रह रहे हैं। आश्रय के अलावा यह रफा मदद का द्वार भी बन चुका है। दरअसल, गाजा पट्टी में लोगों और सामानों की आवाजाही तीन क्रॉसिंगों के जरिए होती है। इसमें

पहला रफा क्रॉसिंग है जिसका नियंत्रण मिस्र के पास है। दूसरा इरेज और तीसरा केरेम शालोम क्रॉसिंग जिनका नियंत्रण इस्राइल करता है। युद्ध से पहले मानवीय सहायता के लिए केरेम शालोम प्राथमिक मार्ग था। यह और इरेज दोनों अब बंद हो गए हैं। इस तरह से रफा गाजा से अंदर और बाहर जाने का एकमात्र रास्ता रह गया है। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में, व्हाइट हाउस ने बताया था कि राष्ट्रपति बाइडन और नेतन्याहू के बीच फोन पर लगभग 45 मिनट तक बातचीत हुई थी। इस दौरान बाडइन ने गाजा पट्टी में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई में फलस्तीनी नागरिकों की बढ़ती मौत पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया था कि बाइडन और नेतन्याहू की बातचीत मुख्य रूप से गाजा में हमास द्वारा रखे गए शेष 132 बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयासों पर केंद्रित रही थी।

हाल के हफ्तों में बंधकों की रिहाई की दिशा में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा था कि बंधकों की रिहाई के लिए समझौता काफी हद तक सहमति बन चुकी है। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति बाइडन ने चर्चा के दौरान जल्द से जल्द सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए इस प्रगति को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129